अब हर
रोज दर्पण
3

जबलपुर मंगलवार 7 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष 32 अंक 12 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 31.3°C
न्यूनतम तापमान 24.6°C
सूर्योदय - 5.31 | सूर्यास्त - 7.00

मौसमी बीमारियों से रहे सतर्क, अस्वस्थ्य होने पर... 2

भाजपा सरकार ने सपा की विकास योजनाओं... 7

कलेक्टर ने आदतन अपराधी को 5 माह तक... 9

कुवैत की मत्स्य कंपनी ने किया 7,430 करोड़ रुपए का एग्रीमेंट

- इंदिरा सागर, बरगी, बाणसागर और बारना जलाशय में विकसित होगा इंफ्रास्ट्रक्चर, 35 हजार रोजगार होंगे सृजित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाता की समृद्धि के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में पशुपालन, मत्स्य पालन जैसी आय बढ़ाने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित या बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में तालाबों और जलाशयों के बेहतर प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अन्नदाता की समृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं विकसित हो रही हैं। प्रदेश के मछुआरा समुदाय के लोग मछली पालन जरिए ही अपनी आजीविका चलाते हैं। इन सबकी बेहतरी के लिए मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत गतिविधियों को अंतर्राष्ट्रीय विस्तार दिया जा रहा है। आज कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच हुआ एग्रीमेंट प्रदेश में मत्स्य पालन और मछुआ कल्याण के क्षेत्र में नया इतिहास रचेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी- जबेदी अल कुवैत फिशरीज कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच, प्रदेश में 7 हजार 430 करोड़ रुपए के निवेश और बाय बैक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। यह एग्रीमेंट मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में एग्रीमेंट पर हुए हस्ताक्षर के बाद यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार, विधायक रामेश्वर शर्मा तथा कुवैत

फिश ट्रेड यूनियन के निदेशक मंडल के अध्यक्ष फारेस बौकम्माज उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में है अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन विकास के लिए पर्याप्त जलसंरचनाओं के भंडार हैं। इससे देश की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। कृषि और खाद्यान्न के विकास को लेकर मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। कुवैत हमारा मित्र देश है, प्रदेश में विदेशी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार पूर्ण समर्पण के साथ तेजी से कार्य कर रही है, अब इसके सुखद परिणाम भी लगातार सामने आ रहे हैं। भविष्य में मध्यप्रदेश मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा।

वेजिटेबल्स का भी होगा उत्पादन

अनुबंध के अंतर्गत 7 हजार 430 करोड़ रूपए के अनुमानित निवेश से इंदिरा सागर, बरगी, बाणसागर और बारना जलाशय में केज कल्चर सहित बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। केज कल्चर के जरिये लगभग 4 लाख टन का अतिरिक्त मत्स्य उत्पादन अपेक्षित है। इसके साथ ही एक्वापोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ग्रीन हाउस से 1 लाख 23 हजार टन वेजिटेबल्स आदि का भी उत्पादन होगा। प्रदेश में हो रही इस नई पहल से 15 हजार प्रत्यक्ष और 20 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश से लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य है।

चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

कृष्ण मोहन को सौंपी गई राम मंदिर ट्रस्ट की जिम्मेदारी

अयोध्या

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक अयोध्या में हुई, जिसमें कई बड़े फैसले लिए गए। राम मंदिर चंदा चोरी के मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे को मंजूदी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान चंपत राय और अनिल मिश्रा मौजूद नहीं रहे हैं। कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी समेत राम मंदिर ट्रस्ट के अन्य सदस्य बैठक में मौजूद रहे हैं। राम मंदिर ट्रस्ट ने बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें सारी चीजों को साफ किया गया और बताया गया कि बैठक के दौरान कौन-कौन से फैसले लिए गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर बना। इसके लिए लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। राम मंदिर चंदा चोरी हम लोगों के बहुत बड़ा दुख है। यह बहुत लज्जा की बात है। चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि इस्तीफा देने के बाद वह स्वीकृत माना जाता है, इसलिए वह स्वीकार माना जाता है। हम लोगों को उसको मान ली लेना चाहिए। ऐसी स्थिति

में हमने चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। एसआईटी की रिपोर्ट आने तक ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट न्यास का अंतरिम महासचिव के रूप में काम देखेंगे। एक समिति नई व्यवस्था और नए सदस्यों के चुनाव की प्रकिया देखेगी। ट्रस्ट के संविधान के अनुसार इस्तीफा देने के बाद उसे अस्वीकार करने का कोई नियम नहीं है। उनके सारे कार्य का सम्मान करते हुए हम लोगों ने उसको स्वीकार कर लिया है। अगली व्यवस्थाओं के लिए हम सभी तैयार हैं। महासचिव कृष्ण मोहन जी अंतरिम महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह अपने साथियों को चुन करके आगे का काम करेंगे। प्रसार माध्यमों जो कुछ बड़ा-बड़ा हव्वा कहा जा रहा है, वो कितना सत्य है, उसकी जांच करनी चाहिए। इस बात से समाज को सावधान रहना चाहिए। रामायण पुस्तक, कागभुसुंडि कहां है, इन सबकी जानकारी दी। इसके लिए हम एक रजिस्टर आपके सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि सब सुरक्षित हैं, इनकी कोई चोरी नहीं हुई है। राम मंदिर ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

सीबीआई जांच की मांग खारिज

उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के चढ़ावा चोरी मामले में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश देने की मांग की थी। राज्य सरकार की ओर से एएजी विनोद शाही और सीएससी शैलेंद्र सिंह ने अदालत में पक्ष रखा। वहीं, सरकार की ओर से दलील दी गई कि इसी विषय से जुड़ी याचिका पहले से ही सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। सरकार ने कहा कि ऐसे में हाईकोर्ट में इस याचिका पर सुनवाई का औचित्य नहीं है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस राजन राय और जस्टिस मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने याचिका खारिज कर दी।

ट्रस्ट की 5 बड़ी बातें

1. ट्रस्ट को दान के जरिए 3,264 करोड़ रुपये मिले थे। इनमें से 2,370 करोड़ रुपये मंदिर निर्माण और अन्य कार्यों पर खर्च किए जा चुके हैं।
2. ट्रस्ट की स्थापना से लेकर 31 मार्च 2026 तक श्रद्धालुओं से 582 करोड़ रुपये की चढ़ावा राशि प्राप्त हुई। इसमें से 391 करोड़ रुपये ट्रस्ट के संचालन और अन्य खर्चों पर खर्च किए गए।
3. एसआईटी की रिपोर्ट के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने पद से इस्तीफा दे दिया। ट्रस्ट ने निष्पक्ष जांच के लिए दोनों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। गोपाल नागरकट्टे का नाम विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची से हटाने का फैसला।
4. नकद दान के अलावा श्रद्धालुओं ने भेंट अर्पित की। अब तक ऐसी 2,926 भेंटें प्राप्त हुई हैं। इन सभी का पूरा रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज है। हर साल एक चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म सभी भेंटों का भौतिक सत्यापन करती है।
5. कोई श्रद्धालु अपनी दी हुई भेंट की जानकारी लेना चाहता है तो वह ट्रस्ट के किसी अधिकारी से अयोध्या आकर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

महिलाओं को हर महीने मिलने वाली नकद राशि बढ़नी चाहिए

नई दिल्ली

पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद का राज्यों को सुझाव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने सोमवार को कहा कि राज्यों में महिलाओं से जुड़ी नकद सहायता योजनाओं की राशि की समय-समय पर समीक्षा होनी चाहिए। परिषद ने कहा कि नकद राशि महंगाई बढ़ने और परिवारों के खर्च में बदलाव को देखते हुए जरूरत पड़ने पर बढ़ाई जानी चाहिए। ईएसी-पीएम ने अपनी रिपोर्ट में महाराष्ट्र की माझी लाडकी बहिन योजना और ओडिशा की सुभद्रा योजना का अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया कि इन योजनाओं से महिलाओं की बचत बढ़ी, घरेलू खर्च में मदद मिली और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि नकद सहायता के साथ महिलाओं को डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वयं सहायता समूह से भी जोड़ा जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से और मजबूत बन सकें। नकद सहायता मिलने के बाद यूपीआई से भुगतान भी बढ़ा। महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़ी चीजों पर पहले से ज्यादा खर्च करने लगी हैं। ईएसी-पीएम के अनुसार, 15 से ज्यादा राज्यों में महिलाओं को सीधे बैंक खाते में नकद सहायता दी जा रही है। इन योजनाओं का लाभ करीब 12 करोड़ महिलाओं को मिल रहा है। परिषद का कहना है कि महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देने से परिवार की स्थिति बेहतर होती है और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ती है। इसलिए महंगाई के अनुसार सहायता राशि की समय-समय पर समीक्षा की जानी चाहिए।

आत्मघाती हमले में 2 जवान शहीद

इम्फाल। मणिपुर के उखरूल जिले में सोमवार दोपहर करीब 1.50 बजे नुंगशांग कोंग के पास 40 असम राइफल्स के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। हमला उस समय हुआ, जब जवान अपनी ड्यूटी पूरी कर शांगशाक बटालियन हेडक्वॉर्टर की ओर लौट रहे थे। हमले में वारंट ऑफिसर बलवंत सिंह और राइफलमैन सीएम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत उखरुल जिले के संगशक स्थित असम राइफल्स के नजदीकी शिविर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

ट्रक-बोलेरो की टक्कर में 5 की मौत

भोपाल। प्रदेश के सीहोर जिले में सोमवार दोपहर आष्टा-पचोर-शुजालपुर मार्ग पर ग्राम मेना गोदी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। आष्टा एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने बताया कि बोलेरो में कुल 9 लोग सवार थे। सभी राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के भियापुरा गांव के निवासी थे और इलाज कराने आष्टा जा रहे थे।

मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल सिर्फ नारे बनकर रह गए

जयपुर में बस-ट्रक की बॉडी बिल्डिंग वर्कशॉप पहुंचे राहुल गांधी

जयपुर। राहुल गांधी जयपुर में बस और ट्रक की बॉडी बनाने वाली वर्कशॉप में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां काम करने वाले कारीगरों और उद्योग से जुड़े लोगों से बातचीत की। उन्होंने आरोप लगाया- मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल सिर्फ नारे बनकर रह गए हैं। मोदी सरकार बड़े उद्योगपतियों के लिए काम कर रही हैं। तकनीकी खराबी के कारण बसों में लगने वाली आग का दोष उन कारीगरों पर लगाया जा रहा है, जो केवल गाड़ी की बॉडी तैयार करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर मुलाकात का वीडियो शेयर किया।

राजस्थान के स्थानीय बस और ट्रक बॉडी-बिल्डर्स से मुलाकात के दौरान ऐसा भारत देखने को मिला, जो अपने दम पर रोजगार पैदा करता है।

गडकरी से मिले राहुल-प्रियंका

राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राजस्थान के ट्रक और बस बॉडी-बिल्डर्स के प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्होंने उद्योग से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की थी। गडकरी से मुलाकात के बाद प्रियंका गांधी ने कहा था कि ट्रक और बस बॉडी-बिल्डर्स को लाइसेंस लेने में भारी खर्च उठाना पड़ता है और प्रक्रिया भी लंबी है।

हाफिज सईद ने ही पहलगाम हमले की साजिश रची : एनआईए

नई दिल्ली। पहलगाम हमले पर एनआईए ने सोमवार को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी ने कहा कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में फायरिंग की थी। टूरिस्टों की धर्म पूछकर हत्या की गई थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। पाकिस्तान और पीओके में 9 ठिकानों पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। पहलगाम हमले के बाद एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आतंकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है।

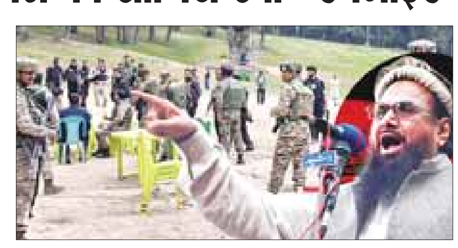

विदेशी फंडिंग पर गृह मंत्रालय का बड़ा एक्शन!

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय द्वारा हाल में ही जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, फॉरेन कॉन्ट्रिब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट, 2010 के तहत भारत में रजिस्टर्ड हुए गैर-सरकारी संस्थाओं और एसोसिएशनों में अब केवल 27.7 प्रतिशत ही एक्टिव हैं। मंत्रालय ने बताया कि बाकी बचे हुए 72.3 प्रतिशत संस्थाओं के लाइसेंस या तो रद्द किए जा चुके हैं या उनकी वैधता समाप्त हो चुकी है। गृह मंत्रालय ने साल 2012 से एफसीआरए के तहत वैध पंजीकरण वाली संस्थाओं का रिकॉर्ड रखना शुरू किया था। तब से अब तक 52,159 एनजीओ और एसोसिएशनों को विदेशी चंदा प्राप्त करने का लाइसेंस मिला। इनमें से वर्तमान में केवल 14,455 संस्थाओं के पास सक्रिय एफसीआरए लाइसेंस है और वही विदेशी फंड प्राप्त करने की पात्र हैं। आंकड़ों के अनुसार, 22,498 एनजीओ के लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं। इनमें से अधिकांश कार्रवाई 2015 के बाद हुई, जब 10,000 से अधिक संस्थाओं का एफसीआरए रजिस्ट्रेशन समाप्त कर दिया गया था। इसके अलावा 15,206 संस्थाओं के लाइसेंस डीम्ड एक्सपायर्ड माने गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने पांच वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद लाइसेंस को रिनीवल नहीं कराया।

37 हजार से अधिक एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस खत्म

7वीं के छात्र ने बनाया स्मार्ट सॉफ्टवेयर

कक्षा में आते ही लॉक हो जाएगा टीचर का मोबाइल

बक्सर

बिहार में बक्सर जिले के बरुणा गांव के महज 13 वर्षीय आकाश मौर्य ने 'कमांड सेंटर और लाइव लिंक' नामक एक ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जो विद्यालयों की पूरी व्यवस्था को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित करने का दावा करता है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से शिक्षक की उपस्थिति, विद्यार्थियों की पढ़ाई, फीस, परीक्षा परिणाम, अभिभावकों से संवाद और विद्यालय प्रबंधन जैसे कई कार्य एक ही प्लेटफॉर्म से संचालित किए जा सकते हैं। सातवीं कक्षा में अध्ययनरत आकाश का सपना देश के हर विद्यालय को तकनीक से जोड़ना है। उनका कहना है कि शिक्षा व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से

इस सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया है। आकाश ने बताया कि विद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही शिक्षक की उपस्थिति स्वत: दर्ज हो जाएगी। पढ़ाई के दौरान शिक्षक का मोबाइल लॉक रहेगा, जिससे सोशल मीडिया का उपयोग नहीं हो सकेगा और कक्षा में पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। इससे अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को बढ़ावा मिलेगा। छात्र आकाश ने बताया कि प्रयोग के तौर पर इस सॉफ्टवेयर को छह से अधिक निजी विद्यालयों में शुरू किया जा चुका है। वहां से सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद अब इसे बड़े स्तर पर लागू करने की योजना है। उनका लक्ष्य देशभर के विद्यालयों को इस तकनीक से जोड़ना है। आकाश के अनुसार फिलहाल यह सॉफ्टवेयर हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, बांग्ला और मराठी भाषा में उपलब्ध है। अभिभावक ऑनलाइन शिकायत और सुझाव भी दर्ज कर सकते हैं। बच्चों की शैक्षणिक प्रगति और विद्यालय की हर गतिविधि की जानकारी उन्हें समय-समय पर मिलती रहेगी। आकाश का जुड़वा भाई अंकू मौर्य भी महज 13 वर्ष की उम्र में यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। एक ही परिवार के दो बच्चों की असाधारण सोच और लक्ष्य आज क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं।

एक ही एप पर स्कूल की पूरी व्यवस्था

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से अभिभावक बच्चों की उपस्थिति, परीक्षा परिणाम, होमवर्क, ऑनलाइन नोट्स, विद्यालय की गतिविधियां और ऑनलाइन प्रवेश आवेदन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा विद्यालय त्याग प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, मार्कशीट और प्रवेश-पत्र भी इसी प्लेटफॉर्म से प्राप्त किए जा सकेंगे।

फीस भुगतान और एआई आधारित निगरानी

इस ऐप के जरिए अभिभावक बार कोड स्कैन कर घर बैठे फीस जमा कर सकेंगे। भुगतान की आटोमैटिक रसीद भी तुरंत उपलब्ध होगी। एआई तकनीक यह भी बताएगी कि किन अभिभावकों द्वारा फीस जमा करने में लगातार विलंब किया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन आय-व्यय और शिक्षक वेतन भुगतान की निगरानी भी आसानी से कर सकेगा।

सबसे ज्यादा खनिज रॉयल्टी देता है गोसलपुर फिर भी डीएमएफ की राशि से वंचित

क्षेत्रों में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए हुई थी कोष की स्थपना, भेदभावपूर्ण रवैया से बढ़ रहा आक्रोश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

गोसलपुर क्षेत्र खनिज संपदा से लबरेज है यहां पर अनेक प्रकार के गौण खनिज पाए जाते हैं। गोसलपुर के गांधीग्राम क्षेत्र की बात करें तो यहां पर लगभग 2 दर्जन खदाने संचालित है। इसके बदले शासन के डीएमएफ जिला खनिज निधि फंड में बड़ी मात्रा में खनिज रायल्टी जमा होती है। परंतु जिले के अंदर सबसे ज्यादा खनिज रॉयल्टी देने वाला गोसलपुर क्षेत्र इस डीएमएफ की राशि से वंचित रह जाता है। गौरतलब है की सन 2006 में डीएमएफ की स्थापना हुई थी यह डीएमएफ कोष इसलिए बनाया गया था ताकि खदानों के संचालन से प्रभावित क्षेत्रों में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए या अन्य शिक्षा स्वास्थ्य ग्रामीण अधोसंचना के क्षेत्र में इस रॉयल्टी का हिस्सा खर्च कर यहां पर आधारभूत संरचना से संबंधित विकास कार्य किया जा सके। परंतु गाइडलाइन के विपरीत अन्य विधानसभा क्षेत्र में यह राशि बांटी जा रही है ,जो की नियमों के विपरीत है इस राशि को पाने के लिए प्रभावित क्षेत्र गांधीग्राम ,गोसलपुर, कछपुरा, हृदयनगर, टिकरिया ,पुरानी सिलुवा, झांसी सहित अनेक सरपंचों ने अनेकों बार इस राशि को पाने के लिए गांव के ग्रामीण विकास करने के लिए पत्र सौंप चुके है। परंतु इस ओर ध्यान नहीं दिया जाता जिससे प्रभावित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व आम जन मानस में आक्रोश बढता जा रहा है।

रहवासियों में बीमारियों का बढ़ा खतरा

स्थानीय लोगों का कहना है की जहां एक ओर संचालित खदानों से स्थानीय आम जनमानस उड़ती धूल खराब सड़के गिरते भूजल स्तर जैसी अनेक समस्याओं से जूझता है ,परंतु जब बात डीएमएफ की राशि वितरण की आती है तो प्रभावशाली विधानसभा क्षेत्र के विधायकों के प्रभाव में यह राशि बांटी जाती है । गोसलपुर क्षेत्र की जनता ने अब जिला कलेक्टर से मांग की है की डीएमएफ की राशि से प्रभावित क्षेत्र गोसलपुर में क्षेत्र में विकास कार्य किए जाएं।

अधिकारियों को बताए साइबर क्राइम से बचने के उपाय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभा भवन में सोमवार को मप्र साइबर पुलिस द्वारा साइबर सिक्योर 2026 के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर कलेक्टर नीता राठौर, रविशंकर राय, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत की मौजूदगी में संपन्न हुए इस प्रशिक्षण में अधिकारियों को साइबर खतरों के प्रति जागरूक किया गया। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा साइबर अपराधों से बचाव के आधुनिक तरीकों और मोबाइल ऐप्स के सुरक्षित उपयोग पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट, के बढ़ते खतरों और उनसे बचने के उपायों के साथ साथ ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षण के समापन पर साइबर पुलिस द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

फायर एनओसी की प्रक्रिया को किया जाएगा सरल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। फेडरेशन ऑफ मप्र चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के नवनिर्वाचित प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष हिमांशु खरे के नेतृत्व में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत एस भोंडवे से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने आयुक्त को उद्योगों को फायर एनओसी से छूट देने एवं संपत्ति कर की नीति के युक्तिकरण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु निवेदन किया। आयुक्त ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही फायर एक्ट के पास होने पर नियमों के निर्धारण हेतु फेडरेशन के प्रतिनिधियों को विस्तृत चर्चा हेतु बुलाया जायेगा। विषेषत: एक्ट के तहत नगर निगम सीमा के अन्तर्गत आने वाले उद्योगों को फायर एक्ट के बाहर रखे जाने का प्रावधान किया जाना है। प्रतिनिधि मंडल को आयुक्त ने आश्वासन दिया कि निगम सीमा के बाहर के उद्योगों के नक्शा स्वीकृति एवं फायर एक्ट के तहत स्वीकृति हेतु कार्यवाही को पूरी तरह से पारदर्शी एवं डिजिटलाईज कर अधिकतम 4 स्टेप्स में फायर एनओसी प्रदान किया जाना सुनिश्चित होगा।

नगरीय विकास आयुक्त से मिले फेडरेशन ऑफ मप्र चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के सदस्य

संपतिकर पर चर्चा

औद्योगिक क्षेत्रों में संपत्ति कर के विषय पर आयुक्त ने कहा कि विभाग प्रयास कर रहा है कि उद्योग पहले से ही लीज रेंट, मेंटेनेंस शुल्क एवं अन्य विकास शुल्क का भुगतान करते हैं। इसके अतिरिक्त अनेक औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानीय औद्योगिक संघ स्वयं सड़क स्वच्छता, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के संचालन एवं रखरखाव के दायित्व का वहन कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उद्योगों को दोहरे करारोपण से छूट प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग आपस में सामंजस्य बनाने का प्रयास करेगा। फेडेरेशन के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष हिमांशु खरे, संयुक्त अध्यक्ष विरेन्द्र कुमार पोरवाल आदि उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी में पौधारोपण कर बच्चों को बांटे उपहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गौर के निकट स्थित नीमखेड़ा आंगनबाड़ी में आमंत्रित अतिथियों ने पौधारोपण के साथ यहां के बच्चों को उपहार वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन आंगनबाड़ी को गोद लेने वाले चिकित्सक डॉ. रजनीश गर्ग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, जनपद अध्यक्ष चन्द्रकिरण गोस्वामी, महिला बालविकास अधिकारी गौरी शंकर लौवंशी, महंत दयानंद गिरी, गुंजन कला सदन मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु तिवारी, पीएमजी के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश दुबे, मुंबई रंगमंच अभिनेता युक्तार्थ श्रीवास्तव, मार्गदर्शक श्री गर्ग सहित कार्यकर्ता स्वाति महोबिया उपस्थित थे । अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर मोतियों की माला के साथ नीरज, विपिन, मधु, निकिता गर्ग, श्री गुप्ता ने किया । इस अवसर पर प्रतुल श्रीवास्तव, लायन नरेंद्र जैन, विजय जायसवाल, बसंत सोनी, राजीव गुप्ता, प्रदीप जैन, अभिजीत रॉय आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर व्यंग्यम की मासिक व्यंग्य गोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में व्यंग्य में रुचि रखने वाले शहर के लब्धप्रतिष्ठ व्यंग्यकारों की उपस्थिति में जबलपुर व्यंग्यम द्वारा मासिक व्यंग्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का प्रारम्भ स्व. जय प्रकाश पांडे का स्मरण करते हुए हुआ।

गोष्ठी में मप्र साहित्य अकादमी से सम्मानित अभिमन्यु जैन, लोकमत समाचार पत्र से पत्रकार पुरस्कार से प्रतुल श्रीवास्तव से सम्मानित तथा व्यंग्य संग्रह कट्टर पिल्ला के लेखक सुरेश विचित्र के स्वागत से हुआ। गोष्ठी में प्रतुल श्रीवास्तव ने रामचंद्र कह गए सिया से, सुरेश मिश्रा विचित्र ने कुछ बड़ा होने वाला है, निरंजन द्विवेदी ने व्यंग्य कविता का पाठ किया।

रमाकांत ताम्रकार ने काश मैं फेंकू होता, विनोद खंडालकर ने पार्किंग का समाधान चालान नहीं, राकेश सोहम ने जीवन में गड्ढों का महत्त्व, आचार्य विजय किसलय ने शोक महोत्सव में बाह्याडंबर और भव्यता, अभिमन्यु जैन ने शादी के पचास साल तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष देश के प्रख्यात व्यंग्यकार प्रो. कुंदन सिंह परिहार ने बेजोड़ जी की पीड़ा और परसाई व्यंग्य का पाठ किया। कार्यगिम का संचालन आचार्य विजय किसलय ने तथा आभार प्रदर्शन सुरेश विचित्र ने किया।

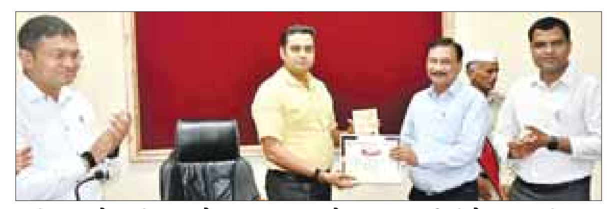

विश्व योग दिवस के सफल आयोजन पर डीईओ सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत की महामहिम राष्ट्रपति के संस्कारधानी जबलपुर आगमन के अवसर पर 21 जून को आयोजित विश्व योग दिवस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी तथा वर्तमान संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी को जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर अपर कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत, गौतम बर्वे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

151वां श्री मारुति महायज्ञ संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । श्री राम भवन उखरी रोड बलदेव बाग में संत शिरोमणि योगीराज देव हर बाबा की स्मृति में बाबा के परम शिष्य श्री राम मारुति धाम के पीठाधीश्वर 1008 जगदीश दास महाराज के सानिध्य में कुचया परिवार की जजमानी में चल रहे पांच दिवसीय 151 व मारुति महायज्ञ का आज 51 किलो हवन सामग्री से पूर्ण आहुति एवं भंडारे के साथ संपन्न हुआ। जिसमें नंद बाबा ,अभिनव नीखरा, नागपुर वाले संजय रावत मंडला , राकेश अयाची, गणेश सोनी राजेश शर्मा , दिनेश त्रिपाठी सम्मिलित हुए।

रामा श्यामा तुलसी पौधा का नि:शुल्क वितरण सम्पन

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । बड़े फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान में निशुल्क श्याम रामा तुलसी पौधों का वितरण 1984 से लगातार किया जा रहा है। जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के अंतर्गत अब तक 1 लाख 10 हजार से अधिक तुलसी पौधों का वितरण अध्यक्ष शरद अग्रवाल के द्वारा किया जा चुका है । इस अवसर पर डॉ सुधीर अग्रवाल, शीर्ष अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

हितग्राहियों को मिली दो मुर्रा भेंसे

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग की अति महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री डेयरी प्लस के अंतर्गत ब्लॉक सिहोरा एवं मझौली के चयनित हितग्राहियों को दो मुर्रा भैंसों दी गयी। भैंसों के चयन के लिए डॉ.ज्योति तिवारी के निर्देशन पर डॉ. श्रद्धा सिंघाड़े एवं डॉ.दीपक शिव जिला नोडल अधिकारी के द्वारा टीम के साथ हिसार, हरियाणा जाकर पशुपालकों द्वारा स्वयं चयन किया गया।

जरूरतमंदों को बांटी जाएगी शुद्ध घी से बनी खिचड़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सामाजिक सरोकार और सेवा भावना की एक अनूठी मिसाल पेश करते हुए आज एक विशेष भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। मप्र दिगंबर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष और अल्पसंख्यक कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुमन कुमार जैन अपनी धर्मपत्नी सपना जैन के साथ अपनी शादी की सालगिरह एक बेहद खास और परोपकारी अंदाज में मनाने जा रहे हैं। अपनी शादी की वर्षगांठ के इस पावन अवसर पर इस दंपत्ति द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन सेवा का संकल्प लिया गया है। आयोजन जबलपुर मेडिकल कॉलेज परिसर में होगा। जिसमें जरूरतमंद लोगों को शुद्ध घी से बनी पौष्टिक खिचड़ी का वितरण किया जाएगा।

बाला प्रसाद सोनकर का निधन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिंधी कैंप निवासी श्री बाला प्रसाद सोनकर का विगत दिवस निधन हो गया है। आप लता सोनकर के पति, आर्या सोनकर के पिता एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के जीजा है। अंतिम संस्कार सोमवार को करियापाथर मुक्तिधाम में सम्पन्न हुआ।

श्रेया कुररिया का निधन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। वार्ड नंबर 8, ब्रह्माण पुरा निवासी श्रेया कुररिया का 27 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे सुधीर कुररिया की पुत्री एवं श्रेयांस व सृजल कुररिया की बहन है। अंतिम संस्कार आज मंगलवार को सुबह 10 बजे बाबाताल स्थित मुक्ति धाम में किया जाएगा।

सामाजिक संगठन ने पकड़ी भारी मात्रा में अवैध शराब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अब सामाजिक संगठन भी सक्रिय हो गए हैं। आबकारी और पुलिस विभाग की कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार देर रात गढ़ा क्षेत्र में 2 युवकों को पकड़कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की। इसके बाद दोनों आरोपियों को शराब सहित गढ़ा थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक संगठन के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली थी कि दो युवक नीले रंग की एक्सिस स्कूटी से अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं ने गढ़ा क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी भागने लगे, लेकिन कार्यकर्ताओं ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से 100 पाव अवैध शराब बरामद हुई। सूचना मिलने पर गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर शराब जब्त कर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया।बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री में लिप्त थे। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था।

जबलपुर में रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शैल्बी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अत्याधुनिक फुली ऑटोमैटिक रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सिस्टम की स्थापना की है। इस आधुनिक तकनीक की सहायता से अब घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी अत्यधिक सटीकता, बेहतर सुरक्षा एवं उत्कृष्ट परिणामों के साथ की जा रही है। जॉइंट रिप्लेसमेंट एवं रोबोटिक सर्जन डॉ. विकास सावला ने अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह तकनीक सर्जरी को अधिक सटीक, कम दर्दनाक एवं शीघ्र रिकवरी वाली बनाती है। उन्होंने कहा कि अब जबलपुर एवं समूचे महाकौशल क्षेत्र के मरीजों को इस सुविधा के लिए महानगरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस अवसर पर शैल्बी हॉस्पिटल की संपूर्ण ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट टीम उपस्थित रही, जिसमें डॉ. विश्वनाथ प्रताप सिंह, डॉ. अमन अग्रहरि, डॉ. कुशल सुराना, हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव तथा उप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अंकित जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 70 वर्षीय राजेंद्र वर्मा, निवासी भीलवाड़ा (राजस्थान) ने शैल्बी हॉस्पिटल में सफल रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के पश्चात अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें अपेक्षा से भी बेहतर परिणाम प्राप्त हुए है तथा अब वे पहले की अपेक्षा अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ चल-फिर पा रहे हैं। शैल्बी हॉस्पिटल का उद्देश्य अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक को अनुभवी विशेषज्ञों के साथ जोड़कर मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार प्रदान करना है। रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट तकनीक के माध्यम से अब जबलपुर में ही महानगरों जैसी उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे घुटनों के दर्द एवं जोड़ों की समस्याओं से जूझ रहे हजारों मरीजों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक उपचार का नया विकल्प प्राप्त होगा।

575 वैगनों, 99 कोचों की मरम्मत कर पमरे ने बनाया रिकॉर्ड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों एवं वैगनों के अनुरक्षण कार्य को निरंतर उच्च गुणवत्ता के साथ संपादित किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधकों के मार्गदर्शन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 के दौरान दोनों कारखानों में कुल 674 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। जिसमें सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 99 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 575 वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग शामिल है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में दोनों कारखानों द्वारा कुल 2045 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। इसमें सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 286 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 1759 वैगनों का अनुरक्षण किया गया है।

धूप-उमस से मिली राहत जलभरावों ने बढ़ाई आफत

तापमान में हुई भारी गिरावट, मौसमी बीमारियों की बढ़ी चिंता

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

संस्कारधानी में सोमवार हफ्ते की शुरुआत के साथ ही मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला नजर आया। सोमवार की सुबह से ही आसमान में घने काले बादलों ने डेरा डाल रखा था, जिसके बाद दिनभर रिमझिम बारिश का दौर अनवरत जारी रहा। लगातार हो रही इस हल्की और मध्यम बारिश ने पिछले कुछ दिनों से जारी तीखी धूप और उमस से परेशान शहरवासियों को बड़ी राहत दी है। ठंडी हवाओं के चलने और बादलों के छाए रहने से वातावरण में घुली तपन दूर हो गई है और मौसम खुशनुमा हो गया है। बारिश के इस खुशनुमा दौर के साथ ही शहर के तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। अधिकतम तापमान 31.3 और न्यूनतम तापमान 24.6 आने से लोगों ने राहत की सांस ली है और घरों में कूलर-पंखों की रफ्तार धीमी हो गई है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले एक-दो दिनों तक जिले में बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर बारिश का यह सिलसिला इसी तरह बना रह सकता है, जिससे तापमान में और कमी आने के आसार हैं।

जलभराव से परेशान नागरिक

हालांकि, इस राहत के बीच शहर के कई रिहायशी इलाकों में नगर निगम के दावों की पोल भी खुलती नजर आ रही है। लगातार पानी गिरने से निचले क्षेत्रों और जलभराव वाले इलाकों में स्थिति बिगड़ गई है।

कई कॉलोनियों में सड़कों पर पानी जमा होने के साथ-साथ लोगों के घरों के भीतर तक पानी घुसने की समस्या तेजी से बढ़ रही है। जलभराव के कारण स्थानीय निवासियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और घरेलू सामानों के खराब होने का डर सता रहा है।

अब पनपेंगे मच्छर

जलभराव और लगातार हो रही बारिश के कारण अब स्वास्थ्य विभाग ने भी अलर्ट जारी किया है। जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ गई है, जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी घातक बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। डॉक्टरों ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और इस बदलते मौसम में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतें ताकि खुद को और परिवार को सुरक्षित रखा जा सके।

संख्याओं का विज्ञान ही नहीं, जीवन को सही दिशा देने वाली विद्या है गणित

गणित मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन, उपयोगी और आधारभूत विद्याओं में से एक है। सामान्यतः लोग इसे केवल संख्याओं, सूत्रों और समीकरणों का विषय मानते हैं, जबकि वास्तव में गणित तर्क, विश्लेषण, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की कला का भी नाम है। आधुनिक युग में विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, व्यापार, वित्त, अंतरिक्ष अनुसंधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र की नींव गणित पर टिकी हुई है। यही कारण है कि आज गणित का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।

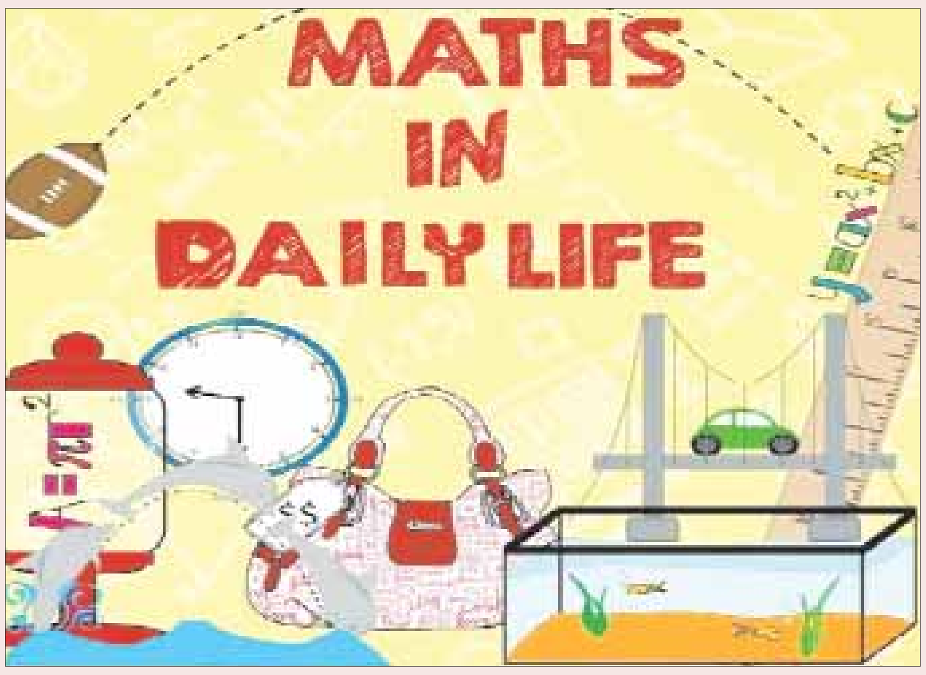

गणित की गौरवशाली विरासत

गणित शब्द संस्कृत के गणना शब्द से बना है, जिसका अर्थ है गिनती करना या संख्या का ज्ञान प्राप्त करना। भारत की प्राचीन गणितीय परंपरा विश्वभर में सम्मानित रही है। महान गणितज्ञ आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य और अन्य विद्वानों ने गणित के विकास में अमूल्य योगदान दिया। विशेष रूप से शून्य (0) की खोज भारतीय सभ्यता की ऐसी देन है जिसने पूरी दुनिया की गणना प्रणाली और वैज्ञानिक विकास की दिशा बदल दी।

शिक्षा और व्यक्तित्व विकास का आधार

विद्यालयी शिक्षा में गणित को अनिवार्य विषय इसलिए बनाया गया है क्योंकि यह विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता तथा समस्या-समाधान का कौशल विकसित करता है। गणित का नियमित अभ्यास मस्तिष्क को सक्रिय बनाता है, स्मरण शक्ति बढ़ाता है और कठिन परिस्थितियों में शांत रहकर समाधान खोजने की क्षमता प्रदान करता है। यह विषय धैर्य, अनुशासन और एकाग्रता जैसे गुणों का भी विकास करता है।

विज्ञान और तकनीक की रीढ़

आज विज्ञान और तकनीक का लगभग प्रत्येक क्षेत्र गणित पर आधारित है। भौतिकी, रसायन विज्ञान, खगोल विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, रोबोटिक्स, डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे आधुनिक क्षेत्रों में गणित की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंप्यूटर, स्मार्टफोन, इंटरनेट, उपग्रह, जीपीएस और डिजिटल तकनीकों के पीछे जटिल गणितीय सिद्धांत कार्य करते हैं। यदि गणित न होता, तो आधुनिक तकनीकी क्रांति की कल्पना भी संभव नहीं होती।

व्यापार और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव

व्यापार, उद्योग और वित्तीय प्रबंधन में गणित का विशेष महत्व है। कंपनियाँ लाभ-हानि का विश्लेषण, निवेश की योजना, उत्पादन लागत, बाजार अनुसंधान तथा भविष्य की रणनीति तैयार करने के लिए गणितीय आँकड़ों और मॉडलों का उपयोग करती हैं। बैंकिंग क्षेत्र में ब्याज की गणना, ऋण प्रबंधन, बीमा, शेयर बाजार और वित्तीय योजनाएँ भी पूरी तरह गणित पर आधारित हैं।

सौरभ गुप्ता
शिक्षक
हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी
डुमना, जबलपुर

डिजिटल युग में कहीं खो न जाए पढ़ने की संस्कृति

सुबह की शुरुआत अख़बार या पुस्तक से कम और मोबाइल की स्क्रीन से अधिक होने लगी है। रात में उपन्यास पढ़ने के बजाय कुछ मिनट रील्स और छोटे वीडियो देखने में बीत जाते हैं। विशेषकर नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग अध्ययन के लिए भी पुस्तकों की जगह पीडीएफ़, वीडियो लेक्चर और ऑनलाइन सामग्री पर अधिक निर्भर हो गया है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या डिजिटल युग में किताबों का महत्व कम हो गया है?

सोचने, समझने की क्षमता का विकास

किताबें केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे सोचने, समझने और गहराई से विचार करने की क्षमता विकसित करती हैं। डिजिटल माध्यमों पर पढ़ते समय हमारी प्रवृत्ति तेजी से स्क्रॉल करने की होती है, जबकि पुस्तक पढ़ते समय मन एकाग्र होता है और विषय को समझने के लिए पर्याप्त समय देता है। यही गहन अध्ययन व्यक्ति की समझ, स्मरण शक्ति और विश्लेषण क्षमता को मजबूत बनाता है।

कल्पनाशक्ति को विस्तार

किताबों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे हमारी कल्पनाशक्ति को विस्तार देती हैं। जब हम किसी उपन्यास या कहानी का अध्ययन करते हैं, तो उसके पात्र, परिवेश और घटनाएँ हमारे मन में स्वयं आकार लेती हैं। यही मानसिक प्रक्रिया रचनात्मकता को जन्म देती है। इसके विपरीत, वीडियो सामग्री में दृश्य पहले से तैयार मिलते हैं, जिससे कल्पना की स्वतंत्रता सीमित हो जाती है।

धैर्य, एकाग्रता प्रदान करती है

लगातार छोटे-छोटे वीडियो और त्वरित सामग्री देखने की आदत का प्रभाव हमारी एकाग्रता पर भी पड़ रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि हर समय हमारा ध्यान कुछ ही सेकंड में नई सामग्री की ओर आकर्षित होता रहे, तो लंबे समय तक किसी विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में पुस्तकें धैर्य, एकाग्रता और गहन चिंतन की आदत विकसित करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं।

सामाजिक बौद्धिकता का आधार

किताबें केवल व्यक्तिगत विकास का साधन नहीं हैं, बल्कि समाज के बौद्धिक विकास की आधारशिला भी हैं। इतिहास, संस्कृति, दर्शन, साहित्य और विज्ञान का विशाल ज्ञान पुस्तकों के माध्यम से ही पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रहा है। स्वतंत्रता सेनानियों, वैज्ञानिकों, साहित्यकारों और महान नेताओं के जीवन में अध्ययन की विशेष भूमिका रही है। नियमित पठन व्यक्ति को केवल जानकारी नहीं देता, बल्कि उसे संवेदनशील, विवेकशील और जिम्मेदार नागरिक भी बनाता है।

डिजिटल तकनीक का करें सीमित उपयोग

इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि तकनीक से दूरी बना ली जाए। आवश्यकता तकनीक का विरोध करने की नहीं, बल्कि उसके संतुलित उपयोग की है। डिजिटल माध्यम त्वरित जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोगी हैं, जबकि गहन अध्ययन के लिए पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं है। यदि प्रतिदिन केवल 20 से 30 मिनट भी पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित की जाए, तो उसका सकारात्मक प्रभाव व्यक्तित्व, भाषा, विचार और निर्णय क्षमता पर स्पष्ट दिखाई देता है।

नमिता तिवारी
शिक्षक
हितकारिणी कन्या उच्चतर
माध्यमिक शाला
बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर

गणितीय माथापच्ची पहेलियां

1. एक परिवार में 5 भाई हैं। हर भाई की एक बहन है। परिवार में कुल कितने बच्चे हैं?
उत्तर - 6 बच्चे। (5 भाई और 1 बहन।)

2. यदि 5 मशीनें 5 मिनट में 5 खिलौने बनाती हैं, तो 100 मशीनें 100 खिलौने कितने मिनट में बनाएँगी?
उत्तर - 5 मिनट।

3. एक संख्या को 2 से गुणा किया, फिर 10 जोड़ दिए, जवाब 30 आया। मूल संख्या क्या थी?
उत्तर - 10

4. 1 से 100 तक की गिनती में अंक 9 कितनी बार आता है?
उत्तर - 20 बार

5. 5. 50 का 20 प्रतिशत कितना होगा?
उत्तर - 10

6. 6. यदि एक वर्ग की एक भुजा 8 सेमी है, तो उसका परिमाप कितना होगा?
उत्तर - 32 सेमी

7. 7. एक महीने में अधिकतम कितने रविवार हो सकते हैं?
उत्तर - 5

8. 8. 8 का आधा और 8 का दोगुना जोड़ने पर कितना होगा?
उत्तर - 20 (4 .16 = 20)

9. 9. यदि एक वर्ग की चारों भुजाएँ 5 सेमी हैं, तो उसका परिमाप कितना होगा?
उत्तर - 20 सेमी

10. 10. एक कुएं में 22 मेढ़क हैं। उनमे से 12 मेढ़क मर गए। कुएं में कुल कितने मेढ़क बचे?
उत्तर - 22, क्योंकि मरने के बाद सभी कुएं में ही रहेंगे।

गणित के लंबे सवाल कम समय में कैसे हल करें? जानिए टॉपर स्टूडेंट्स की स्मार्ट रणनीति

गणित केवल सही उत्तर तक पहुंचने का विषय नहीं है, बल्कि सही उत्तर तक कम समय में पहुंचना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर जेईई, नीट, बैंकिंग, एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लंबे और जटिल सवाल छात्रों का काफी समय ले लेते हैं। कई बार उत्तर आता है, लेकिन समय खत्म हो जाता है। ऐसे में कुछ स्मार्ट तकनीकों और नियमित अभ्यास की मदद से लंबे सवालों को भी कम समय में हल किया जा सकता है। कई छात्र जल्दबाजी में प्रश्न पढ़े बिना हल करना शुरू कर देते हैं। इससे बीच में गलती का पता चलता है और समय बर्बाद होता है। प्रश्न को एक बार ध्यान से पढ़ें और समझें कि क्या पूछा गया है। प्रश्न में दिए गए महत्वपूर्ण आंकड़े, शर्तें और इकाइयों को अलग नोट करें। इससे सवाल व्यवस्थित हो जाता है और समाधान आसान हो जाता है।

आसान चरणों में हल करें

लंबे सवाल को एक साथ हल करने के बजाय छोटे-छोटे चरणों में बांटें। इससे गलती की संभावना कम होती है और उत्तर तक पहुंचना आसान हो जाता है।

अनावश्यक गणना से बचें

जहां संभव हो, संख्याओं को काटकर या सरल रूप में बदलकर गणना करें। इससे समय भी बचेगा और गलतियां भी कम होंगी।

मानसिक गणना प्रैक्टिस करें

छोटी-छोटी जोड़, घटाव, गुणा और भाग के लिए कैलकुलेशन दिमाग में करने का अभ्यास करें। इससे लिखने का समय कम लगता है।

सही सूत्र पहले पहचानें

हर सवाल के लिए सबसे पहले यह तय करें कि कौन-सा सूत्र या सिद्धांत लागू होगा। यदि सूत्र स्पष्ट होगा तो समाधान तेजी से आगे बढ़ेगा।

वैदिक गणित की ट्रिक्स सीखें

गुणा, भाग, वर्ग और प्रतिशत जैसे सवालों में वैदिक गणित की तकनीकें समय बचाने में काफ ी मददगार होती हैं।

टाइमर लगाकर प्रैक्टिस करें

प्रतिदिन 20 से 30 मिनट तक टाइमर लगाकर सवाल हल करें। इससे परीक्षा जैसी परिस्थितियों में गति और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

गलतियों की सूची बनाएं

अपनी कॉपी में उन गलतियों को नोट करें जो अक्सर होती हैं। परीक्षा से पहले इन्हें दोहराने से वही त्रुटियां दोबारा नहीं होंगी।

पहले आसान, फिर कठिन सवाल हल करें

यदि परीक्षा में विकल्प हो तो पहले वे प्रश्न हल करें जो जल्दी बन जाते हैं। इससे समय बचेगा और कठिन सवालों के लिए अधिक समय मिलेगा।

क्या न करें?

- बिना प्रश्न समझे हल करना शुरू न करें।
- हर सवाल पर जरूरत से ज्यादा समय न दें।
- सूत्र याद किए बिना प्रश्न हल करने की कोशिश न करें।
- जल्दबाजी में गणना न करें।
- एक ही प्रकार के सवालों तक सीमित न रहें।

दुनिया की सबसे रहस्यमयी गणितीय पहेलियां, जिनका जवाब खोजते-खोजते बीत गई सदियां

गणित को अक्सर केवल अंकों और सूत्रों का विषय माना जाता है, लेकिन इसकी दुनिया में ऐसे कई रहस्य छिपे हैं, जिन्होंने सदियों से दुनिया के सबसे बड़े गणितज्ञों को चुनौती दी है। कुछ पहेलियां सैकड़ों वर्षों तक अनसुलझी रहीं, कुछ का समाधान आधुनिक तकनीक की मदद से संभव हुआ, जबकि कई ऐसी हैं जिनका उत्तर आज भी किसी के पास नहीं है। इन रहस्यमयी गणितीय समस्याओं ने न केवल गणित को आगे बढ़ाया, बल्कि विज्ञान, कंप्यूटर तकनीक और आधुनिक अनुसंधान को भी नई दिशा दी।

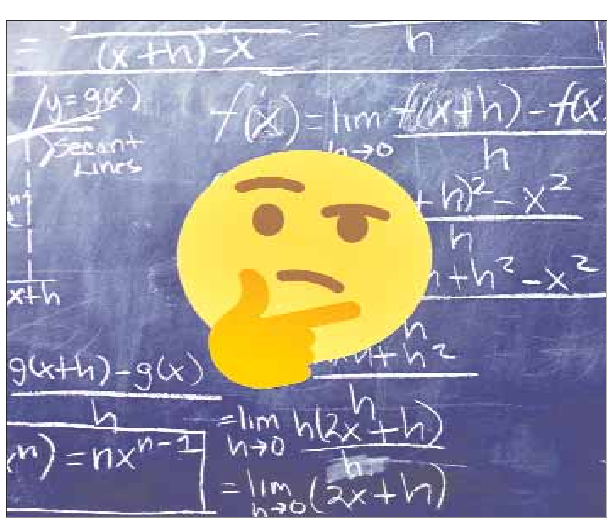

गोल्डबाख का अनुमान

साल 1742 में जर्मन गणितज्ञ क्रिश्चियन गोल्डबाख ने यह अनुमान प्रस्तुत किया कि 2 से बड़ी प्रत्येक सम संख्या को दो अभाज्य संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है।

अरबों संख्याओं तक इसकी जांच हो चुकी है, लेकिन इसका सार्वभौमिक गणितीय प्रमाण आज भी नहीं मिला है।

रीमान परिकल्पना

यह आधुनिक गणित की सबसे महत्वपूर्ण और कठिन पहेलियों में गिनी जाती है। यह अभाज्य संख्याओं के वितरण से जुड़ी है। यदि यह सिद्ध हो जाती है, तो संख्या सिद्धांत, क्रिप्टोग्राफ ी और कंप्यूटर सुरक्षा के कई रहस्यों को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। इस समस्या को हल करने पर एक मिलियन अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार की घोषणा की गई है।

ट्विन प्राइम समस्या

क्या अभाज्य संख्याओं की ऐसी जोड़ियां (जैसे 11 और 13, 17 और 19) अनंत संख्या में मौजूद हैं? अब तक इसका अंतिम प्रमाण नहीं मिल पाया है। यह प्रश्न आज भी गणितज्ञों के लिए चुनौती बना हुआ है।

कोलात्ज़ अनुमान

इसे थ्री एन प्लस वन समस्या भी कहा जाता है। नियम बेहद आसान है, यदि संख्या सम है, तो उसे 2 से भाग दें। यदि विषम है, तो 3 से गुणा करके 1 जोड़ दें। आश्चर्य की बात यह है कि लगभग हर संख्या अंततः 1 तक पहुंच जाती है, लेकिन ऐसा हमेशा क्यों होता है, इसका प्रमाण आज भी नहीं मिला।

जादुई वर्ग

ऐसा वर्ग जिसमें प्रत्येक पंक्ति, स्तंभ और विकर्ण का योग समान हो। यह पहेली हजारों वर्षों से लोगों को आकर्षित करती रही है। प्राचीन भारत, चीन और अरब देशों में इसका उपयोग गणितीय अध्ययन के साथ-साथ कला और वास्तुकला में भी किया जाता था।

चार रंग प्रमेय

क्या किसी भी नक्शे को केवल चार रंगों से इस प्रकार रंगा जा सकता है कि दो पड़ोसी क्षेत्रों का रंग एक जैसा न हो? यह प्रश्न लगभग एक शताब्दी तक गणितज्ञों के लिए चुनौती बना रहा। अंततः कंप्यूटर की सहायता से इसका प्रमाण दिया गया और यह इतिहास के सबसे चर्चित गणितीय समाधानों में शामिल हो गया।

सुडोकू, केवल खेल नहीं, गणित की चुनौती

सुडोकू केवल समय बिताने का खेल नहीं है, बल्कि यह तर्कशक्ति, पैटर्न पहचान और गणितीय सोच को मजबूत करने वाली पहेली है। यही कारण है कि दुनिया भर के स्कूलों में इसे दिमागी अभ्यास के रूप में अपनाया जाता है।

गणित की रहस्यमयी पहेलियां यह साबित करती हैं कि ज्ञान की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। हर अनसुलझा प्रश्न नई खोज की संभावना लेकर आता है। यही कारण है कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि जिज्ञासा, तर्क, धैर्य और नवाचार की ऐसी यात्रा है, जो मानव सभ्यता को लगातार आगे बढ़ा रही है।

रोजमर्रा की जिंदगी में गणित का महत्व

गणित हमारे दैनिक जीवन में एक अभिन्न भूमिका निभाता है, यह हमारे निर्णय लेने, समस्याओं को हल करने और अपने आसपास की दुनिया को समझने के तरीके को आकार देता है। इस लेख में, हम रोजमर्रा की जिंदगी में गणित के महत्व और गणितीय अवधारणाओं की ठोस समझ से जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता कैसे प्राप्त की जा सकती है, इस पर चर्चा करेंगे।

वित्तीय साक्षरता

गणित वित्तीय साक्षरता की नींव है, जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। बजट बनाने और बचत करने से लेकर ब्याज दरों और निवेशों को समझने तक, गणित हमें सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने में मदद करता है। यह हमें खर्चों की गणना करने, ऋणों का प्रबंधन करने और भविष्य के लिए योजना बनाने में सक्षम बनाता है, जिससे हमारी वित्तीय स्थिति बेहतर और स्थिर बनी रहती है।

समस्या समाधान करने की कुशलताएं

मूल रूप से, गणित समस्या-समाधान का एक विषय है। यह हमें आलोचनात्मक सोच, तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक कौशल प्रदान करता है। ये समस्या-समाधान कौशल गणितीय समीकरणों तक ही सीमित नहीं हैं और इन्हें वास्तविक जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में लागू किया जा सकता है, जिससे हम अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर पाते हैं।

मापन और मात्रा निर्धारण

गणित माप और मात्रा निर्धारण की भाषा है। चाहे खाना पकाना हो, निर्माण कार्य हो या यात्रा की दूरी की गणना, गणित हमें मात्राओं को सटीक रूप से मापने, तुलना करने और उनका मूल्यांकन करने में मदद करता है। यह विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की रीढ़ है, जो विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति को सुगम बनाती है और हमारे जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाती है।

डेटा विश्लेषण और सांख्यिकी

सूचना-प्रधान दुनिया में, डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करने के लिए गणित आवश्यक है। सांख्यिकी को समझने से हम डेटा के रुझानों, संभावनाओं और सहसंबंधों के आधार पर सोच-समझकर निर्णय ले पाते हैं। बाज़ार अनुसंधान और चिकित्सा अध्ययनों से लेकर जनमत सर्वेक्षणों तक, डेटा विश्लेषण हमें जटिल जानकारी को समझने और सार्थक निष्कर्ष निकालने में मदद करता है।

होटल की कढ़ी में निकली मरी हुई छिपकली नाश्ता कर रहे तीन छात्र अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बारिश के मौसम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के मोतीनगर चौक में स्थित एक होटल में नाश्ता करने पहुंचे तीन छात्रों को परोसी गई कढ़ी में मरी हुई छिपकली मिलने से हड़कंप मच गया। कढ़ी खा चुके तीन छात्र घबरा गए और तत्काल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचे। तीनों छात्र विशेष ठाकरे पिता सुरेंद्र ठाकरे 19वर्ष ग्राम देवरी थाना तिरोड़ी, दिव्यांशु नाने पिता लीलाधर नाने 19 ग्राम कन्नड़गांव थाना तिरोड़ी तथा छात्र मौसम बोपचे पिता छतरलाल बोपचे 21 वर्ष ग्राम देवरी थाना तिरोड़ी निवासी है। जिन्हें जिला

अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों छात्र मोती नगर में किराये से रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। तीनों छात्र एक ही साथ में रहते हैं। विशेष ठाकरे छात्र सतपुड़ा आईटीआई में अध्ययन

करने जाते हैं। और मौसम बोपचे स्वामी विवेकानंद कॉलेज बालाघाट में आईटीआई कर रहा है और दिव्यांश भी पढ़ाई कर रहा है। बताया गया कि 5 जुलाई को गैस खत्म हो गई थी। 6 जुलाई को सुबह 11:30 बजे करीब तीनों छात्र मोती नगर चौक स्थित एक होटल में नाश्ता करने पहुंचे। उन्होंने नास्ते में समोसे के साथ कड़ी मंगवाई थी। नाश्ता करते समय विशेष ठाकरे कड़ी की कटोरी मे मरी हुई छिपकली का बच्चा दिखाई दिया। यह देखकर तीनों छात्र दहशत में आ गए।संभावित फूड पॉइजनिंग की आशंका और घबराहट के चलते तीनों आगे दवाई दुकान पहुंचे। किंतु दुकानदार ने दवाई देने से मना करते हुए उन्हें जिला अस्पताल जाने की सलाह दी। वे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद विशेष ठाकरे और दिव्यांशु नाने और मौसम बोपचे को निगरानी एवं उपचार के लिए भर्ती कर लिये। तीनों छात्रों का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

दरिंदगी का शिकार हुई 15 वर्षीय छात्रा, पीड़िता हुई गर्भवती

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा (10वीं कक्षा) के साथ लगातार दुष्कर्म का झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। हवस का शिकार बनी डरी-सहमी पीड़िता लोक-लाज के डर से महीनों चुप रही, जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राथमिकी के अनुसार, वारदात की शुरुआत पिछले साल 22 अक्टूबर 2025 को गांव के च्मढ़ई मेलेज के दौरान हुई थी। गांव के ही युवक सरोज सुलखिया ने मासूम को बहला-फुलाकर सुनसान बाड़ी में पहली बार दरिंदगी की। इसके बाद, आरोपी डरा-धमकाकर लगातार उसके साथ बलात्कार

करता रहा। आखिरी बार यह घिनौनी वारदात 28 अक्टूबर 2025 को अंजाम दी गई। शारीरिक बदलाव आने पर जब पीड़िता ने आरोपी को बताया, तो उसने जिम्मेदारी लेने से साफ मना कर दिया। अत्यंत गरीब और मजदूर माता-पिता की यह बेटी करीब 9 महीने तक इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना को अकेले झेलती रही। बीते 3 जुलाई 2026 को पेट में असहनीय दर्द होने पर उसने अपनी मां को आपबीती सुनाई। परिजनों के साथ थाने पहुँची पीड़िता की शिकायत पर खैरलांजी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी सरोज सुलखिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्न्हस्), पॉक्सो एक्ट और स्ष्/स्ञ् एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया।

बाघ नदी के तेज बहाव में बहे दो वाहन

पुल पर वाहनों को देखने ग्रामीणों को लगी रही भीड़

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

जिला मुख्यालय सहित लांजी-किरनापुर क्षेत्र में पिछले चार दिनों से लगातार वर्षा हो रही हैं। वर्षा की वजह से नदी-नालों का जल स्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने जलमार्गों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया है। लांजी-किरनापुर क्षेत्र से सोमवार को एक वीडियो सामने आया है। जिसमें किरनापुर-लांजी क्षेत्र से होकर प्रवाहित होने वाली बाघ नदी की बाढ़ में दो वाहन बहते हुए दिखाई दे रहे है। जिसमें एक जेसीबी व कार शामिल है। नदी में बहते वाहनों को देखने के लिए लोगों की नदी के पुल पर बड़ी संख्या में भीड़ लगी रही। बताया जाता है कि लांजी से महाराष्ट्र को जोड़ने सड़क का निर्माण किया गया है। जिसमें डूडवा के समीप महाराष्ट्र सीमा से लगी बाघ नदी पर हाई लेवल पुल का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किया जा रहा है। लगभग 150 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण 1017.24 लाख से हो रहा है, जिसका निर्माण जयरी कंस्ट्रक्शन कंपनी रायपुर कर रही है। ग्राम अंधियाटोला से गल्लाटोला के बीच बन रहे, इस हाई लेवल पुल निर्माण में लगी मशीनरी के नदी किनारे होने से बाढ़ के पानी में बह जाने की जानकारी सामने आई है। इधर, लगातार हो रही वर्षा की वजह से छोटे नाले उफान पर है। जिसकी वजह से गांव से शहर का संपर्क टूटा हुआ है। इसके साथ ही कुछ जगह सड़कें धंसक गई है।

अब तक वर्षा 280 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में एक जून से छह जुलाई 2026 तक कुल 280 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 216 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थीं। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में एक जून से छह जुलाई तक 322 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार, छह जुलाई को सुबह आठ बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 29 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।

धान की पौध में कीटनाशक छिड़काव करने गए किसान की हुई मौत

कटंगी(स्वतंत्र मत)

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम चिचगांव में रविवार को धान की पौध में कीटनाशक का छिड़काव करने गए एक किसान की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। परिजनों ने किसान को खेत में अचेत पाया और तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चिचगांव निवासी दुर्गेश पिता मालिक पंचेश्वर रविवार दोपहर करीब 2 बजे अपने खेत में धान की पौध यानी खार में कीटनाशक का छिड़काव करने गए थे। शाम तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। परिजन उनकी तलाश करते हुए शाम साढ़े 5 बजे खेत की तरफ पहुंचे। खेत के पास स्थित मोक्षधाम के पास दुर्गेश अचेत अवस्था में पड़े मिले। परिजनों ने तुरंत उन्हें शासकीय अस्पताल कटंगी पहुंचाया। वहां मौजूद डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल अधिकारियों द्वारा इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि किसान की मौत कीटनाशक के प्रभाव से हुई है या किसी अन्य कारण से। प्रारंभिक तौर पर यह मामला कीटनाशक के संपर्क में आने से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। सोमवार को सुबह 11 बजे शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। दुर्गेश के

आकस्मिक निधन से चिचगांव में शोक की लहर है। इस घटना के बाद कृषि विभाग के एक अधिकारी ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि कीटनाशक का छिड़काव करते समय किसानों को पूरे सुरक्षात्मक उपकरण जैसे दस्ताने, मास्क और पूरे कपड़े पहनने चाहिए। तेज धूप और खाली पेट छिड़काव करना खतरनाक हो सकता है। अक्सर लापरवाही के कारण किसान जहरीले रसायनों के संपर्क में आ जाते हैं।

थाना परसवाड़ा परिसर में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ सुंदरकांड पाठ

परसवाड़ा(स्वतंत्र मत)। थाना परसवाड़ा परिसर मे भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा, जहां थाना प्रभारी जी.एल. अहिरवार के नेतृत्व में थाना के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं एसएसयू (स्स्) बल की उपस्थिति में सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भगवान श्रीराम एवं संकटमोचन श्रीहनुमान जी के जयघोष और सुंदरकांड के पाठ से थाना परिसर भक्तिमय माहौल में परिवर्तित हो गया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्ण श्रद्धा, अनुशासन और भक्तिभाव के साथ पाठ में सहभागिता कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना की गई कि भगवान श्रीराम और श्रीहनुमान जी का आशीर्वाद समस्त पुलिस बल तथा क्षेत्रवासियों पर सदैव बना रहे, जिससे सभी को अपने कर्तव्यों के निर्वहन की शक्ति, सकारात्मक ऊर्जा एवं सेवा का भाव प्राप्त हो तथा समाज में शांति, सद्भाव और सौहार्द का वातावरण निरंतर बना रहे। सुंदरकांड पाठ के माध्यम से पुलिस परिवार ने आध्यात्मिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करने का संदेश दिया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

खड़े ट्रक में जा टकराया कोयला लोड ट्रक

उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 43 में खड़े ट्रक में दूसरा ट्रक घुस गया टक्कर में ट्रक का ड्राइवर ट्रक में ही फस गया लगभग 6 घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे ट्रक से बाहर सुरक्षित निकाला। नेशनल हाईवे के बांका तिराहा के पास साइड में ट्रक क्रमांक एम पी 19 जेड एच 1624 खड़ा हुआ था तभी उमरिया से काटने की ओर जा रहा ट्रक क्रमांक सीजी 10 बी एफ 8797 खड़े ट्रक में पीछे से घुस गया हादसा इतना जोरदार हुआ कि ट्रक ड्राइवर सुनील यादव ट्रक में ही फंस गया । मौके पर पहुंची स्थानीय लोग और पुलिस की टीम ने ड्राइवर को ट्रक से निकालने की मशक्कत में जुट गए। हादसा लगभग रात 12 बजे हुआ और ड्राइवर को सेवर 6 बजे निकल जा सका । ड्राइवर सुनील यादव सुरक्षित है । ड्राइवर सुनील यादव ने बताया कि रिमझिम बारिश हो रही थी । मैं अपनी तरफ से जा रहा था कि अचानक एक कर आ गई उसको बचाने के चक्कर में मैंने ब्रेक मारा लेकिन ब्रेक नहीं लगा और गाड़ी स्लिप हो गई इसके बाद घटना हुई है कोयला लेकर अमानगंज जा रहे थे।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की

उमरिया (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा की। उन्होने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इसी सप्ताह अधिकारी 100 दिन से अधिक की शिकायतों का निराकृत कर शून्य की स्थिति में लाएं साथ ही माह के प्रारंभ से ही सभी अधिकारी ए ग्रेड में आने का प्रयास करें ।

उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि स्कूलों मे बच्चों को प्रवेश से संबंधित आ रही शिकायतों का निराकरण जिला शिक्षा कार्यालय में हेल्प डेस्क बनाकर किया जाए ताकि बच्चे उन्हें अध्यापन के कार्य में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नही करना पड़े। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि ग्राम में स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक शाला के समीप कॉलरी आ चुकी है जिससे ब्लास्टिंग के दौरान भवन में कम्पन होता है जिससे भवन क्षतिग्रस्त होने से बच्चों के जान को खतरा के दृष्टिगत बच्चों को अध्ययन हेतु घुलघुली से लगभग 1-2 कि.मी. दूर कक्षा 6 वीं से 8 तक के बच्चों को शासकीय प्राथमिक शाला नरवार-29 में तथा कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को घुलघुली से लगभग 6-7 कि.मी. दूर शा0 उ मा वि विद्यालय जरहा में शिफ्ट करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि बच्चों के आवागमन के लिए एसईसीएल के माध्यम से शीघ्र बसों की व्यवस्था कराई जाए, ताकि उन्हें अध्यापन के कार्य में किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नही करना पडे। उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि फिश पार्लर का कार्य 15 अगस्त तक पूरा करा लिया जाए। उन्होने किसानों को समय पर खाद बीज समय पर उपलब्ध करानें के निर्देश कृषि विभाग को दिए। बैठक से अनुपस्थित रहने पर उप प्रबंधक जल जीवन मिशन राहुल मिश्रा को शो काज नोटिस जारी करनें के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा , डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम जरहा में पंचायत निधि से मोबाइल खरीद का आरोप, सचिव की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल..

उमरिया (स्वतंत्र मत)

पंचायत की राशि सरकारी धन से सरपंच और सचिव व्दारा अपने निजी उपयोग के लिए मोबाइल खरीदना पूर्णत: नियम विरूध्द और गबन माना है। इस तरह के मामलों में सरकारी फंड के दुरूपयोग के गंभीर आरोप लगते है और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाई होती है। पंचायत निधि का उपयोग केवल गांव के विकास कार्यो , बुनियादी ढांचो और जनहित की योजनाओं के लिए किया जा सकता है। मोबाइल खरीदने के लिए पंचायत निधि का उपयोग करना वित्तीय अनियमितता और शासकीय राशि के गबन की श्रेणी में आता है। जनपद पंचायत करकेली के ग्राम जरहा में पंचायत सचिव संतोष तिवारी पर पंचायत निधि के 5वें वित्त आयोग की राशि से नियमों के विरुद्ध मोबाइल फोन खरीदकर उसका भुगतान 31 -12 2025 को भरत मोबाईल के नाम 19 हजार 500 करने का आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा जांच की मांग की जा रही है। आरोप है कि पंचायत सचिव ने सरकारी निधि का उपयोग निर्धारित नियमों के विपरीत करते हुए मोबाइल खरीद का भुगतान किया। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह वित्तीय नियमों के उल्लंघन का मामला है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि संबंधित सचिव पहले भी उजान पंचायत में पदस्थ रहते हुए 2016 में शौचालय निर्माण से जुड़े लगभग 11 लाख रुपये के कथित गबन के मामले में जांच के दायरे में रहे थे। उस मामले में उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने तथा निलंबन की कार्रवाई किए जाने की बात भी सामने आई थी। ग्रामीणों ने जारहा पंचायत में हुए कथित वित्तीय अनियमितता की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के विचारों को आत्मसात कर अपनी जिम्मेवारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें : गौरव

उमरिया (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सोमवार को भाजपा कार्यालय भरौली में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के तहत जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमे संभागीय संगठन प्रभारी गौरव सिरोठिया, जिला प्रभारी राजेन्द्र पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, विधायक सुश्री मीना सिंह, विधायक शिवनारायण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल,वरिष्ठ नेता मिथलेश पयासी,पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप पांडे ,राकेश शर्मा,महामंत्री हरीश विश्वकर्मा, राधेलाल कोल मंचासीन रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री दीपक छतवानी ने किया। जिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए संभागीय संगठन प्रभारी गौरव सिरोठिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचारधारा और कार्यकर्ता आधारित, अनुशासित संगठन है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके संस्कार,

विचार, कार्यपद्धति और समर्पित कार्यकर्ता हैं। भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ऐसे राजनीतिक दल की कल्पना की थी, जो केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, संगठन, संस्कार और विचारधारा पर आधारित हो। उन्होंने जिला सम्मेलन में आए कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाते हुए कहा कि कार्यकर्ता डॉ मुखर्जी के विचारों को लेकर आगे बढ़े और संगठन के द्वारा जो भी जिम्मेदारी उन्हें सौपी गई है वह उसे निष्ठा पूर्वक निर्वहन करे। भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि भाजपा के लिए बूथ केवल मतदान केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की इकाई है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित, विचारधारा और संगठन को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी उसका समर्पित कार्यकर्ता है, जिसने अपने अथक परिश्रम और निष्ठा से पार्टी को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते

हुए कहा कि वे अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र सर्वोपरि, विचारधारा सर्वोपरि और संगठन सर्वोपरि के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करें। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष मिथिलेश पयासी ने कहा कि देश के आजाद होने के लिए लाखों की संख्या में लोगों ने बलिदान दिए, लेकिन देश के आजाद होने के बाद उसकी अखंडता को बनाए रखने के लिए पहला बलिदान देने वाले महापुरूष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे। डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए अपना बलिदान दे दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिपरिषद से डॉ. मुखर्जी ने इस्तीफा देने के कई कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा और पहला कारण था कि नेहरू सरकार बहुसंख्यक वर्ग की सुरक्षा और सम्मान के लिए कोई ठोस कार्य नहीं कर रही थी। डॉ. मुखर्जी ने अपने इस्तीफे में इस बात का उल्लेख किया है कि देश के बंटवारे के दौरान नेहरू-लियाकत समझौता जिसे दिल्ली पैक्ट भी कहा जाता है, उसका भारत तो पालन कर रहा था, लेकिन पाकिस्तान पालन नहीं कर रहा था। डॉ. मुखर्जी इस बात से नाराज थे कि पंडित नेहरू बहुसंख्यक समाज की सुरक्षा और सम्मान के लिए कोई कार्य नहीं कर रहे थे, सिर्फ अल्पसंख्यकों के हितों के कार्यों में लगे थे। नेहरू द्वारा जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगाना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। बांधवगढ़ विधानसभा के विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि देश के आजाद होने के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जम्मू-कश्मीर को विशेष सुविधाएं दीं, वह देश के लिए बहुत घातक सिद्ध हुई हैं। पंडित नेहरू द्वारा जम्मू-कश्मीर में धारा-370 लगाने का दंश देश ने वर्षों तक सहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर देश के मुकुटमणि पर लगा कलंक मिटाने का कार्य किया है।

मारपीट करने पर मामला कायम

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत ग्राम रौगढ में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार गोविंद प्रसाद अगरिया उम्र 65 साल निवासी रौगढ की शिकायत पर आरोपी जगदीश अगरिया पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

शराब का अवैध रूप से विक्रय करने पर हुई कार्यवाही

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 कोल मोहल्ला में आरोपी व्दारा बिना किसी वैध दस्तावेज के शराब का विक्रय किया जा रहा था । जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी रवि कोल के पास से कुल 7लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त की है जिसकी कीमत 700 रूपये है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)

क्रमांक/ 237 /प्रवा.अप.कले./2026
उमरिया दिनांक 02/07/2026

इश्तहार/उद्घोषणा

सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक (वर पक्ष) अमन कुमार दुबे पिता ज्ञानेन्द्र कुमार दुबे निवासी एफ-4, पी.टी.एस. के सामने, उमरिया, जिला उमरिया म.प्र. एवं आवेदिका वधू पक्ष) शिखा पाण्डेय पिता सुशील कुमार पाण्डेय निवासी एफ-4. पी.टी.एस. के सामने, उमरिया, जिला उमरिया म.प्र. द्वारा हिन्दू विवाह अधि. 1955 के प्रावधानों अंतर्गत विवाह पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त विवाह पंजीयन किये जाने के संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 22/07/2026 तक न्यायालीन समय 10:00 बजे 06:00 बजे के दौरान स्वयं अथवा विधि व्यावसायी के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। दिनांक 22/07/2026 को आपत्तियों के आमंत्रण के लिये प्रकरण में तिथि नियत है, अत: इस तिथि के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/06/2026 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)

कृषि संघ आज देंगा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ मंगलवार को अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगा। संघ का कहना है कि कृषि विस्तार अधिकारी किसान कल्याण योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं लेकिन विभाग द्वारा सार्थक ऐप पर अनिवार्य उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था से उन्हें कई व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय स्वागतयोग्य है। कृषि विस्तार अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ किसान हितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन में जुटे हैं और प्रदेश को लगातार कृषि कर्मण पुरस्कार दिलाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मिलेंगी बेहतर चिकित्सा सेवाएं

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने जनपद पंचायत बिछिया के अंतर्गत नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककैया का लोकार्पण किया गया। इस नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र के प्रारंभ होने से क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों को अब अपने ही क्षेत्र में सुलभ, त्वरित और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निरंतर संकल्पित है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककैया का यह नया भवन स्थानीय ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगा जिससे उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, विधायक बिछिया नारायण सिंह पट्टा सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

स्वैच्छिकता पर्व पर दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित स्वैच्छिकता पर्व 4 जुलाई से 16 अगस्त के अंतर्गत विकासखंड मंडला में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् एवं सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रानी दुर्गावती महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का संचालन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा मोहन नागर के नेतृत्व एवं कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। जिला समन्वयक सुशील बर्मन एवं विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में रैली एवं संगोष्ठी के माध्यम से युवाओं और आमजन को नशामुक्ति का संदेश दिया गया।

राष्ट्रभक्ति त्याग और समर्पण के प्रतीक रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिमा अनावरण पर पहुंचे पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भाजपा कार्यालय में हुआ कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के मुख्य आतिथ्य में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जयघोष लगाए वहीं कार्यकर्ता सम्मेलन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अनेक ऐतिहासिक निर्णयों और आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनका जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर कार्य करे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाना कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर रहा। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं के समर्पण अनुशासन और निरंतर जनसंपर्क के कारण ही पार्टी आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुई है। सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे गांव-गांव घर-घर जाकर आमजन को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दें तथा पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान लंबे समय से समर्पण निधि में सहयोग देने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान भी किया गया। कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि संगठन की मजबूती में प्रत्येक कार्यकर्ता का समर्पण और सहयोग अमूल्य है। समर्पण निधि के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने जिस निष्ठा और विश्वास के साथ संगठन का साथ दिया है वह अन्य कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणादायक है। पार्टी का प्रत्येक कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा का परिणाम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा सेवा सुशासन और विकास के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं समर्पण निधि की विस्तृत जानकारी देते हुए कोषाध्यक्ष ने बताया कि जिले में कार्यकर्ताओं का संगठन के प्रति समर्पण लगातार बढ़ रहा है। जिले के प्रत्येक मंडल शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक कार्यकर्ता स्वेच्छा से समर्पण निधि में सहयोग कर संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिले के अनेक कार्यकर्ता वर्षों से नियमित रूप से समर्पण निधि प्रदान कर संगठन को सशक्त बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। ऐसे समर्पित सहयोगियों के कारण भाजपा का संगठन निरंतर मजबूत हुआ है और जनसेवा के कार्यों को नई गति मिली है।

कार्यक्रम का आभार व्यक्त करते हुए पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार और आदर्श आज भी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है और प्रत्येक कार्यकर्ता को राष्ट्रहित, जनसेवा तथा संगठन सशक्तिकरण के संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान मंचासीन अतिथि पूर्व विधायक देव सिंह सैयाम, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला महामंत्री संतोष रजक, पंडित सिंह धुर्वे, नरेश चंद्रोल, प्रदेश उपाध्यक्ष अजजा मोर्चा नीरज मरकाम, प्रदेश अजजा मंत्री संदीप कुलस्ते, पूर्व जिला अध्यक्ष रतन ठाकुर, सिंघई प्रमोद जैन, बिजेन्द्र कोकडिया, श्रीराम सैयाम,डॉ विजय आनंद मरावी, संजय मिश्रा मंचासीन रहे वहीं इस दौरान भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्य सहित जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नरेश चंद्रोल एवं राजेश जैन ने किया।

सांदीपनि विद्यालय में साइबर जागरूकता

मण्डला/निवास(स्वतंत्र मत)। सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान सेल्फी 2.0 के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सुरक्षित सोशल मीडिया उपयोग तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीओपी पीएस वालरे एवं थाना प्रभारी धर्मेन्द्र धुर्वे रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार ऑनलाइन ठगी से बचाव फर्जी लिंक एवं कॉल की पहचान ओटीपी बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरूकता वीडियो भी प्रदर्शित किए गए जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक घटनाओं के उदाहरणों के साथ सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य वेद प्रकाश सहित समस्त शिक्षक एवं विद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने बेहतर परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसी क्रम में कहचरी मोहल्ला निवासी रियाज अहमद के पुत्र फैजल ने कक्षा 12वीं की कॉमर्स संकाय में 79.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय परिवार और समाज का नाम गौरवान्वित किया।

किसानों को खाद वितरण में न हो परेशानी, एसडीएम करें निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर द्वारा जिला योजना भवन में सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आईटीआई के माध्यम से अगस्त के प्रथम सप्ताह में रोजगार मेले का आयोजन किया जाए। उन्होंने रोजगार मेले में 5 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु व्यापक तैयारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी विभागों से अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का बिना विलंब निराकरण करने को कहा। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि केज कल्चर के लिए 19 नवीन आवेदन तथा बायोफ्लॉक के लिए 100 के लक्ष्य के विरुद्ध 140 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस पर कलेक्टर ने बैंक संबंधी सभी प्रक्रियाएं 15 दिनों के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार योजना के अंतर्गत सभी निर्माण कार्य कराने वाले विभाग अपने श्रमिकों का पंजीयन एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करें। वहीं संबल योजना में शेष

941 श्रमिकों के पंजीयन दो दिवस में पूर्ण करने तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में भी पंजीयन बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि 50 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का एक सप्ताह में निराकरण किया जाए।

500 दिवस से लंबित शिकायतों का भी तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें अन्यथा संबंधित अधिकारियों पर नियमानुसार 500 रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। उन्होंने नॉन-अटेंडेड शिकायतों पर भी नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए सभी पंचायतों में एंटीवेनम उपलब्धता एवं सर्पमित्रों की जानकारी प्रदर्शित की जाए तथा मोबाइल मेडिकल यूनिट में भी एंटीवेनम उपलब्ध रहे। इसके साथ ही वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी पुल पुलिया एवं नालों पर आवश्यक चेतावनी संकेतक लगाए जाएं। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों का स्वयं निरीक्षण करें तथा नियमित भ्रमण करें। उन्होंने मंडला-जबलपुर मार्ग पर फूलसागर पुल एवं नारायणगंज क्षेत्र में स्थित पुल के एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग वर्षा काल में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह सुचारु रखें। विशेष रूप से घुघरी क्षेत्र पर निगरानी रखी जाए पेयजल स्त्रोतों के आसपास गंदगी न हो बीमार व्यक्तियों की प्रभावी ट्रैकिंग की जाए तथा संक्रमण फैलने से पहले आवश्यक नियंत्रण उपाय किए जाएं। समय-सीमा की बैठक में उद्यानिकी विभाग ने बताया कि इस वर्ष 100 किसान अश्वगंधा की खेती करेंगे, जिन्हें विभाग द्वारा किट उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने चिया सीड्स एवं मुनगा (सहजन) की खेती को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि काली तुलसी की खेती के लिए 500 किसानों का चयन किया गया है जो 250 एकड़ क्षेत्र में इसकी खेती करेंगे। विभाग को इस कार्य का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ई-टोकन के माध्यम से किसानों को खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। वे स्वयं निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। गोदामों से खाद वितरण प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाए तथा डिजिटल डिस्प्ले की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा विभाग को 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण की समीक्षा में बताया गया कि अब तक 2,557 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने इस कार्य को भी गुणवत्ता एवं गति के साथ आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

क्षेत्रीय समस्याओं पर कराया अवगत

मण्डला/मवई (स्वतंत्र मत)। विकासखंड मवई के ग्राम पीपरीमाल एवं घोटा में आयोजित नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते एवं डॉ. संजय कुशराम अध्यक्ष जिला पंचायत से लक्ष्मीकांत पाठक एवं अन्य साथियों ने क्षेत्र की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मवई क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं बैंकिंग व्यवस्था, मोबाइल नेटवर्क, मुख्य मार्ग निर्माण में बरती जा रही लापरवाही तथा वर्षा ऋतु में बार-बार होने वाली विद्युत बाधित होने की समस्या से उन्हें अवगत कराया सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। वर्षा के दौरान विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल हो सके इसके लिए मवई में विद्युत विभाग हेतु वाहन उपलब्ध कराने की बात कही गई। साथ ही मोबाइल नेटवर्क की समस्या के समाधान के लिए संबंधित क्षेत्रीय महाप्रबंधक बैंकिंग व्यवस्था में सुधार हेतु कहा तथा सड़क निर्माण एजेंसी से भी चर्चा कर आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। क्षेत्र की जनता की आवाज़ को जिम्मेदारी के साथ जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना मवई के युवा साथियों के साथ सतत प्रयास रहेगा।

औसत वर्षा दर्ज की गई

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से 6 जुलाई के दौरान 195.7 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 592.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 397.1 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जुलाई 2026 को मंडला में 11.4 मि.मी., नैनपुर में 3 मि.मी. एवं बिछिया में 31.3 मि.मी., निवास में 33.4 मि.मी., घुघरी में 57.6 मि.मी. एवं नारायणगंज में 15.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 6 जुलाई 2026 को 25.3 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

भीमडोंगरी में साइबर जागरूकता अभियान

मण्डला/मवई (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत भीमडोंगरी स्थित पुलिस कौशल विकास केंद्र में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बिछिया सौरभ तिवारी एवं थाना प्रभारी मोतीनाला हेमंत बाबरिया ने उपस्थित लोगों को साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। उन्होंने फर्जी फोन कॉल फिशिंग लिंक ओटीपी साझा करने बैंक खाते एवं एटीएम से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति को न देने तथा सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी या ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए तथा निकटतम पुलिस थाने में सूचना देकर

आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे साइबर सुरक्षा संबंधी इस महत्वपूर्ण जानकारी को अपने परिवार पड़ोस और गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं ताकि सभी लोग जागरूक होकर डिजिटल ठगी से सुरक्षित रह सकें।

इस अवसर पर जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर, सुखमन धुर्वे, सरपंच ओम प्रकाश मरावी, करन सिंह मरावी, श्रीमती ललिता भागवत सरोते, हनुमान जाट, संतोष बंजारा, भागवत गहलोत, बिरजू नायक सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गलत डिजाइन की पुलिया बनी आफत

मक्के की पूरी फसल पानी में समाई, किसान दर-दर भटकने को मजबूर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विकासखंड नैनपुर के ग्राम झिलवानी में निर्माणाधीन पुलिया अब किसानों के लिए भारी संकट का कारण बन गई है। इंजीनियर की कथित गलत डिजाइन और ठेकेदार की घोर लापरवाही के चलते एक किसान की दो एकड़ में लगी मक्के की फसल पूरी तरह तबाह हो गई। नैनपुर-मंडला मार्ग पर झिलवानी ग्राम के पास बन रही अधूरी पुलिया ने नाले के प्राकृतिक बहाव को रोक दिया है। नतीजतन पानी खेतों की ओर मुड़ गया और ग्राम निवासी कृषक मनीष परते की मेहनत पर पानी फिर गया। देखते ही देखते उसकी पूरी फसल बह गई, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। पीड़ित किसान ने समस्या को लेकर संबंधित विभाग और ठेकेदार से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन न तो ठेकेदार फोन उठा रहा है और न ही प्रशासन की ओर से कोई तत्परता दिखाई दे रही है। ऐसे में किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है और न्याय की आस में दर-दर भटकने को मजबूर है। घटना के बाद क्षेत्र के अन्य किसानों में भी चिंता और आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पुलिया के निर्माण में सुधार नहीं किया गया, तो यह नाला उफान पर आकर नदी का रूप ले सकता है, जिससे आसपास के कई खेतों की फसलें बर्बाद होने का खतरा मंडरा रहा है।

यह मामला न केवल निर्माण कार्यों में बरती जा रही लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब हरकत में आता है और पीड़ित किसान को राहत व न्याय कब मिलता है।

एक पेड़ बेटी के नाम कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में कन्या शासकीय हाईस्कूल पुरवा में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता सत्र एवं एक पेड़ बेटी के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्राओं को जेंडर समानता, लिंगानुपात, पीसीपीएनडीटी एक्ट, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी दी साथ ही वन स्टॉप सेंटर एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता से अवगत कराया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पीएलवी श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने बच्चों के अधिकार, बाल श्रम एवं पॉक्सो एक्ट सहित विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की।

सेफ क्लिक-2026- साइबर जागरूकता अभियान

जीआरपी पुलिस ने बताये सायबर अपराधों से बचने के उपाय

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत रेवाड़ा, सरस्वती विद्यालय और नैनपुर रेलवे प्लेटफार्म में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जी आर पी थाना प्रभारी श्री बढ़ई , आरक्षक अनिल चुरे द्वारा प्लेटफार्म मर मौजूद रेल यात्रियों को बढ़ते सायबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैनपुर में प्राचार्य , शिक्षकों,छात्र छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराधों एवं उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक अथवा संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, अपना ओ टी पी, यू पी ई पिन, बैंक खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी, एटीएम एवं पासवर्ड किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। साथ ही फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की गई।

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी होती है तो वह तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।थाना नैनपुर पुलिस ने सभी उपस्थित नागरिकों से साइबर सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की।

संपादकीय

यह कैसा खेल चल रहा

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राम मंदिर चढ़ावा-चोरी कांड की सीबीआई से भी जांच कराने पर विचार कर रहे हैं। जांच के दायरे में वे जमीनें भी आएंगी, जो चंपत राय बंसल और अनिल मिश्रा के सौजन्य से खरीदी गईं। जमीनें राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के मद्देनजर खरीदी गई थीं। चंपत राय तब राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव थे और अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट के सदस्य के तौर पर, उन सौदों में गवाह की भूमिका में, हस्ताक्षर किए थे। दोनों चेहरे आज भी ट्रस्ट में हैं और संभवत: आजीवन रहेंगे। पुलिस और विशेष जांच टीम दोनों से लंबी पूछताछ कर चुकी हैं। कुछ खुलासे लीक हुए हैं, लेकिन उन्होंने चोरी कांड में संलिप्तता से साफ इंकार किया है। गुनहगार कब अपना गुनाह कबूल करता है? पूछताछ के बाद भी दोनों के खिलाफ न तो प्राथमिकी दर्ज की गई है और न ही उन्हें आरोपी करार दिया गया है। ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव और कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि भी इसी जमात में हैं। चूंकि अब यह चढ़ावा-चोरी कांड सियासी मुद्दा बनता जा रहा है और विशेषज्ञ अधिकारी और वरिष्ठ अधिवक्ता लगातार सवाल कर रहे हैं कि चंपत राय, अनिल मिश्रा आदि पर प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई? ट्रस्ट 'चोरी का माल' लॉकर में रखने का भी दोषी है। बीती 5 जून को जो लाखों की नकदी बरामद की गई थी, उसे ट्रस्ट को ही क्यों लौटा दिया गया? फिर बरामदगी के माल को 25 जून तक ट्रस्ट ने लॉकर में क्यों रखा? यह कानूनन अपराध है। और 26 जून को पुलिस को लॉकर से ही चोरी का वह माल बरामद करा दिया गया। यह कैसा खेल चल रहा है, भाई? विशेषज्ञ इसे 'अस्थायी गबन' करार दे रहे हैं और ट्रस्ट पर भी प्राथमिकी दर्ज करने की दलीलें दे रहे हैं। यदि उप्र सरकार सीबीआई जांच का भी निर्णय लेती है, तो कितनी जांचें जारी रहेंगी और कितनी जांचें अब भी शेष हैं! जांच तभी सार्थक हो सकती है जब किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचे, या जब आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हो और जांच उसी लाइन पर काम करती हो। अब प्रथमदृष्टया पुष्टि हो चुकी है कि राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी की जानकारी चंपत राय बंसल और उनके ट्रस्ट-साथियों को थी। बरामदगी भी चंपत राय के निर्देशन में की गई। चंपत ने चोरी के सच को 'उल्लेखनीय' नहीं माना, तो जाहिर है कि परदेदारी की गई। कुछ छिपाया गया। विशेष जांच टीम को भी जानकारी नहीं दी गई। तो फिर सीबीआई जांच में कौन-सा पारदर्शी सच सामने आ सकता है? कोई माने या न माने, केंद्र और उप्र की डबल इंजन सरकारें 'आरोपी ट्रस्टियों' को बचा रही हैं, जांचें लीपापोती साबित हो सकती हैं, क्योंकि कुछ माह बाद उप्र में विधानसभा चुनाव हैं और भाजपा हर कीमत पर वह चुनाव जीतना चाहती है। अब विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी कहा है कि यदि चंपत राय को विहिप उपाध्यक्ष के पद से हटाने की नौबत आई, तो विचार किया जाएगा। सोच-विचार करेंगे, हटाना तय नहीं है। बेशक विशेष जांच टीम और पुलिस की कथित जांच और सवाल-जवाब में कई झोल सामने आए हैं। यह विशेषज्ञों का मानना है। दोनों की जांचें भाजपा सरकार के अधीन हैं। सीबीआई जांच भी पूरी तरह 'निर्लिप्त' नहीं होती, क्योंकि वह एजेंसी सीधे प्रधानमंत्री के तहत काम करती है। उधर सरकार की ओर से यह आश्वासन भी दिए जा रहे हैं कि इस धांधली में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। बुलडोजर एक्शन की भी बात हो रही है। सरकार की छवि के लिए यह जरूरी भी है।

आपातकालीन सेवाएं

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेंद्र योगी

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे।

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत-प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के

मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में ज़ोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं ज़ोन-5 में ज़्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाक़ा सीस्मिक ज़ोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज़ रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के क़रीब 59त्न भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक ज़ोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज़्यादा बताते हैं। ग़ौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक ज़ोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का ख़मियाज़ा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर ख़तरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज़्यादातर शहर हिमालय ज़ोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज़्यादा ख़तरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के ज़ोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले ज़ोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग ज़ोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीक़े से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हज़ार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ़ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निशमन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।

ऊर्जा संकट और मोदी सरकार

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पश्चिम एशिया में युद्ध संकट के दौरान भारत ने जिस तरह ऊर्जा सप्लाई के संकट का सामना किया और देश में ईंधन, पैट्रोल व डीजल सहित गैस की आपूर्ति को सुनिश्चित किया वह वास्तव में नीतिगत स्तर से लेकर व्यावहारिक स्तर तक नागरिकों की समस्याओं को समाधान करने वाला था। अत: इस कथन में जरा भी अतिशयोक्ति नहीं है कि 21वीं सदी के अभी तक के इस सबसे बड़े ऊर्जा संकट के समय सत्तारूढ़ मोदी सरकार ने बहुत संयम, धैर्य से काम लेते हुए अपने कूटनीतिक सम्बन्धों के जरिये पैट्रोल व डीजल सहित ईंधन गैस की सप्लाई के वैकल्पिक मार्ग खोजते हुए भारत के लोगों को वे कष्ट नहीं होने दिये जो विश्व के अन्य देशों के लोग झेल रहे थे।

ईरान- इजराइल व अमेरिका युद्ध के दौरान सरकार ने एक तरफ देश के हर पैट्रोल पंप पर पैट्रोल व डीजल की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित की और दूसरी तरफ इनके खुदरा दामों को भी नहीं बढ़ने दिया। हालांकि ईंधन गैस सप्लाई के मोर्चे पर कुछ दिक्कतें आयीं और इसकी सप्लाई में भी देश के सुदूर क्षेत्रों में अवरोध पैदा हुए और कुछ दाम भी बढ़ाने पड़े परन्तु कमोबेश तरीके से इस पर भी नियन्त्रण रखने की पूरी कोशिश की गई। इसलिए प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना पूरी तरह तार्किक है कि 'संकट के समय भारत की कूटनीति का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध ही संकट की घड़ी में बहुत काम आये'।

श्री मोदी ने ये शब्द तब कहे जब वह बीते दिन राजस्थान के बलोत्तरा संभाग के पचपदरा में देश के पहले ग्रीन फील्ड एकीकृत तेल शोधन व पैट्रोकेमिकल परियोजना परिसर को देश को समर्पित कर रहे थे। इस परियोजना के चालू होने से भारत विश्व का चौथा ऐसा सबसे बड़ा देश हो जायेगा जिसकी तेल परिशोधन की क्षमता सर्वाधिक है जबकि दूसरी तरफ भारत अभी भी अपनी ऊर्जा सप्लाई की जरूरत 80 प्रतिशत आयात करके ही करता है। इसका मतलब यह निकलता है कि भारत कच्चे तेल के परिशोधन के मामले में दुनिया का एक बड़ा केन्द्र होने में तेजी से अग्रसरित हो रहा है।

जहां तक भारत की कूटनीति का प्रश्न है तो पश्चिम एशिया युद्ध के समय देश के विपक्षी दलों व इनके नेताओं ने मोदी सरकार की विदेश नीति की कटु से कटुतम आलोचना यहां तक की कि इसे अमेरिका का पिछलग्गू तक बता दिया परन्तु मोदी सरकार ने इस सबकी परवाह न करते हुए ऊर्जा सप्लाई के अन्य वैश्विक स्रोतों को खोजा और फारस की खाड़ी के समुद्री मार्ग के बन्द होने के बावजूद उनसे कच्चे तेल की सप्लाई के अन्य समुद्री मार्ग खोले। युद्ध से पहले जहां भारत लगभग 25 देशों से तेल का आयात करता था वहीं अब इनकी संख्या बढ़कर 45 के लगभग हो गई है। इसके समानान्तर युद्ध की वजह से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के अनाप-शनाप दाम बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार में पैट्रोल व डीजल के भाव बढ़ने का खतरा अलग से था जिसे केन्द्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में दस रुपये प्रति लीटर की कमी करके सन्तुलित करने का प्रयास इस तरह किया कि पैट्रोल पंपों पर इनके दाम स्थिर बने रहें।

घरेलू बाजार में दाम स्थिर रखने की कवायद में भारत की तेल कम्पनियों को हालांकि 75 हजार करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ परन्तु सरकार ने इसका भार उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ने दिया और छिटपुट रूप से ही पैट्रोल व डीजल के दाम बढ़ाये तथा इनकी निर्बाध सप्लाई जारी रखी। श्री मोदी इस बाबत यह कहने से नहीं चूके कि जब भारत के लोग पश्चिम एशिया के संकट से जूझ रहे थे तो कुछ राजनैतिक दल व नेता लोगों में घबराहट पैदा करने व उन्हें भड़काने के काम में लगे हुए थे और उनमें असुरक्षा की भावना को बल दे रहे थे परन्तु उनकी सरकार की नीतियों व जमीनी व्यावहारिक कदमों की वजह से ऐसा नहीं हो सका और विरोधियों को मुंह की खानी पड़ी। इसका प्रमुख कारण यह है कि श्री मोदी की सरकार की नीतियां सामान्यत: जन कल्याण को केन्द्र में रख कर बनाई जा रही हैं।

अर्थव्यवस्था के इस बाजारीकरण के दौर में 'कल्याणकारी राज' की संवैधानिक परिकल्पना को मूर्त रूप देना आसान काम नहीं है क्योंकि इस व्यवस्था में हर क्षेत्र में निजी क्षेत्र व विदेशी निवेश को महत्ता देना सरकार की मजबूरी होता है अत: इस वातावरण में समाज के सबसे गरीब व पिछड़े व्यक्ति के हितों का संरक्षण करने के साथ विकास का सौपान चढ़ना बहुत ही पेचीदा होता है। यही वजह है कि मोदी सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को आज भी मुफ्त राशन की सुविधा दे रही है जिसे प्राय: आलोचक भारत की गरीबी से जोड़ कर देखते हैं मगर वे भूल जाते हैं कि किसी भी लोकतन्त्र में सरकार का पहला धर्म आर्थिक रूप से विपन्न जनता की भूख से लेकर उसकी आवास व स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने का ही होता है।

इस मोर्चे पर मोदी सरकार अपने सत्तारूढ़ होने के पहले वर्ष से ही बहुत सतर्क है और उसने विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चला रखी हैं जिनमें पांच लाख रुपये तक की वार्षिक चिकित्सा सुविधा भी शामिल है। लोकतन्त्र में सरकार के इकबाल की सबसे बड़ी पहचान भी यही होती है कि गरीब जनता के मन में उस सरकार की छवि कैसी है। अत: पश्चिम एशिया संकट के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा उठाये गये कदमों की समीक्षा हम इसी पैमाने से करेंगे। बेशक इस संकट की वजह से भारत में महंगाई बढ़ी है और आवश्यक खाद्य वस्तुओं व सेवाओं के दाम तेज हुए हैं मगर इन पर काबू तभी पाया जा सकता है जब समन्वित रूप से सरकारी व निजी क्षेत्र मिल कर काम करें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

जांच तो होनी चाहिए

संतोष उत्सुक

गहन जांच का सख्त हुक्म होता है तो उसमें किसी तरह की राजनीति हो नहीं सकती क्यूंकि जांच के गर्भ में महत्त्वपूर्ण फैसला छिपा होता है। जांच के आदेश में जन भावना का सम्मान दिखता है। यह तो जांच होने के बाद ही पता चलता है कि जांच में क्या निकला और क्या नहीं निकला। कुछ को लगेगा जांच में यह नहीं निकला, वह तो बिलकुल नहीं निकलना चाहिए था। विद्वान व्यक्ति बता दिया करते हैं कि फलां जांच में कुछ ऐसा निकलना चाहिए था। समझदार लोगों का मत होता है कि जांच के आदेश से विपक्ष के झूठ और भ्रम पर रोक लगनी शुरू हो जाती है। उनके अनुसार राजपक्ष से सम्बंधित, मुश्किल से चुनाव जीत कर आए नेताओं को बदनाम करना शुरू हो गया था इसलिए जांच बिठानी पड़ी। बदनामी को दुर्भाग्यपूर्ण माना जाता है और जांच शुरू होने को शुभ मानते हुए कहा जाता है कि जांच जैसे पवित्र कार्य से सचाईजी, पूरी तरह सुसज्जित होकर सबके सामने खड़ी हो जाएंगी। जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज़ खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है। उस तरह की जांच के आदेश मात्र से एंटी सोशल मीडिया पर छाए तमाम वीडियो और दूसरे सामाजिक मंचों से फ़ैल रहे भ्रम और अराजकता का जो माहौल खड़ा किया जा रहा होता है उसका निर्माण गैर कानूनी ईमारत के निर्माण की तरह रुक जाता है। जांच उचित तरह से हो जाए तो जनता को बरगलाने वाले कुछ समय के लिए तो बेनकाब हो जाते हैं, क्या कहा करते हैं कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है।

व्यंग्य

दिलचस्प यह है कि आजकल निरंतर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले, बड़े आकार के शहरों का पानी भी महादूषित और जानलेवा होने लगा है जिसकी जांच भी करने लायक है। दूध तो इतना उपलब्ध है जितने पशु नहीं हैं। अगर ऐसे मामलों में जांच घोषित हो तो जनता अपनी जीत समझ लेगी और मस्त रहेगी । वह बात अलग है कि जांच कई साल पकाने के बाद परिणाम का हलवा उन्हें स्वादिष्ट नहीं लगेगा। जांच करने वालों की विश्वसनीयता, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं लेकिन क्या फ़र्क पड़ता है सवाल उठाए जाएं या बिठा दिए जाएं। असली बात तो जवाबों में होती है। किसी ने लिखा भी है, जवाब जिनका नहीं वो सवाल होते हैं। आम जनता तो सवालों से ही खुश हो जाती है। कुछ ख़ास लोग जांच के परिणामों का इंतज़ार करते रहते हैं। सवालों के न दिए जा सकने वाले जवाब चाहते रहते हैं। ख़ास सवाल जब जांच में फंस जाएं तो जवाबों के रंग ढंग सब बदल जाते हैं। जांच करने वाले भी सोचते तो होंगे कि कैसे कैसे संगीन मामलों की जांच को, बेचारी कर देना पड़ता है। जांच का फैसला दर्जनों पृष्ठ का होता है लेकिन दोषी परेशान नहीं दिखते। यही तो जांच की अच्छी बात होती है।

जब तक मुर्दा ओटीपी, पासवर्ड नहीं बताएगा उसका फ्यूनरल नहीं हो पाएगा...

आजकल ओटीपी और पासवर्ड को लेकर लोग भारी परेशान हैं ,हर जगह या तो पासवर्ड बताओ या फिर ओटीपी ,हाल तो ये है कि देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक से यदि एकमुश्त दस हजार रुपए एटीएम से निकालना चाहे तो वो पहले ओटीपी मांगता है इसलिए आजकल आदमी दो बार में पांच पांच हजार निकाल लेता है कि ओटीपी न बताना पड़े। ऑनलाइन सामान बुलवाओ डिलीवरी बॉय तब तक सामान नहीं देगा जब तक आप ओटीपी नहीं बताओगे। अरे भैया हमने पैसा दे दिया, तुम सामान ले आए, घर का पता तुम्हें मालूम है, घर में कोई पड़ोसी तो रहने आएगा नहीं, रहेगा तो वही आदमी जिसने आर्डर दिया होगा लेकिन नहीं पहले ओटीपी बताओ तब जाकर माल की डिलीवरी होगी। लोग बाग आजकल सोशल मीडिया पर बड़े एक्टिव है फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, ईमेल, सब पर लगे हुए लेकिन सबका पासवर्ड चाहिए अगर आप अपना पासवर्ड भूल गए तो समझ लो आपका बंटाधार तय है। लाख कोशिश कर लो ना आपका फेसबुक खुलेगा, ना जीमेल खुलेगी, ना इंस्टाग्राम खुलेगा, ना व्हाट्सएप खुलेगा ,इतना तो बचपन में पाठ याद करने में टाइम नहीं लगता था जितना आजकल पासवर्ड याद रखने में लगता है। यही हाल क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, एटीएम का भी है सब में पहले पासवर्ड डालो तब जाकर पैसा निकलेगा कार्ड भी दसियों हो गए हैं एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कार्ड, समग्र आईडी का कार्ड, पैन कार्ड, एम्पलाई कार्ड और अब बच्चों के लिए अपार कार्ड भी बनाना तय हो गया है आदमी का पर्स कार्डों से भरा हुआ है कब कौन सा कार्ड सरकार मांग ले कोई भरोसा नहीं, किस कार्ड के आधार पर यह बता दिया जाए कि आप भारत के नागरिक नहीं है कोई कुछ नहीं कह सकता।ओटीपी का तो हाल ये हो जाएगा कि प्रेमी प्रेमिका से बात करना चाहता है तो बोलेगी पहले ओटीपी बताओ तब बात करना, पति-पत्नी के साथ रोमांस करना चाहेगा तो पत्नी बोलेगी पहले पासवर्ड बताओ या फिर ओटीपी। हाल ये हो जायेंगे कि मरीज का अस्पताल में ऑपरेशन होना है वो ऑपरेशन टेबल पर लेटा हुआ है डॉक्टर हाथ में कैंची चाकू लिए तैयार खड़ा है लेकिन तब तक ऑपरेशन नहीं कर रहा जब तक मरीज अपना पासवर्ड या ओटीपी नहीं बता देता मरीज मर जाए उससे कोई लेना-देना नहीं जब तक ओटीपी नहीं आएगा तब तक डॉक्टर हाथ नहीं लगाएगा ।ट्रेन में चढ़ता है तो ओटीपी के बना ट्रेन में नहीं चढ़ पाओगे, बस से यात्रा करना है तो पासवर्ड चाहिए, प्लेन में बैठना है उसके पहले आपको पासवर्ड या ओटीपी बताना पड़ेगा तब आप यात्रा के लिए सूटेबल हो पाए हो पाओगे। अपने को तो लगता है कि वो दिन भू दूर नहीं है जब शमशान घाट में मुर्दे से भी पूछा जाएगा कि पहले ओटीपी बताओ पासवर्ड बताओ तभी तुम्हारा फ्यूनरल हो पाएगा वरना बॉडी ऐसे ही पड़ी रहेगी हो सकता है घर वाले तेरहवीं कर दें बरसी भी हो जाए लेकिन फ्यूनरल ना हो पाए बिना ओटीपी या बिना पासवर्ड के।

बारिश से डरती पुलिस

एक बड़ी मजेदार खबर अखबार में आई है। लुधियाना में एक सेवानिवृत अधिकारी थे कहीं बाहर गए थे घर में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था, रात को दो बजे अचानक नींद खुली और उन्होंने देखा कि उनके घर में कुछ लोग घुस रहे उन्होंने तुरंत पड़ोसी के बेटे को फोन किया और उसने पुलिस को फोन किया कि पड़ोस वाले अंकल के सूने घर में चोर घुसे हुए हैं आप लोग जल्द आ जाइए, तो पुलिस वालों ने जवाब दिया कि बाहर बहुत तेज बारिश हो रही है हम नहीं आ पाएंगे। आम आदमी इसमें पुलिस का बड़ा मजाक उड़ा रहे हैं अरे भाई इसमें मजाक उड़ाने की क्या बात है हो सकता है सरकार ने उन्हें बरसाती ना दी हो, इतनी तेज बारिश में सड़क में कौन से गड्ढे में गिर जाए कोई भरोसा नहीं है, वैसे भी बारिश में चलना खतरनाक होता है, ना सामने कुछ दिखता है ना पीछे कौन आ रहा है ये दिखाई देता है सही तो कहां पुलिस ने बारिश तेज है ।चूंकि मामला बरसात का था इसलिए बारिश तेज का बहाना बन गया भविष्य में यदि कोई गर्मी में कंप्लेंट करेगा तो ये कहा जाएगा भैया बाहर लू चल रही है हम नहीं आ पाएंगे, यही हाल ठंड का होगा कि बाहर कड़कड़ाती ठंड है हम थाने से बाहर निकले तो निकलें कैसे? फिर दूसरी बात जब तक पुलिस उनके घर तक पहुंचती तब तक तो चोर महोदय अपना काम करके निकल लिए होते,पुलिस ने भी सोचा होगा कि जब चोर पकड़ में ही नहीं आना है तो काहे को इतनी कवायत करो । लुधियाना पुलिस ने जो भी किया था सही किया और इसी चक्कर में चोर लाखों का माल लूट के निकल गया

वे खुद शिकार हो गई

कांग्रेस में इस समय भारी जंग चल रही है एक नेता दूसरे नेता की जड़ खोदने में लगा है जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश करते हुए बहुत बड़ा गुब्बारा फुलाया लेकिन दिग्विजय सिंह ने एक छोटी सी सुई से उस गुब्बारे की पूरी हवा निकल कर रख दी। इधर कांग्रेस महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका करारजिन पर जिम्मेदारी थी कि वे महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने में अपनी पूरी ताकत लगा दें उनकी पार्टी ने उनको ही नोटिस देकर उनका उत्पीड़न कर दिया, अब बेचारी सोशल मीडिया पर अपना दुखड़ा रो रही हैं कि नोटिस के नियम क्या महिलाओं के लिए ही हैं उधर दिग्विजय सिंह के खिलाफ निधि चतुर्वेदी ने जो पोस्ट लिखी उस पर उनको भी नोटिस मिल गया जबकि पार्टी में ये कहां जा रहा है कि महिलाओं के लिए आरक्षण किया जाएगा लेकिन सवाल ये है कि जो महिला महिलाओं की उत्पीड़न के लिए बनाए गए प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अपना ही नोटिस रूपी उत्पीड़न नहीं रोक पा रही है उसे नोटिस दिया जा रहा है तो फिर वह दूसरी महिलाओं के उत्पीड़न को क्या खाक रोक पाएगी? वैसे उसका कहना सही है कि बड़े नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को दलाल और ब्लेकमेलर कह दिया उनको तो आज तक कोई नोटिस नहीं मिला आखिर ऐसा पार्टी में क्यों हो रहा है लेकिन अपने को मालूम है कि कांग्रेस को किसी चीज से कोई लेना-देना नहीं पार्टी जैसी चल रही है वैसे ही चलती रहेगी भले ही बीच-बीच में तरह-तरह के बयान आते रहे लेकिन होना जाना कुछ नहीं है ये अपने को भी मालूम है और हर कांग्रेसी को भी।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

अजी सुनते हो, हमारी शादी कराने वाले पंडित जी का देहांत हो गया। श्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

मैं तो पहले ही कहता था कि जिस दिन उसने हमारी शादी करवाई थी उसी दिन तय हो गया था एक न एक दिन उसे उसके पापों की सजा जरूर मिलेगी !श्रीमान जी ने उत्तर दिया।

मुंबई में रेड अलर्ट, मूसलाधार बारिश के बीच स्कूल बंद, सरकारी कर्मचारियों के लिए आधे दिन की छुट्टी

मुंबई, (वार्ता)

मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर, पुणे, सतारा और नासिक में मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित होने के बीच महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को सरकारी और अर्द्धसरकारी कर्मचारियों के लिए आधे दिन की छुट्टी घोषित कर दी। सरकार ने निजी कार्यालयों को भी वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू करने की सलाह दी है। कोंकण क्षेत्र के कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति और बुनियादी ढांचे के प्रभावित होने की खबर है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए अत्यधिक भारी वर्षा और 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

स्थिति को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा समुद्र तटों, जलभराव वाले क्षेत्रों, जर्जर इमारतों, बड़े होर्डिंग और बिजली के खंभों से दूर रहने की अपील की है। बारिश से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम के लगभग 15 हजार अधिकारी और आपदा राहत कर्मियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ अधिकारी हालात पर लगातार नजर रखे हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। आपात सहायता के लिए 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन नंबर 1916 जारी किया गया है। छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए सरकार ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों तथा कॉलेजों को बंद रखने के निर्देश दिये हैं। मुंबई विश्वविद्यालय ने भी छह जुलाई को निर्धारित सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि संशोधित परीक्षा कार्यक्रम बाद में जारी किया जायेगा।

भारी बारिश के कारण प्रमुख सड़कों, पुलों और राजमार्गों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। राज्य प्रशासन आवश्यक सेवाओं की बहाली और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च सतर्कता पर है।

यह दोस्ती कभी नहीं भूलेंगे, खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होने पर ईरान ने जताया भारत का आभार

तेहरान

ईरान के दिवंगत सर्वोच नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने पर ईरान ने भारत सरकार और वहां के लोगों के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया है।

भारत में ईरानी दूतावास ने इसे दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान की एक मजबूत अभिव्यक्ति बताया और कहा कि यह दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है।

दरअसल, बीते शुक्रवार को भारत के एक उच स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने तेहरान पहुंचकर दिवंगत ईरानी नेता को श्रद्धांजलि दी थी। इस दल में बिहार के रायपाल रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राय मंत्री पबित्र मार्गेरिटा शामिल थे। बता दें कि फरवरी में तेहरान पर हुए अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु हो गई थी।

इसके अलावा, कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के साथ-साथ भारत के सिख, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्म के प्रमुख गुरुओं ने भी ईरान के दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट शेयर करते हुए ईरानी दूतावास ने भारत की इस भागीदारी के लिए शुक्रिया अदा किया। ईरान ने कहा कि तेहरान इस दोस्ती, सहानुभूति और सम्मान के इस कदम को कभी नहीं भूलेगा। ईरानी दूतावास ने अपनी पोस्ट में लिखा कि ईरानी दूतावास भारत सरकार और वहां की जनता, खासकर उस आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का दिल से आभार व्यक्त करता है जो भारत की ओर से अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

दूतावास ने कहा कि भारत के राजनीतिक नेताओं, सांसदों, विद्वानों और अलग-अलग धर्मों के गुरुओं की मौजूदगी दोनों देशों के गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों को दिखाती है। ईरान ने आगे कहा कि दुख की इस घड़ी में भारत की यह एकजुटता दोनों देशों की दोस्ती की नींव को और मजबूत करेगी।

ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, अयातुल्ला खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार सुबह तेहरान की सड़कों पर शुरू हुई। इस अंतिम यात्रा को देश के आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी जनसभा बताया जा रहा है, जिसमें लाखों लोग सड़कों पर उमड़ पड़े। खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों के ताबूतों को ईरान के राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर एक बड़े ट्रक पर रखा गया था। इस ट्रक को एक पवित्र दरगाह की तरह सजाया गया था।

काले कपड़े पहने लाखों की भीड़ इस ट्रक को छूने के लिए बेताब दिखी। लोग अपने स्कार्फ और अन्य चीजें ताबूत से छुआने के लिए सुरक्षाकर्मियों की तरफ फेंक रहे थे। गर्मी को देखते हुए भीड़ पर पानी की बौछारें भी की जा रही थीं। इतनी भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से धीरे चलने और धक्का-मुक्की न करने की अपील की।

इसके अलावा रिवॉल्यूशनरी गार्ड के जनरल हसन हसनजादेह ने बताया कि इन ताबूतों को लगभग 12 घंटे की लंबी यात्रा के बाद तेहरान की सड़कों से होते हुए मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया जाएगा। गौरतलब है कि ईरान में शनिवार से शुरू हुआ राष्ट्रीय शोक गुरुवार तक चलेगा, जिसके बाद 86 वर्षीय खामेनेई को उनके जन्मस्थान मशहद में स्थित इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। इस दौरान ईरान में सड़कों से लेकर हवाई क्षेत्र तक सब कुछ बंद रखा गया है।

फ्रांस के म्यूजियम से 40 लाख यूरो की ज्वेलरी चोरी

हाई सिक्योरिटी के बीच दरवाजा तोड़कर घुसे चोर

पेरिस

फ्रांस के लालिक म्यूजियम में रविवार सुबह चोरों ने बड़ी चोरी को अंजाम दिया। जहां हाई सिक्योरिटी के बावजूद दरवाजा तोड़कर घुसे चोरों ने म्यूजियम से करीब 20 आभूषण चोरी कर ले गए। चोरी की गई आभूषणों की कीमत करीब 40 यूरो (करीब 40 करोड़ रुपए) आंकी जा रही है।

समाचार एजेंसी एएफपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नकाबपोश चोरों ने पूर्वोत्तर फ्रांस के विंगेन-सुर-मोडर स्थित प्रसिद्ध ललिक म्यूजियम स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह करीब 5:30 बजे दरवाजा तोड़कर घुसे और सीधे आभूषण कक्ष में पहंच गए इसके बाद चोरों ने करीब 20 क्रिस्टल आभूषण लेकर फरार हो गए। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और चोरों को पकड़ने के लिए जांच जारी है। चोरी की घटना के बाद म्यूजियम ने घोषणा की है कि वह कई दिनों तक बंद रहेगा।

एएफपी के सूत्रों के अनुसार, अलार्म बजने के बाद सुरक्षा कंपनी जांच कर रही थी, लेकिन उससे पहले एक सफाईकर्मी महिला घटनास्थल पर पहुंची और तुरंत पुलिस को सूचना दी। लेकिन अलार्म बजने के बावजूद चोर पुलिस के पहुंचने से पहले ही भागने में कामयाब रहे।

बता दें कि लालिक म्यूजियम की शुरुआत 2011 में हुई थी। यह म्यूजियम प्रसिद्ध फ्रांसीसी ज्वेलर और ग्लास कलाकार रेने लालिक तथा उनके उत्तराधिकारियों की कला को समर्पित है। इस म्यूजियम में 650 से अधिक आर्ट नोवो, आर्ट डेको और आधुनिक क्रिस्टल कला की कलाकृतियां प्रदर्शित हैं।

जम्मू कश्मीर : किश्तवाड़ में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से मलबे में दबीं गाड़ियां

जम्मू, (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ ज़िले में 540 मेगावॉट के क्वार हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के पास भारी बारिश के कारण हुए ज़बरदस्त भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से कई गाड़ियां मलबे में दब गईं हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गाड़ियां मलबे के नीचे दब गईं और कई गाड़ियों को बहुत ज़्यादा नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा, प्रभावित गाड़ियों को निकालने और इलाके में आवाजाही सामान्य करने के लिए बचाव दल और भारी मशीनरी को काम पर लगाया गया है। डोडा ज़िले के कुछ हिस्सों में भी अचानक आई बाढ़ ने तबाही मचाई है जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ और कई जगहों पर नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, किश्तवाड़ से रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने संभागीय उपायुक्त रमेश कुमार से बात की। खबर यह थी कि अचानक आई बाढ़ का पानी निर्माणाधीन 540 मेगावॉट क्वार हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के परिसर में घुस गया है।

उन्होंने पोस्ट किया, अच्छी बात यह है कि जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। प्रोजेक्ट से जुड़ी कुछ मशीनरी को भी बिना किसी नुकसान के हटा लिया गया है। कुल मिलाकर, निर्माणाधीन प्रोजेक्ट का हर हिस्सा सुरक्षित है और उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

भाजपा सरकार ने सपा की विकास योजनाओं को जर्जर कर दिया : अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सपा के शासनकाल में बनाई गई विकास परियोजनाओं और जनहित की योजनाओं की अनदेखी कर उन्हें जर्जर होने के लिए छोड़ दिया है।

लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होने कहा कि सपा सरकार ने प्रदेश के विकास के लिए जो आधार तैयार किया था, वर्तमान सरकार उसे आगे बढ़ाने के बजाय बर्बाद करने में लगी हुई है। समाजवादी सरकार ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे का निर्माण कर प्रदेश की राजधानी को देश की राजधानी से बेहतर संपर्क उपलब्ध कराया था। आम उत्पादकों के हित में विशेष आम मंडी बनाई गई थी, लेकिन भाजपा सरकार की अनदेखी के चलते उसकी स्थिति खराब हो गई है।

उन्होंने दावा किया कि संडीला में पेप्सी का बड़ा प्लांट स्थापित कराया गया, कैंसर मरीजों के लिए सस्ता और बेहतर अस्पताल बनाया गया, लेकिन सरकार ने इन परियोजनाओं के विकास और रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इकाना स्टेडियम, जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) और पुलिस मुख्यालय जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की भी हालत खराब कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी एक महापुरुष के नाम पर बनाया गया था, लेकिन भाजपा सरकार को उनसे भी परहेज है।

श्री यादव ने आरोप लगाया कि किसानों के लिए बनाए गए किसान बाजार को कैफे बाजार में बदल दिया गया और किसानों के ठहरने की जगह को तीन सितारा होटल में तब्दील कर दिया गया। अयोध्या में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस मामले का संज्ञान देश-दुनिया के रामभक्तों, साधु-संतों, अयोध्या के लोगों, सुप्रीम कोर्ट और लोकसभा अध्यक्ष को लेना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसी भी तरह का नैरेटिव गढ़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक दिल्ली वाले कुछ सोच पाते, लखनऊ वालों ने अपने हाथ में सब ले लिया। यह दिल्ली और लखनऊ की लड़ाई है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के खिलाफ यदि झूठा प्रचार किया गया तो पार्टी के कार्यकर्ता संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

श्रीलंका की जेल में कैदियों के बीच हिंसक झड़प, 25 की मौत, 100 घायल

कोलंबो/नेगोम्बो। श्रीलंका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां नेगोम्बो शहर स्थित एक जेल में कैदियों के दो गुटों के बीच भीषण हिंसक झड़प हो गई। इस खूनी संघर्ष में जेल के 4 सुरक्षाकर्मियों समेत 25 कैदियों की मौत हो गई है, जबकि 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बता दें कि श्रीलंका की जेल में हुए इस भीषण झड़प को पिछले पांच सालों का सबसे घातक जेल दंगा बताया जा रहा है। यह घटना राजधानी कोलंबो के उत्तर में स्थित नेगोम्बो शहर की मुख्य जेल की है।

पुलिस के मुताबिक, जेल में बंद ड्रग माफियाओं के दो विरोधी गुटों के बीच रविवार रात को यह विवाद शुरू हुआ, जिसने सोमवार सुबह तक एक बड़े दंगे का रूप ले लिया।

हिंसक झड़प के बाद घायलों को तुरंत पास के नेगोम्बो सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल की निदेशक पुष्पा गमलाथ ने बताया कि उनके अस्पताल में अब तक 2 शव लाए जा चुके हैं।

इसके अलावा, 100 से ज्यादा घायल कैदियों और गार्ड्स को भर्ती कराया गया है। अस्पताल निदेशक ने बताया कि घायलों में से कुछ को गोलियां लगी हैं, जबकि कुछ के शरीर पर धारदार हथियारों के गहरे घाव और चोटों के निशान हैं। गौरतलब है कि रिपोर्ट की माने तो नेगोम्बो जेल में क्षमता से कहीं ज्यादा कैदी बंद हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अली -ऋचा पहली बार रोमांटिक जोड़ी के रूप में आएंगे नज़र

अभिनेता अली फ़ज़ल और अभिनेत्री ऋचा चड्ढा पहली बार बड़े पर्दे पर रोमांटिक जोड़ी के रूप में दिखाई देंगे। दोनों एक अनटाइटल्ड सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाएंगे, जिसका निर्माण सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस संयुक्त रूप से कर रहे हैं। फिल्म में कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। दिल्ली की रंग-बिरंगी और भागदौड़ भरी जिंदगी की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन अभिनेता, लेखक और निर्देशक शाशी वर्मा करेंगे। बतौर अभिनेता वह बाला, गुंजन सक्सेना और कठल जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं, जबकि लेखक-निर्देशक के रूप में एके47 और मुर्गा ट्रॉफी का निर्देशन कर चुके हैं। उनकी नई फिल्म मनोरंजन के साथ हल्का-फुल्का सामाजिक संदेश भी देगी। फिल्म की शूटिंग वर्ष 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू होगी और इसे अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है।हालांकि अली फ़ज़ल और ऋचा चड्ढा फुकरे फ्रेंचाइजी में साथ काम कर चुके हैं, लेकिन पहली बार किसी ऐसी फिल्म में एक-दूसरे के अपोजिट दिखाई देंगे, जिसकी पूरी कहानी उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। यही इस फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण माना जा रहा है। अली फ़ज़ल ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी कॉमेडी ईमानदार किरदारों और वास्तविक परिस्थितियों से निकलती है। स्क्रिप्ट पढ़ते ही मुझे लगा कि इसमें कुछ खास है। ऋचा के साथ पहली बार इस तरह स्क्रीन शेयर करना बेहद रोमांचक है। मैं लंबे समय से शाशी वर्मा के काम का प्रशंसक रहा हूं और उनके साथ काम करने की इच्छा थी। ऋचा चड्ढा ने कहा, इस कहानी की सादगी, ईमानदारी और आम लोगों की जिंदगी से उसका जुड़ाव मुझे सबसे ज्यादा पसंद आया। इसमें हास्य और भावनाओं के साथ एक खूबसूरत सामाजिक संदेश भी है। अली और मैंने पहले साथ काम किया है, लेकिन इस तरह कभी नहीं। दर्शकों को हमारी नई केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। निर्देशक शाशी वर्मा ने कहा कि यह फिल्म लोगों, रिश्तों, समाज के नजरिए और उन छोटी-छोटी घटनाओं की कहानी है, जो किसी की जिंदगी बदल सकती हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म में दिल्ली खुद एक किरदार की तरह मौजूद रहेगी और अली, ऋचा तथा कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार कहानी में गहराई और सहजता जोड़ेंगे। गिरिराज प्रोडक्शंस के मुकेश गिरी ने कहा कि कहानी की सच्चाई, हास्य और हर वर्ग के दर्शकों से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें शुरुआत से ही प्रभावित किया।

बारिश के मौसम में घरेलू नुस्खों से फिट रहती है 'यादें' की स्टार कास्ट

सोनी सब के लोकप्रिय शो यादें की स्टार कास्ट ने बारिश के मौसम में स्वस्थ रहने के लिए अपने पसंदीदा घरेलू नुस्खे साझा किए हैं। कलाकारों का कहना है कि पारंपरिक घरेलू उपाय आज भी बदलते मौसम में स्वास्थ्य बनाए रखने में मददगार साबित होते हैं।शो में डॉ. सृष्टि अग्रवाल की भूमिका निभा रहीं गुलकी जोशी ने बताया कि बरसात उन्हें घर और पारंपरिक नुस्खों की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि लंबे शूटिंग शेड्यूल के बाद हल्दी वाला दूध पीना, दिनभर गर्म पानी पीना और ठंडे पेय से बचना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे उन्हें फिट रहने में मदद मिलती है। शो में डॉ. देव मेहता का किरदार निभा रहे इक़बाल खान ने कहा कि वह दिन की शुरुआत कच्ची हल्दी के छोटे टुकड़े और गुनगुने पानी से करते हैं। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में वह स्ट्रीट फूड से परहेज़ करते हैं और नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं कि स्वस्थ रहें तथा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उनका मानना है कि यदि कभी तबीयत खराब हो जाए तो उसे शरीर को आराम देने का संकेत समझना चाहिए।

वहीं डॉ. रौनक की भूमिका निभा रहे देविश आहूजा ने कहा कि उनके घर में बारिश के मौसम में पकौड़ों के साथ घर का बना काढ़ा पीने की परंपरा है। उन्होंने बताया कि वह हमेशा गुड़ और भुनी हुई सौंफ अपने साथ रखते हैं, क्योंकि उनकी दादी का मानना था कि इससे बरसात के मौसम में पाचन बेहतर रहता है।

फितूर में दिखेगा को-एड कॉलेज में कदम रखने वाली लड़कियों का भावनात्मक सफर

स्टार प्लस का नया शो फितूर एक ऐसी कहानी लेकर आ रहा है, जिससे कई लड़कियाँ खुद को जोड़ सकेंगी। शो फितूर के प्रोमो में उन भावनाओं और चुनौतियों को दिखाया गया है, जिनका सामना लड़कियाँ पहली बार गर्ल्स स्कूल से निकलकर को-एड कॉलेज में प्रवेश के दौरान करती हैं। कई छात्राओं के लिए यह केवल कॉलेज की शुरुआत नहीं, बल्कि जीवन के एक नए दौर की शुरुआत होती है। नए माहौल में खुद को ढालना, अनजान लोगों से मिलना, झिझक और घबराहट जैसी भावनाओं से गुजरना आसान नहीं होता। फितूर इन्हीं अनुभवों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करते हुए लड़कियों को आत्मविश्वास के साथ नई शुरुआत करने का संदेश देता है। शो की मुख्य अभिनेत्री देबचंद्रिमा सिंहा रॉय ने प्रोमो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा,इस प्रोमो ने मुझे बहुत छू लिया क्योंकि यह ऐसी यात्रा है, जिससे बहुत-सी लड़कियाँ गुजरती हैं। गर्ल्स स्कूल के बाद पहली बार को-एड कॉलेज में जाना कई लड़कियों के लिए आसान नहीं होता। मुझे उम्मीद है कि जो भी लड़की यह प्रोमो देखेगी, उसे लगेगा कि उसकी भावनाओं को समझा गया है।

टीएमयू ने निभाया अक्षय कुमार का वादा, छात्रों को दी वेलकम टू द जंगल की टिकटें

मुरादाबाद के तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय ने अक्षय कुमार के साथ किए गए वादे को निभाते हुए छात्रों को वेलकम टू द जंगल की टिकटें उपहार में दीं। विश्वविद्यालय की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में दिखाया गया है कि अक्षय कुमार के विश्वविद्यालय दौरे के दौरान मंच से कही गई बात को टीएमयू ने अमल में उतारा। वीडियो के साथ विश्वविद्यालय ने लिखा, टीएमयू में हमारा मानना है कि हर वादा निभाया जाना चाहिए। जब सुपरस्टार अक्षय कुमार ने यह बात कही, तो हमारे पास सिर्फ एक ही रास्ता था-उसे पूरा करना। वीडियो में उस कार्यक्रम की झलक दिखाई गई है, जब खचाखच भरे सभागार में छात्रों से संवाद के दौरान अक्षय कुमार ने मजाकिया अंदाज में कॉलेज प्रशासन से छात्रों को वेलकम टू द जंगल दिखाने की बात कही थी।

टीएल बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने दिए सख्त निर्देश

मूंग उपार्जन जनकल्याण शिविर, सीएम हेल्पलाइन, स्वच्छता और जल संरक्षण कार्यो की विस्तार से हुई समीक्षा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यो की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह नागेश सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले में मूंग उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर सर्वेयर की अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर यह विशेष ध्यान रखा जाए कि खरीदी की जाने वाली मूंग गीली न हो तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाए। विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं योजनाओं के पंजीयन के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आयोजित किए जा रहे विशेष शिविरों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों का अमला शिविर स्थल पर समय पर उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि शिविरों के आयोजन की जानकारी पूर्व से ही आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही शिविरों का लाभ ले सकें और कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नहीं रहनी चाहिए। साथ ही सीएम मॉनिट एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों का भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण कर तथ्यात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण जवाब-दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन लगने वाले हाट-बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे जल संरक्षण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में नगरीय निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों, शासकीय भवनों एवं आम नागरिकों की सहभागिता से बड़ी संख्या में सोक पिट और अन्य लघु जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

इन छोटी-छोटी जल संरचनाओं से भू-जल रिचार्ज में व्यापक सुधार दिखाई देगा तथा भविष्य में जल संरक्षण को स्थायी मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन कार्यों का प्रभावी दस्तावेजीकरण किया जाए। सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) तथा संबंधित विभाग जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का विस्तृत डेटा तैयार करें, ताकि जिले में हुए कार्यों एवं उनके सकारात्मक परिणामों का समुचित आकलन किया जा सके।

जिले में अब तक 121.4 मिमी अर्थात 4.78 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 6 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 121.4 मिमी अर्थात 4.78 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 6 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 2 मिमी, गाडरवारा में 2, गोटेगांव में 5 मिमी, करेली में 3 मिमी और तेंदूखेड़ा में 35 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 135 मिमी, गाडरवारा में 158 मिमी, गोटेगांव में 55 मिमी, करेली में 60 और तेन्दूखेड़ा में 199 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 327.20 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 326 मिमी, गाडरवारा में 331 मिमी दर्ज हुई।

गोटेगांव में मूंग एवं उड़द उपार्जन का शुभारंभ किसानों की सुविधा पर विशेष जोर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जायद सीजन में किसानों द्वारा उत्पादित मूंग एवं उड़द फसल के उपार्जन का कार्य शासन के निर्देशानुसार प्रारंभ हो गया है। गोटेगांव में मूंग एवं उड़द उपार्जन का शुभारंभ मणिनागेंद्र फाउंडेशन के सचिव श्री सरदार सिंह पटेल तथा उप संचालक कृषि श्री आर.पी. झारिया की उपस्थिति में किया गया।

उप संचालक कृषि श्री आर.पी. झारिया ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपार्जन कार्य पूरी जिम्मेदारी, तत्परता और पारदर्शिता के साथ संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को उनकी उपज का समय पर लाभ मिले, इसके लिए सभी अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। उपार्जन कार्य के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री आर.एन. त्रिपाठी, कृषि विस्तार अधिकारी श्री एस.के. वासनिक, श्री डी.पी. मेहरा, श्री तरुण यादव, श्री पवन पटेल सहित संबंधित नोडल अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

राहुल वासनिक ने सहायक संचालक, जिला जनसंपर्क का पदभार संभाला

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के अधिकारी श्री राहुल वासनिक ने सोमवार को सहायक संचालक, जिला जनसंपर्क कार्यालय नरसिंहपुर के पद पर पदभार ग्रहण किया। श्री वासनिक इससे पूर्व जिला जनसंपर्क कार्यालय मंडला में पदस्थ थे। विदित है कि श्री वासनिक नरसिंहपुर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री वासनिक ने कहा कि जनसंपर्क विभाग शासन और आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु है।

विभाग की गरिमा के अनुरूप कार्य करते हुए शासन की जनहितैषी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों का समयबद्ध, तथ्यपरक और प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं मीडिया के साथ समन्वय स्थापित कर जनसंपर्क गतिविधियों को और अधिक सशक्त एवं परिणाममुखी बनाया जाएगा।

बूंद-बूंद सहेजने की बड़ी पहल

जिले के 171 शासकीय विद्यालय बने जल संरक्षण के प्रेरणा केंद्र

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में नरसिंहपुर जिले के 171 शासकीय विद्यालयों ने अनुकरणीय पहल करते हुए अपने परिसरों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए हैं। मध्यप्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए इस कार्य ने शासकीय विद्यालयों को केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण की व्यवहारिक प्रयोगशाला और सामाजिक जागरूकता के प्रेरणा केंद्र के रूप में स्थापित किया है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा जल संरक्षण को लेकर व्यापक अभियान संचालित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने बताया कि जिले के 171 शासकीय विद्यालयों में स्थापित रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम वर्षा जल के वैज्ञानिक संरक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों में जल के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित कर रहे हैं।

शासकीय विद्यालय बने व्यवहारिक शिक्षा के केंद्र

विद्यालयों में लगाए गए रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ जल संरक्षण का व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। छतों से एकत्रित वर्षा जल को संरक्षित कर भू-जल पुनर्भरण किया जा रहा है, जिससे भविष्य में जल उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं इस जल का उपयोग विद्यालय परिसर की बागवानी, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक कार्यों में भी किया जा सकेगा।

7 अगस्त को आयोजित होगी म.प्र. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2026

विद्यार्थियों को मिलेगा राज्य स्तर तक पहुंचने का अवसर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद तथा स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से मध्यप्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कलाओं, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरुषों एवं पर्यटन संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराने और पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन जिला स्तर पर शुक्रवार 7 अगस्त 2026 को किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी (छात्र-छात्राएं) भाग ले सकेंगे। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, चाहे वे राज्य बोर्ड, केन्द्रीय बोर्ड अथवा अन्य किसी शिक्षा बोर्ड से संबंधित हों, अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता में शामिल कर सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रत्येक विद्यालय द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की 3 सदस्यीय टीम का गठन किया जाएगा। टीम गठन की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्राचार्य/प्रबंधन की होगी। इसके लिए विद्यालय स्तर पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नमाला एवं क्विज के माध्यम से 3 श्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन कर टीम तैयार की जाएगी। विद्यालयों द्वारा अपनी टीम का ऑनलाइन पंजीयन दिनांक 25 जुलाई 2026 की सायं 05:30 बजे तक निर्धारित लिंक के माध्यम से किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी। प्रथम चरण में लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें प्राप्त अंकों के आधार पर जिले की 6 श्रेष्ठ टीमों का चयन किया जाएगा। ये चयनित टीमें द्वितीय चरण, अर्थात ऑडियो-विजुअल राउंड में भाग लेंगी।

इस राउंड में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए पात्र होगी। प्रतियोगिता के प्रथम चरण (लिखित परीक्षा) का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक किया जाएगा। वहीं द्वितीय चरण (मल्टीमीडिया ऑडियो-विजुअल राउंड) का आयोजन स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पी.जी. कॉलेज), नरसिंहपुर में दोपहर 2:30 बजे से 04:30 बजे तक होगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु क्विज प्रभारी श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय तथा क्विज मास्टर डॉ. अशोक उदेनिया, वरिष्ठ अध्यापक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर नियुक्त किए गए हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। साथ ही जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता टीमों को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में ठहरने हेतु आकर्षक उपहार कूपन भी प्रदान किए जाएंगे।

पं.मुकेश कटारे महासचिव नियुक्त

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी पं. मुकेश कटारे को जिला कांग्रेस में महासचिव नियुक्त किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुमति एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति की सहमति से श्री कटारे को महासचिव नियुक्त किया है। विदित हो कि श्री कटारे पूर्व में भी अनेक पदों का दायित्व निभा चुके हैं। उनकी नियुक्ति से निश्चित तौर पर कांग्रेस को लाभ मिलेगा। वे जहां कांग्रेस से जुड़े हुए हैं वहीं समाज सेवा में भी सक्रिय रहते हैं।

डायरिया पर प्रशिक्षण संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड मंडला द्वारा विकासखंड मोहगांव की 38 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायकों को जल गुणवत्ता परीक्षण एवं उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उमा गणेश लोधी ने फील्ड टेस्ट किट से जल के भौतिक, जीवाणु एवं रासायनिक परीक्षण की विधिया बताईं। साथ ही जल नमूना संग्रहण, परिणाम विश्लेषण एवं उपचारात्मक उपायों की जानकारी दी गई। सीईओ जनपद पंचायत मोहगांव कमल रंधावा ने सभी को गांव में पेयजल स्त्रोतों की नियमित जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ई-केवायसी के पंजीयन के लिए 9 को लगेंगे शिविर

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश पर शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में होंगे शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 9 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में नगर पालिका गाडरवारा के इंदिरा एवं आजाद वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के निरंजन एवं महाजनी वार्ड, नगर पालिका करेली के अन्नपूर्णा एवं जयप्रकाश वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के भगत सिंह एवं बोस वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 3 (भीमराव अंबेडकर) एवं वार्ड क्रमांक 4 (दीनदयाल उपाध्याय) सहित नगर परिषद चीचली, सालीचौका एवं साईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 3 एवं 4 में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत बम्हौरी, बारहा छोटा, बरमानकलां, बांसादेही एवं बसेड़ी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की बहोरीपार कलां, बकौरी, बम्हौरी, बंधी एवं बंदरोहा, जनपद पंचायत चीचली की बगलई, बैरागढ़, बारछी, बारहाबड़ा एवं बुसरिया, जनपद पंचायत गोटेगांव की बगलई ऊजर, बम्हनी, बरहटा, बरोदा एवं बासनपानी, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की बम्हौरी कला, बनखेड़ी, बांसखेड़ा, बनवारी एवं बरेली तथा जनपद पंचायत चांवरपाठा की बंधी, बरमानखुर्द, बीतली, भामा एवं बांसखेड़ा ग्राम पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम है। इसके साथ ही संबल कार्ड एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल कार्ड के लंबित आवेदनों का पंजीयन भी किया जाएगा। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा।

सर्पदंश से बचाव पर एडवाइजरी जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीजे मोहन्ती ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि सांप काटने की घटना को गंभीरता से लें और प्रभावित व्यक्ति को बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। झाड़-फूंक या अंधविश्वास पर निर्भर रहने से मरीज की जान को खतरा हो सकता है सीएमएचओ ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को शांत रखें, उसे अनावश्यक चलने-फिरने न दें तथा काटे गए स्थान को साफ कर हल्के कपड़े से बांध दें।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान 13 जुलाई से

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की जा रही है। सहायक संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग यूएस तिवारी ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह विशेष अभियान आगामी 13 से 18 जुलाई तक पूर प्रदेश के साथ जिले में चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य ध्येय दुग्ध उत्पादन में वृद्धि मध्यप्रदेश की समृद्धि के संकल्प को साकार करना है। अभियान के दौरान विभाग के विशेषज्ञ और मैदानी अमला सीधे पशुपालकों से संपर्क करेंगे और उन्हें डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभदायक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएंगे। अभियान के दौरान स्थानीय मवेशियों की नस्ल में सुधार कर दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उपाय। मवेशियों के लिए संतुलित आहार हरा चारा प्रबंधन और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता। उन्नत तकनीक के माध्यम से बछड़ियों के जन्म को बढ़ावा देने की तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी जिससे भविष्य में दुग्ध उत्पादन में तेजी से वृद्धि हो सके। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जिले के सभी पशुपालकों और किसानों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़चढ़कर हिस्सा लें।

उमराह यात्रा पर जाने वालों का हुआ भव्य स्वागत

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

विगत दिवस रेलवे स्टेशन पर मक्का-मदीना की पवित्र उमराह यात्रा पर जाने वाले यात्रियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। ग्राम कल्याणपुर निवासी नूरजहाँ बेगमन एवं फरहान खान उमराह के लिए रवाना हुए। मुस्लिम समाज व नगर के गणमान्य नागरिक रेलवे स्टेशन पहुंचे और उन्होंने खुसनुमा अंदाज में गर्मजोशी के साथ उमराह पर जाने वालों का इस्तकबाल किया। स्वागत करने वालो में महमूद पहलवान, बब्लू खान, मतलूब खान, मुन्ना भाई बिजली वाले, हाजी नायाब अली, नौशाद अली, अशरफ खान, मकसूद खान नाज टेलर, मंजूर भाई, अमीनुद्दीन, शेख नदीम, माहिर भाई, सद्दाम खान आदि प्रमुख थे।

इस अवसर पर सभी ने उमराह यात्रियों से कहा किमदीने वाले से हमारा सलाम पेश करना और अपने वतन हिंदुस्तान की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए बारगाहे इलाही में दुआ करना। ग्राम कल्याणपुर से नूरजहाँ बेगम और फरहान खान का उमराह पर जाने की खुशी देखने काबिल थी। घर से निकलते समय उनके चेहरे पर अल्लाह के घर जाने की खुशी और इबादत का जज्बा साफ झलक रहा था।

शॉर्टेज प्रकरणों का करें निराकरण

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित रबी उपार्जन समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के दौरान सामने आए शॉर्टेज प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि गौतम ने शॉर्टेज की स्थिति एवं शासन के निर्देशों की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में बताया गया कि जिले के 23 उपार्जन केंद्रों में कुल 101.74 मीट्रिक टन गेहूं की शॉर्टेज पाई गई है। इनमें से 9 उपार्जन केंद्रों द्वारा शॉर्टेज की राशि जमा करा दी गई है। कलेक्टर ने शेष 12 उपार्जन केंद्रों को निर्देश दिए कि 4 दिवस के भीतर शॉर्टेज की राशि अनिवार्य रूप से जमा कराई जाए। बैठक में 2 उपार्जन केंद्रों में परिवहनकर्ता के कारण शॉर्टेज हुई है। कलेक्टर ने संबंधित नान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण कर 4 दिवस के भीतर राशि जमा कराना सुनिश्चित करें।

किसानों के हक की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस

10 जून को एसडीएम कार्यालय का करेगी घेराव

राज्यपाल के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

जिला किसान कांग्रेस के आव्हान पर गाडरवारा में किसान आंदोलन तेज होने जा रहा है। 100 प्रतिशत मूंग समर्थन मूल्य एमएसपी पर खरीदी की मांग को लेकर कांग्रेस 10 जून शुक्रवार दोपहर 1 बजे एसडीएम कार्यालय का घेराव करेगी। घेराव के बाद महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। घेराव से पहले कांग्रेसजन अस्पताल रोड स्थित उत्सव भवन गाडरवारा में एकत्रित होंगे। यहां से विशाल जुलूस के रूप में किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पहुंचा जाएगा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह घेराव पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसानों की जायज मांगों को प्रशासन तक पहुंचाना इसका मकसद है। राज्यपाल के नाम सौंपे जाने वाले ज्ञापन में किसानों की ये प्रमुख मांगें शामिल रहेंगी। सभी किसानों की 100 प्रतिशत मूंग की समर्थन मूल्य एमएसपी पर खरीदी सुनिश्चित की जाए

ई-टोकन व्यवस्था तत्काल प्रभाव से समाप्त कर पुन: पुरानी व्यवस्था पर खाद विक्रय की जाए,किसानों को खेती के लिए 16 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए, कृषि यंत्रों एवं मशीनों पर जी एस टी समाप्त किया जाए, म

मंडियों में एमएसपी पर अनाज खरीदी अनिवार्य की जाए ताकि किसान बिचौलियों के चंगुल से बच सकें। उक्त जानकारी की देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष छोटे राजा कौरव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों के साथ खड़ी रहती है। उन्होंने सभी किसान भाइयों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि 10 जून को होने वाले ज्ञापन व घेराव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर किसानों की इस लड़ाई को मजबूत बनाएं।

उन्होंने कहा, अगर सरकार किसानों की मांगें नहीं मानती तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करने तैयार रहेगी।

स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 6 जिलों का 1.85 लाख हेक्टेयर भू-क्षेत्र होगा सिंचित

टनल की खुदाई का कार्य मात्र 40 मीटर शेष, नर्मदा जल से किसान होंगे समृद्ध

कटनी (स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कृषक कल्याण वर्ष में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार कों सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश के अनुक्रम में कटनी जिले के स्लीमनाबाद टनल की खुदाई का कार्य लगभग पूर्णता पर है। टनल की कुल लम्बाई 11.952 किलोमीटर में से अब मात्र 40 मीटर टनल का हीं खनन कार्य शेष है। तकनीकी तौर पर मशीन में यदि कोई व्यवधान नहीं आता है, तो टनल खनन का कार्य 15 जुलाई तक पूर्ण कर लिए जाने की योजना है। बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दाई तट मुख्य नहर के किलोमीटर 104 से 116.865 किलोमीटर के मध्य निर्मित इस टनल का कार्य करीब डेढ़ दशक से चल रहा था। टनल की कुल लम्बाई 116.865 किलोमीटर से

129 किलोमीटर तक ओपन कैनाल रहेगी। इस कैनाल की जल प्रवाह क्षमता 152 क्यूमेक है जबकि टनल का डायमीटर 10.140 मीटर है। इस स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 1.85 लाख हेक्टेयर भू क्षेत्र में सिचाई प्रस्तावित है।

किसान होंगे समृद्ध

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री सहज श्रीवास्तव ने बताया कि अंचल के किसानों की समृद्धि और विकास की दिशा में स्लीमनाबाद टनल का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस टनल के बनने से क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इस टनल से कटनी शहर की पेयजल की आपूर्ति के लिए भी पानी मिलेगा। इसके साथ ही जिले के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका फायदा मिलेगा।

ये जिले होंगे लाभान्वित

परियोजना से कटनी जिले का 21 हजार 823 हेक्टेयर, मैहर का 54 हजार 227 हेक्टेयर, सतना का 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, पन्ना का 448 हेक्टेयर और रीवा का 3 हजार 84 हेक्टेयर क्षेत्र सीधे लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही इन जिलों के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका बड़ा फायदा मिलेगा। बरगी व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत जबलपुर स्थित बरगी बाँध से निकलने वाली स्लीमनाबाद की यह दाई तट मुख्य नहर (ट्रांस वेल्ली कैनाल) प्रदेश की सबसे ज्यादा 227 क्यूमेक पानी डिस्चार्ज केयरिंग कैपेसिटी वाली नहर होंगी। इस टनल के वर्तमान में कुल लागत 1600 करोड़ रूपये से अधिक की हो गयी है। स्लीमनाबाद टनल के निर्माण की एजेंसी मेसर्स पटेल- एस.ई.डब्लूयू (संयुक्त उपक्रम) हैदराबाद है। स्लीमनाबाद टनल अपनी पूर्णता के बाद पुण्य सलिला माँ नर्मदा की अमृत धारा सोन नदी से जुड़ जायेगी और इस प्रदेश के आधा दर्जन जिलों की भूमि की सिचाई और पेय जल का निमित्त बनेगी।

जायंट्स कटनी सहेली के सानिध्य में यूनिट-1 की मल्टी ओरिएंटेशन एवं कॉन्फ्रेंस मीटिंग हुई

कटनी (स्वतंत्रमत)

कार्यक्रम का शुभारंभ जायंट्स कटनी सहेली की अध्यक्ष मनीषा गौतम द्वारा सभी अतिथियों का अभिवादन किया। तत्पश्चात फेडरेशन अध्यक्ष दीपीका शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का माला से स्वागत किया गया। यूनिट डायरेक्टर प्रिया श्रीवास्तव ने सभी अध्यक्षों एवं डी.ए. से समय पर रिपोर्ट भेजने तथा किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत साझा करने का आग्रह किया। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गुरमीत सिंह बावरा ने अधिक से अधिक जनहितकारी एवं प्रभावी सेवा प्रोजेक्ट करने तथा समाज में जायंट्स की सकारात्मक पहचान बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सभी अध्यक्ष प्रशासन संचालक कोषाध्यक्ष को ईमानदारी से अपने काम करने के लिए बताया। फेडरेशन ऑफिसर सुषमा गोस्वामी द्वारा 17 सितंबर से 23 सितंबर सेवा सप्ताह जो मनाया जाता है उसमें हम किस तरह से मानवता की सेवा कर सकते हैं और उन्होंने सभी से अपील की सेवा सप्ताह को हमे बहुत उल्लास के साथ सेवा सप्ताह सभी ग्रुपों को 7 दिन लगातार कार्य करना है। फेडरेशन ऑफिसर जितिन नारंग ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हुए जुलाई से सितंबर तक अधिकाधिक पौधारोपण के लक्ष्य को सफल बनाने का आह्वान किया। फेडरेशन ऑफिसर रंगेश गोयनका द्वारा जायंट्स में मेंबर को कैसे बढ़ता है और नए ग्रुप कैसे खोलना है इस पर अपने विचार रखें। बैठक में सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया, विचार साझा किए तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु उपयोगी सुझाव प्रस्तुत किए। फेडरेशन उपाध्यक्ष रणवीर करण ने जायंट्स का परिचय देते हुए जायंट्स की स्थापना, उद्देश्य एवं सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी को संगठन की कार्यशैली से अवगत कराया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में फेडरेशन अध्यक्ष दीपिका शर्मा ने सभी ग्रुपों को समय पर रिपोर्टिंग करने का आग्रह किया। उन्होंने जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे तथा सही उत्तर देने वाले सदस्यों को आकर्षक उपहार प्रदान किए। साथ ही आगामी सेमिनारों की जानकारी भी साझा की। जायंट्स में इंटरनेशनल बीडिंग कैसे करते हैं बताया और हमें जायंट्स का प्रचार प्रसार और ग्रुप बढ़ाना और सदस्यता वृद्धि पर जोर दिया। मानवता की सेवा करते हुए हमें समाज में जायंट्स का प्रचार प्रसार करते हुए आगे बढ़ाना है। अंत में प्रशासनिक संचालक मंजू सिंह ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कलेक्टर ने आदतन अपराधी को 5 माह तक पुलिस थाना में उपस्थित होने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी ने ग्राम टेढ़ी थाना माधवनगर निवासी फूलमति उर्फ फूला लुनिया

पति राकेश लुनिया उम्र 48 वर्ष के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए आगामी 5 माह की अवधि तक प्रतिमाह की 15 तारीख को पुलिस थाना माधवनगर में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर की है। फूलमती एक आदतन अपराधी है और वर्ष 2016 से ही माधवनगर थाना क्षेत्र में लगातार अपराध करते चली आ रही है। इसके विरूद्ध अब तक कुल 7 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है। जिनमें आमजन के साथ गाली-गलौज करना, मारपीट करना, जान से मारने की धमकी देना, अवैध शराब का विक्रय करना तथा अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर बलवा जैसे अपराध शामिल है। पुलिस द्वारा फूलमती के विरूद्ध कई बार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। परंतु, आदतन अपराधी के आचरण-व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। फूलमती उर्फ फूला लुनिया द्वारा आपराधिक गतिविधियां निरंतर जारी रखने, आम जन के लिए आतंक का पर्याय बनने के कारण क्षेत्र में शांति एवं सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पढ़नें वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आदतन अपराधी के प्रवृत्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए आगामी 5 माह तक पुलिस थाना माधवनगर में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत दिल्ली पब्लिक स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत दिल्ली पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक प्रभावी एवं ज्ञानवर्धक साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत विद्यालय की निदेशिका जूही जैन, ट्रस्टी अनुज जैन, प्राचार्या सीमा दुबे एवं उप-प्राचार्या शबनम अख्तर द्वारा उपस्थित अतिथियों का एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधा भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, सीएसपी नेहा पच्चीसिया, थाना कुठला प्रभारी राजेश दहिया तथा ट्रैफिक प्रभारी अनूप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति से सभी अतिथियों का स्वागत किया, जिसकी उपस्थित जनों ने सराहना की। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक (स्किट) प्रस्तुत किया, जिसमें ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों को अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों की इस प्रस्तुति की पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की जागरूकता गतिविधियाँ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रभावित होकर उन्हें साइबर वॉरियर के रूप में प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा भी की। अपने प्रेरणादायी एवं संवादात्मक संबोधन में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने के दुष्परिणाम, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार के बारे में अत्यंत सरल, रोचक एवं विस्तृत तरीके से जानकारी दी।

सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के तहत हुआ मैराथन दौड़ का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में संचालित साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के अंतर्गत कटनी पुलिस द्वारा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं युवाओं में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस कंट्रोल रूम, कटनी से माधव नगर गेट, कटनी तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़ को पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, नगर पुलिस अधीक्षक कटनी नेहा पच्चीसिया, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, जिला खेल अधिकारी सुनीता यादव, जिला शिक्षा अधिकारी एस. पाण्डेय सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, अग्निवीर अभ्यर्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना, डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना तथा साइबर ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते समय विशेष सतर्कता बरतना अत्यंत आवश्यक है।

16 वर्षों के बाद फिर सुर्खियों में 7.31 करोड़ की वसूली का मामला

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में मेसर्स केपी अवस्थी फर्म से जुड़ा करीब 16 वर्ष पुराना करोड़ों रुपये की वसूली का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। फर्म संचालक केशव प्रसाद अवस्थी का आरोप है कि न्यायालय से अंतिम राहत मिलने के बावजूद कुछ लोग व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते पुराने मामले को फिर से उछालकर उनकी सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। जनकारी के अनुसार, तत्कालीन कटनी कलेक्टर

द्वारा वर्ष 2013 में मेसर्स केपी अवस्थी फर्म के विरुद्ध 7 करोड़ 31 लाख 56 हजार 160 रुपये की वसूली का आदेश जारी किया गया था। इस आदेश को फर्म ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। फर्म सेवालक का कहना है कि 18 अप्रैल 2016 को उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने अंतिम निर्णय देते हुए वसूली आदेश को निरस्त कर फर्म को राहत प्रदान कर दी थी। फर्म संचालक केशव प्रसाद अवस्थी ने बताया कि हाल ही में संचालक, भौमिकी एवं खनिकर्म, भोपाल द्वारा पुराने शिकायत प्रकरण के आधार पर कटनी जिला खनिज विभाग को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बाद उन्होंने विभाग को उच्च न्यायालय के अंतिम आदेश सहित सभी संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं, जिससे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। केशव प्रसाद अवस्थी का कहना है कि न्यायालय द्वारा वर्ष 2016 में प्रकरण का अंतिम निराकरण किए जाने के बाद भी कुछ विरोधी पुराने मामले को तूल देकर अधिकारियों और आमजन के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। उनका आरोप है कि यह पूरा प्रयास व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत द्वेष से प्रेरित है। फर्म संचालक ने विश्वास जताया कि संबंधित विभाग उच्च न्यायालय के आदेश और उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर वस्तुस्थिति का परीक्षण करेगा तथा तथ्यों के अनुरूप निर्णय लिया जाएगा।

बरसात में विद्युत सुरक्षा बरतें

कटनी (स्वतंत्रमत)। वर्षा ऋतु के दौरान तेज आंधी, तूफान और लगातार बारिश के कारण विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, कटनी ने आम नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग का कहना है कि बरसात के मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। कार्यपालन अभियंता मुकेश महोबे ने नागरिकों से अपील की है कि विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर तथा हाईटेंशन एवं एलटी विद्युत लाइनों से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें। अपने पालतू पशुओं को भी बिजली के खंभों या स्टे वायर से न बांधें। बारिश के दौरान गीले हाथों अथवा नंगे पैर किसी भी विद्युत उपकरण, तार या स्विच बोर्ड को न छुएं। जलभराव वाले स्थानों पर बिजली के खंभों के पास जाने से बचें तथा ऐसे स्थानों पर रखे विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें। उन्होंने बताया कि घरों की छत या दीवारों से पानी का रिसाव, खराब या पुरानी वायरिंग, ढीले कनेक्शन तथा कमजोर अर्थिंग के कारण करंट फैलने का खतरा रहता है। इसलिए समय-समय पर किसी प्रमाणित इलेक्ट्रीशियन से घरेलू वायरिंग और अर्थिंग की जांच अवश्य कराएं। दुर्घटनाओं से बचाव के लिए कटे-फटे तारों को तत्काल बदलें तथा केवल मानक गुणवत्ता आईएसआई मार्क वाले विद्युत तारों का उपयोग करें। घरों में मिनिएचर सर्किट ब्रेकर एमसीबी एवं उचित अर्थिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। यदि कहीं बिजली का तार, केबल या पोल टूटा हुआ दिखाई दे तो उसके पास न जाएं और न ही उसे हटाने का प्रयास करें। ऐसी स्थिति जानलेवा हो सकती है। किसी भी विद्युत आपात स्थिति, दुर्घटना की आशंका अथवा टूटे हुए तार की सूचना तत्काल विद्युत विभाग को दें। विद्युत संबंधी शिकायत अथवा आपात स्थिति में उपभोक्ता टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं या अपने निकटतम विद्युत वितरण केंद्र में सूचना दे सकते हैं। विद्युत विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

संत रविदास स्वरोजगार योजना से बदली सुरेश की जिंदगी

10 हजार की नौकरी से 10 लाख रुपये सालाना आय तक का प्रेरणादायक सफर

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश शासन की स्वरोजगार योजनाएं आज जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई आशा और आत्मनिर्भरता का संचार कर रही हैं। इसी का एक प्रेरणादायक उदाहरण है कटनी जिले के विवेकानंद वार्ड स्थित लखेरा निवासी सुरेश कुमार खटीक, जिन्होंने सीमित आय से शुरुआत कर आज सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। सुरेश ने अपने करियर की शुरुआत महज 10 हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी से की थी। हालांकि उनका सपना हमेशा से खुद का व्यवसाय स्थापित करने का था, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी उनके रास्ते में बड़ी बाधा बनी हुई थी। इसी दौरान उन्हें मध्यप्रदेश शासन की संत रविदास स्वरोजगार योजना की जानकारी मिली, जिसने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। योजना के तहत उन्हें 9 लाख 80 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस सहयोग से उन्होंने प्रारंभिक रूप से 2 से 3 लाख रुपये का निवेश कर टेंट हाउस एवं फ्लावर डेकोरेशन का व्यवसाय शुरू किया। उनकी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने धीरे-धीरे उनके व्यवसाय को सफलता की ओर अग्रसर किया। अब सुरेश न केवल आत्मनिर्भर बन चुके हैं, बल्कि वे अपने व्यवसाय के माध्यम से 6 अन्य लोगों को रोजगार भी प्रदान कर रहे हैं। उनका व्यवसाय निरंतर प्रगति कर रहा है और उनकी वार्षिक आय बढ़कर लगभग 10 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। सुरेश कुमार अपनी सफलता का श्रेय संत रविदास स्वरोजगार योजना को देते हुए मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। वे कहते हैं, इस योजना ने मुझे अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर दिया। आज मैं न सिर्फ अपना व्यवसाय चला रहा हूं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार देने में सक्षम हूं। उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि वे शासन की स्वरोजगार योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। सुरेश की यह सफलता कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि सही दिशा, अवसर और दृढ़ इच्छाशक्ति मिले, तो कोई भी व्यक्ति अपनी परिस्थितियों को बदलकर सफलता की नई कहानी लिख सकता है।

डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए पथप्रदर्शक: वीडी शर्मा

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती स्मरण पर्व पर आयोजित हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

कटनी (स्वतंत्रमत)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 वीं जयंती वर्ष के स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन विवेकानंद सभागार में हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन भारत मात, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा वंदे मातरम् गायन के साथ हुआ। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने मुखर्जी के प्रसिद्ध उद्घोष एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उल्लेख किया, विभाजन के समय पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने, तथा राष्ट्रीय अखंडता के लिए किए गए उनके संघर्ष को देश सदैव स्मरण करेगा उनका जीवन सिद्धांतों, साहस और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने डॉ मुखर्जी को प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता और राष्ट्रभक्त के लिए पथप्रदर्शक बताया। सांसद वीडी शर्मा ने विधायक संजय सत्येंद्र पाठक की मांग पर माधवनगर में डॉ. मुखर्जी की स्मृति में एक हॉल बनाने के लिए सांसद कोटे से 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। वीडी शर्मा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी डॉ. मुखर्जी के विचारों और संकल्पों को साकार करने का कार्य कर रही है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने को डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। सम्मेलन के प्रस्तावना संबोधन में जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को समर्पित जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा, राष्ट्रीय एकता और समाज के सभी वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पद चिन्हों पर चल कर हीं भाजपा दो सांसद से देश और दुनिया की सबसे बड़े कार्यकर्ताओं वाली पार्टी बनी है। बंगाल में भाजपा की सरकार बनना डॉ मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, संगठन और समर्पण के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने पर जोर दिया। जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र प्रथम, संगठन सर्वोपरि और जनसेवा के सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर समाज एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य कर रहा है। उनके विचार आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं और राष्ट्र निर्माण के हमारे संकल्प को निरंतर सशक्त करते हैं।

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर

नेमार ने लिया रिटायरमेंट, नॉर्वे ने 2-1 से हराया, पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, इंग्लैंड भी जीता

ईस्ट रदरफोर्ड।

5 बार का चैंपियन ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इंग्लिश टीम ने मेजबान मैक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने इस हार के बाद संन्यास ले लिया। उन्होंने अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की ओर से एकमात्र गोल किया। नॉर्वे की ओर से दोनों गोल एरलिंग हालैंड ने दागे। 34 साल नेमार ने कहा, मैंने पूरी कोशिश की। मेरा सफर यहीं से शुरू हुआ था और अब यहीं खत्म हो गया। ब्राजील के लिए मेरा अध्याय अब खत्म हो चुका है। उन्होंने 2010 में इसी मैदान (तत्कालीन मेटलाइफ स्टेडियम) पर अमेरिका के खिलाफ ब्राजील के लिए डेब्यू किया था।

पेनल्टी पर गोल नहीं कर सका ब्राजील

ब्राजील के पास पहले हाफ में 15वें मिनट के करीब बढ़त लेने का मौका मिला। वीडियो असिस्ट रीव्यू यानी के बाद टीम को पेनल्टी मिली, लेकिन ब्रूनो गुइमारेस का शॉट नॉर्वे के गोलकीपर ऑर्जन नीलैंड ने डाइव लगाकर रोक दिया। नीलैंड ने गेब्रियल मार्टिनेली और विनीसियस जूनियर की कोशिशें नाकाम कीं और पहले हाफ में स्कोर 0-0 बनाए रखा।

दूसरे हाफ में ब्राजील के युवा स्ट्राइकर एंड्रिक ने आसान मौका गंवाया। इसके बाद नॉर्वे ने जवाबी हमला बोला। 72वें मिनट में एंड्रियास शेल्डरप ने बाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर हालैंड ने जोरदार हेडर लगाकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इंजरी टाइम से ठीक पहले हालैंड ने दूसरा गोल करते हुए डिफेंडर डेनिलो के पैरों के बीच से गेंद निकालकर गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका छठा और सातवां गोल रहा। इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी और किलियन एमबाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए।

नेमार का इंटरनेशनल करियर खत्म

लगातार चोटों से जूझ रहे नेमार इस वर्ल्ड कप में सिर्फ दो मैच खेल सके। नॉर्वे के खिलाफ वे दूसरे हाफ में उतरे और पेनल्टी पर गोल किया। ब्राजील के कप्तान मार्किन्योस ने कहा, अब नई पीढ़ी के खिलाड़ियों का समय है। हमें उम्मीद है कि ब्राजील के फैंस उन्हें धैर्य और पूरा समर्थन देंगे। नेमार ने 130 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। ब्राजील के लिए उनसे ज्यादा मैच सिर्फ काफू (142) ने खेले। अपने अंतिम मैच में गोल कर नेमार ने दिग्गज पेले के एक रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। दोनों खिलाड़ियों ने 4-4 फीफा वर्ल्ड कप में गोल किए हैं। नेमार अंतरराष्ट्रीय गोल करने के मामले में पेले से तीन गोल आगे हैं। पेले के नाम 77 गोल हैं। जबकि नेमान के नाम 80 गोल हैं।

इंग्लैंड लगातार तीसरी बार क्वार्टरफाइनल में

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी बार क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। दूसरे हाफ में जरेल क्वांसा के रेड कार्ड के बाद इंग्लैंड ने करीब 35 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला, लेकिन बढ़त बरकरार रखी। जूड बेलिंगहैम ने 36वें और 38वें मिनट में लगातार दो गोल कर इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम से पहले जूलियन क्विनोनेस ने मेक्सिको के लिए एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। 54वें मिनट में क्वांसा को रेड कार्ड मिला। इसके बावजूद 60वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 3-1 कर दी। 69वें मिनट में राउल जिमेनेज ने पेनल्टी पर गोल कर अंतर 3-2 किया, लेकिन मेक्सिको बराबरी नहीं कर सका।

भारत ने अंडर 20 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में जीते चार गोल्ड सहित 20 मेडल

पटाया (थाईलैंड)।

कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में भारतीय पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में कुल 20 मेडल जीते। इन मेडल्स में चार गोल्ड, सात सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज़ शामिल थे, जो तीनों कैटेगरी (महिला रेसलिंग, पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन) में जीते गए।भारतीय पहलवानों ने चैंपियनशिप के दौरान कई वेट कैटेगरी में लगातार पोडियम पर जगह बनाई और महिला रेसलिंग व पुरुष फ्रीस्टाइल, दोनों में टॉप-3 टीम रैंकिंग हासिल की।महिला रेसलिंग में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 184 पॉइंट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।भारत चैंपियन चीन (189 पॉइंट्स) से थोड़ा ही पीछे रहा, जबकि तीसरे स्थान पर रहे जापान (142 पॉइंट्स) को काफी पीछे छोड़ दिया।वहीं, भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम 152 पॉइंट्स के साथ टीम स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर रही; उनसे आगे विजेता कजाकिस्तान (170 पॉइंट्स) और रनर-अप ईरान (164 पॉइंट्स) थे।महिला प्रतियोगिता में अपनी बेहतरीन क्षमता और निरंतरता दिखाते हुए, भारतीय टीम ने 90 प्रतिशत पोडियम कन्वर्जन रेट हासिल किया।दस में से नौ पहलवानों ने मेडल जीते और पारंपरिक रूप से मजबूत जापान को 42 पॉइंट्स के बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया।महिला कैटेगरी में भारत की ओर से परवीन (50 किग्रा), मुस्कान (53 किग्रा) और काजल (76 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीते।परवीन ने उज़्बेकिस्तान की शोखिस्ता शोनाज़ारोवा को 13-2 से हराया, मुस्कान ने हिम्मत दिखाते हुए जापान की माई ओगावा को पॉइंट्स के आधार पर 6-5 से मात दी, और काजल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की माहिरु फुजिता को 5-0 से हराया।वहीं, मान्या राजपूत (57), सविता (62) और मनीषा (72) को चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ अपने-अपने फाइनल मुकाबले हारने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।ब्रॉन्ज़ मेडल के प्ले-ऑफ में, काजल (55) ने उज़्बेकिस्तान की साकिबजमल एस्बोसीनोवा को फॉल से हराया, कोमल (59) ने किर्गिस्तान की अकीलाई चिनीबायेवा को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 12-0 से हराया, और मानसी लाथर (65) ने कोरिया की येओनवू सॉन्ग को 13-2 से हराया।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए पांच क्रिकेटरों में भारत के ईशांत भी शमिल

मुम्बई।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले 5 खिलाड़ियों में एक भारतीय ईशांत शर्मा भी शामिल है। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श के नाम है। इसके अलावा इस सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड, न्यूजीलैंड के क्रिस मार्टिन और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा के नाम भी शामिल हैं।

कर्टनी वॉल्श = महान तेज गेंदबाज वॉल्श ने अपनी घातक गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों में डर पैदा किया पर अपनी बल्लेबाजी में उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज है जिसे वह भूलना चाहेंगे। साल 1984 से 2001 तक चले अपने करियर में वॉल्श रिकॉर्ड 43 बार शून्य पर आउट हुए। 132 टेस्ट मैचों की 185 पारियों में उन्होंने कुल 936 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 30 रन रहा और बल्लेबाजी औसत 7.54 का रहा। इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का रिकार्ड दूसरा नंबर है। अपने करियर में एक शतक 169 रन और 13 अर्धशतक सहित 3662 रन बनाने वाले ब्रॉड साल 2007 से 2023 तक चले लंबे करियर की 244 पारियों में 39 बार शून्य पर आउट हुए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज क्रिस मार्टिन की बात करें तो, उन्हें अक्सर उनकी घातक गेंदों से ज़्यादा उनकी बेहद कमजोर बल्लेबाजी के लिए याद किया जाता है। 2000 से 2013 के बीच 71 टेस्ट खेलने वाले मार्टिन 104 पारियों में से 36 बार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। उन्होंने अपने पूरे करियर में केवल 123 रन बनाए, जो उनके द्वारा लिए गए विकेटों की संख्या से भी कम थे। ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान तेज गेंदबाजों में शामिल ग्लेन मैक्ग्रा अपनी सटीक लाइन और लेंथ के लिए जाने जाते थे, लेकिन बल्लेबाजी के दौरान वे स्वयं संघर्ष करते दिखे। 1993 से 2007 तक 124 टेस्ट मैचों की 138 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए वे कुल 35 बार शून्य पर आउट हुए।

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षमः कपिल

चंडीगढ़ *। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे। कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था।*

रिलायंस फाउंडेशन ने युवा फुटबॉलरों के लिए खोला वैश्विक विकास का नया रास्ता

मुंबई।

भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए रिलायंस फाउंडेशन ने रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) 2025-26 के शीर्ष तीन अंडर-21 क्लबों के लिए जापान एक्सपोज़र टूर की घोषणा की है।भारत की प्रमुख अंडर-21 युवा फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद बेंगलुरु एफसी, एफसी गोवा और पंजाब एफसी की अंडर-21 टीमों को जापान की शीर्ष युवा टीमों के खिलाफ खेलने का अवसर मिलेगा।

यह पहल युवा खिलाड़ियों के विकास में रिलायंस फाउंडेशन के निरंतर निवेश का हिस्सा है।11 से 23 जुलाई तक जापान के फुकुओका में आयोजित होने वाले इस दौरे के दौरान भारतीय टीमें जापान के प्रतिष्ठित युवा क्लबों - एविस्पा फुकुओका अंडर-18, सागान तोसू अंडर-18, गिरावांज़ किताक्यूशू अंडर-18 और एफसी बालेन शिमोनोसेकी अंडर-21 - के खिलाफ मुकाबले खेलेंगी।इन मैचों का उद्देश्य भारत के उभरते युवा फुटबॉलरों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा, अलग-अलग खेल शैली और एशिया की सबसे सफल फुटबॉल विकास प्रणालियों में से एक का अनुभव प्रदान करना है।पंजाब एफसी, जिसने 2024 में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित यूनाइटेड किंगडम एक्सपोज़र टूर में एवर्टन एफसी और एस्टन विला जैसी टीमों को हराकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था, इस बार भी जापान दौरे का हिस्सा होगी।पंजाब एफसी को भारत के सबसे मजबूत ग्रासरूट फुटबॉल कार्यक्र मों में से एक के लिए जाना जाता है।दौरे से पहले पंजाब एफसी की युवा टीम के मुख्य कोच प्रवीण कुमार ने कहा, जापान की युवा फुटबॉल प्रणाली बेहद सुव्यवस्थित और संरचित है।पिछली बार हम यूके गए थे, जहां हमारी टीम में प्रमवीर और मोहम्मद सुहैल जैसे खिलाड़ी थे, जिन्हें वहां बेहतरीन सीखने का अवसर मिला।रिलायंस फाउंडेशन प्रतियोगिताओं और ऐसे अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र टूर के माध्यम से युवा फुटबॉल और सीनियर स्तर के बीच की दूरी को कम कर रहा है।

मुझे विश्वास है कि जापान की तकनीकी और सामरिक रूप से मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना हमारे खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती और शानदार सीख साबित होगा। पिछले कुछ वर्षों में आरएफडीएल की भारतीय टीमें इंग्लैंड की कई प्रतिष्ठित युवा टीमों के खिलाफ खेल चुकी हैं।जापान दौरा इन वैश्विक सीखने के अवसरों का अगला महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भारत के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी एशिया की अग्रणी फुटबॉल शक्तियों में से एक के खिलाफ अपनी क्षमता का आकलन कर सकेंगे।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने 2,000 करोड़ रुपये का इम्पैक्ट वेंचर फंड पेश किया

नयी दिल्ली। नेक्स्ट भारत वेंचर्स आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड ने सोमवार को 2,000 करोड़ रुपये के अपने दूसरे फंड की शुरुआत की घोषणा की।कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके साथ ही यह देश के सबसे बड़े इम्पैक्ट-केंद्रित वेंचर फंड में शामिल हो गया है।यह नया फंड ग्रामीण भारत तथा प्रवासी और शहरों के वंचित समुदायों के जीवन स्तर और सतत आजीविका में सुधार लाने वाले इम्पैक्ट उद्यमियों को बड़े पैमाने पर समर्थन प्रदान करेगा।नेक्स्ट भारत वेंचर्स दो वर्ष पुरानी संस्था है।यह कृषि, ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण गतिशीलता और सामाजिक हित के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर फोकस करती है।यह पहल आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है।इसका उद्देश्य ऐसे स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देना है जो रोजगार सृजित करें, किसानों की आय बढ़ाएं, ग्रामीण मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करें और महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को प्रोत्साहित करें।इससे पहले कंपनी ने 340 करोड़ रुपये का फंड पेश किया जो सफल साबित हुआ।अब तक उसने 50 से अधिक इम्पैक्ट स्टार्टअप का समर्थन किया है।उनमें से 20 से अधिक में पूंजी, मार्गदर्शन और इकोसिस्टम सहयोग के माध्यम से निवेश किया गया है।नेक्स्ट भारत वेंचर्स के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा आईआईटी हैदराबाद के पूर्व छात्र विपुल जिंदल नाथ ने कहा, हमारा पहला फंड इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक प्रभाव और व्यवसाय साथ-साथ चल सकते हैं।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है।

तेल कंपनियों के घाटे कम होने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट भारतीय ईंधन बाजार के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। यदि वैश्विक कीमतें अगले 7 से 10 दिनों तक अपने मौजूदा स्तर पर स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री में नो-प्रॉफिट नो-लॉस की स्थिति में पहुंच जाएंगी, जिसके बाद कीमतों में राहत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। वर्तमान में, सरकारी तेल कंपनियां पहले खरीदे गए महंगे स्टॉक के कारण अंडर-रिकवरी का सामना कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्हें 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिससे उन पर दबाव है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें स्थिर रहने पर कंपनियां धीरे-धीरे घाटे से उबरकर संतुलन पर आएंगी। हालांकि, रसोई गैस (एलपीजी) पर अब भी प्रति सिलेंडर करीब 500 रुपये का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ी है। साथ ही, सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से आपूर्ति सामान्य हुई है।

टाटा टेक्नोलॉजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि ऑपरेशन से आय 22 प्रतिशत बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। एबिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था। इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

बोर्ड बैठक में अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

सोना 189 रुपए टूटकर 1,47,189 पर, चांदी में 1179 रुपए की गिरावट

मुंबई। सोने और चांदी के खरीदारों के लिए यह सप्ताह एक सुनहरा अवसर लेकर आ सकता है। सोमवार को घरेलू वायदा बाजार में इन कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेश का माहौल तैयार हो गया है। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ये धातुएं तेजी के साथ कारोबार कर रही थीं, जो आने वाले समय में मजबूती का संकेत दे रहा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोना 189 रुपए टूटकर 1,47,189 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 1179 रुपए की गिरावट आई और यह 2,36,231 रुपए पर आ गई। इस गिरावट के बावजूद, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में तेजी देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतें इस सप्ताह मजबूत बनी रहने की संभावना है। निवेशकों की नजर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर रहेगी, साथ ही वे अमेरिका और अन्य प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर भी करीब से ध्यान देंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रणव मेर का मानना है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने को समर्थन मिलने की पूरी संभावना है, हालांकि वैश्विक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से कीमतों पर असर पड़ सकता है।

घरेलू बाजार में गिरी कीमतें, लेकिन वैश्विक संकेतों से मिल सकता है समर्थन

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज़्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही। आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला।

सतगढ़ी औद्योगिक क्षेत्र भोपाल की विकास यात्रा में होगा मंदिर के समान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क और कन्वेंशन सेंटर का किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भोपाल को सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क और कन्वेंशन सेंटर की बड़ी सौगात मिली है। यह इंडस्ट्रियल पार्क देश के पहले उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से जाना जाएगा। सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। सतगढ़ी क्षेत्र औद्योगिक विकास की दिशा में एक मंदिर के समान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम जो कहते हैं, करके दिखाते हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र हमारे किसानों के लिए भी समृद्धि का द्वार खोलेंगे। युवाओं को रोजगार मिलेगा। गारमेंट इंडस्ट्री से कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। हमारी सरकार खेत से कारखाने और उद्योग को बाजार से जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी कल्याण पर विशेष ध्यान दिया है। राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सोमवार को भोपाल के कोलार क्षेत्र स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट औद्योगिक

क्षेत्र का भूमिपूजन और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समाज के हर वर्ग के लिए एक जैसा होना चाहिए कानून

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश - एक विधान - एक निशान - एक प्रधान की बात कही थी। उनके इस संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समाज के हर वर्ग के लिए कानून एक जैसा होना चाहिए। प्रदेश की जनता ने तय कर लिया है कि यूसीसी मध्यप्रदेश में लागू होगा। इसके लिए कमेटी ने सभी धर्म-समुदाय के सुझाव लिए गए, जिससे किसी के साथ भेदभाव न हो। देश के बड़े राज्यों में, मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

सतगढ़ी में बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेन्टर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क से राजाभोज विमानतल की दूरी महज 25 किलोमीटर है। रानी कमलापति स्टेशन भी मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर है। भोपाल का वेस्टर्न बायपास भी यहीं से गुजरेगा। सतगढ़ी के 25 एकड़ क्षेत्र में 10 हजार क्षमता वाला एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर भी बनेगा। यह प्रदेश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर होगा। मध्यप्रदेश अपने औद्योगिक विकास और पारदर्शी व्यवस्था के साथ तेजी से आगे बढ़ता जाएगा। सागर ग्रुप के श्री सुधीर अग्रवाल सतगढ़ी में 100 करोड़ का निवेश करेंगे। भोपाल प्राकृतिक सुंदरता और झील-तालाबों की नगरी है, लेकिन अब यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क भी राजधानी की पहचान बनेगा। अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। भोपाल औद्योगिक नगरी के रूप में नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहां से प्रदेश के विकास का नया सूर्योदय हो रहा है।

जीआईएस 2025 का 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर आया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक अंचल में देश-दुनिया के निवेशक औद्योगिक इकाइयां स्थापित कर रहे हैं। पिछले रविवार को शिवपुरी में 2500 करोड़ लागत से रक्षा क्षेत्र की बड़ी औद्योगिक ईकाई का भूमि-पूजन किया है। यहां बनने वाली मिसाइलों की क्षमता 1000 किलोमीटर की होगी। इससे पहले मुरैना को सोलर सेक्टर की बड़ी सौगात दी है। रोजगार आधारित उद्योगों के लिए गुना में 2 हजार करोड़ रुपये का सीमेंट प्लांट भी बनाया जा रहा है। विकसित भारत ञ्च2047 के संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भोपाल में पहली बार जीआईएस जैसे बड़ा आयोजन संपन्न हुआ, जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आशीर्वाद मिला। जीआईएस 2025 में आए 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश में से 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर आ चुका है।

किसान कल्याण वर्ष में अब तक 86 हजार करोड़ रुपये के एमओयू हुए साइन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में जनवरी से लेकर अब तक निवेशकों के साथ 86 हजार करोड़ के एमओयू साइन हुए हैं। प्रदेशभर में हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश की बहनों को भी हर महीने सौगात मिल रही है, अब तक मुख्यमंत्री लाड़ली बहन योजना में राज्य सरकार 50 हजार करोड़ से अधिक राशि लाड़ली बहनों को जारी कर चुकी है। बहनें रोजगार आधारित उद्योगों में काम करेंगी तो उन्हें 5000 रुपए अलग से मिलेगा। प्रदेश में विरासत से विकास का कारवां जारी है। हमारे सभी देवस्थान अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। राज्य सरकार रामराज्य की प्रेरणा से हर वर्ग के लिए रोजगार, भोजन और आवास सहित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है।

सभी अधिकारी निर्वाचन नियमों का अच्छी तरह से कर लें अध्ययन, उसी के अनुरूप करें कार्य

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश संजीव कुमार झा ने सोमवार को दतिया विधानसभा उप निर्वाचन को लेकर दतिया के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। विधानसभा उप निर्वाचन के संबंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रामप्रताप सिंह जादौन, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजय श्रीवास्तव और राजेश यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने कहा कि सभी अधिकारी निर्वाचक नामावाली का अच्छी तरह से गहन अध्ययन कर लें। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन से संबंधित दिए गए निर्देशों के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि आचार संहिता का पूरी तरह से पालन हो, यह सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दतिया से मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन, मतगणना स्थल, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की बैठक, संपत्ति विरूपण कार्रवाई, उप निर्वाचन में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों का व्यापक प्रशिक्षण एवं ईवीएम का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण और लगने वाले बल के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी, नेटवर्क और आवागमन की बेहतर सुविधा रहे, यह सुनिश्चित करें। साथ ही मतदान प्रतिशत बेहतर हो, इसके लिए स्वीप की गतिविधियां भी नियमित रूप से संचालित की जाए। व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता को लेकर प्रचार प्रसार किया जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने कहा कि विभिन्न एजेंसियों द्वारा प्रतिदिन की जा रही कार्रवाई की जानकारी हर दिन समय पर उपलब्ध कराएं। साथ ही बॉर्डर स्टेट और उससे जुड़े जिले के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक करने के निर्देश दिए।

डॉ. मुखर्जी के एक देश-एक विधान-एक निशान-एक प्रधान के संकल्प को साकार करने का है प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पूरे सम्मान के साथ मनाई जा रही है। डॉ. मुखर्जी के च्एक देश-एक विधान-एक निशान-एक प्रधानज के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में अग्रसर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए विश्व में विशेष पहचान बनाई है। डॉ. मुखर्जी ने देश और समाज के सर्वांगीण विकास की कल्पना की। राज्य सरकार ने डॉ. मुखर्जी की जयंती के अवसर पर 15 दिवसीय जनकल्याण पखवाड़े की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के सभी गरीब, जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। इस दिशा में रोजगार के अवसर सृजित होने से हर वर्ग का कल्याण सुनिश्चित हो पा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने रक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। अब रक्षा क्षेत्र के कई उपकरण, मिसाइल और हथियार मध्यप्रदेश की धरती पर बनेंगे। चंबल की धरती सालों से मां भारती की सेवा करने वाले वीर सैनिकों की भूमि रही है। अब यहां आधुनिक हथियार भी तैयार किए जाएंगे। यह मिसाइल एक हजार किलोमीटर तक दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करने की क्षमता वाली होंगी। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, रवीन्द्र यति, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा के परिणाम आज होंगे घोषित

भोपाल। प्रदेश के राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा का परिणाम 7 जुलाई को दोपहर 2 बजे घोषित किया जाएगा। विद्यार्थी एवं अभिभावक राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर परिणाम देख सकेंगे। इसके साथ ही इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 16 से 23 जून 2026 के बीच 5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में प्रदेश के शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 1 लाख 17 हज़ार से अधिक और कक्षा 8वीं के 1 लाख 32 हज़ार से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केंद्र बनाये गए थे। 17 हज़ार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है : मलैया

दमोह

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष पर जबेरा विधानसभा के अंतर्गत तेंदूखेड़ा तहसील में जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के नेतृत्व में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक एवं धर्मस्व विभाग राज्य स्वतंत्र प्रभार एवं जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी, सांसद राहुल सिंह लोधी, विधायक एवं पूर्व मंत्री जयंत कुमार मलैया ने सम्मेलन को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में कार्यकर्ता सम्मेलन के साथ लोकतंत्र सेनानियों निगुण खरे, अमृत लाल चौरसिया सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता गण का सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय की चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। तंदुपरांत मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि भारतीय जनता

पार्टी का संगठन देशभक्ति, सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करता है। संगठन की पंच निष्ठा राष्ट्रवाद, सुशासन, विकास, संगठनात्मक मजबूती और अंत्योदय ही भाजपा की पहचान है। विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा। हमें उनके विचारों को आत्मसात कर संगठन की रीति नीति के अनुरूप कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और संगठनात्मक मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित और सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनके समर्पण से ही संगठन निरंतर आगे बढ़ता है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हमें राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता है। प्रत्येक कार्यकर्ता संघर्ष और सेवा के मार्ग पर चलते हुए जनता के बीच सरकार की योजनाओं को पहुंचाएं। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, सुशासन और विकास है। कार्यकर्ता सम्मेलन में वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी पूर्व मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व सांसद चंद्रभान सिंह लोधी,आदि उपस्थित रहे।

देवडोंगरा संकुल केंद्र में अनुभवी प्राचार्य की मांग

पटेरा (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत पटेरा अंतर्गत ग्राम पंचायत देवडोंगरा ने शासकीय उमा विद्यालय देवडोंगरा में अनुभवी एवं योग्य प्राचार्य की नियुक्ति की मांग को लेकर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दमोह तथा जिला शिक्षा अधिकारी सत्यम चौरसिया को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि विद्यालय में पदस्थ प्राचार्य श्रीमती नीता चौरसिया द्वारा विद्यालय का संचालन व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से किया जा रहा था लेकिन स्थानांतरण नीति 2026 के तहत उनके स्थानांतरण के बाद विद्यालय के बेहतर संचालन के लिए अनुभवी एवं योग्य प्राचार्य की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में विद्यालय में पदस्थ प्राचार्य श्रीमती सपना पाठक के कार्यकाल के दौरान कई अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं। पंचायत का दावा है कि उनके कार्यकाल में एक अस्थायी सफाई कर्मचारी द्वारा प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या किए जाने का मामला भी सामने आया थाए जिसकी जांच अभी पूर्ण नहीं हुई है। ऐसे में ग्राम पंचायत ने मांग की है कि श्रीमती सपना पाठक को पुन: संकुल प्राचार्य का दायित्व न सौंपा जाए क्योंकि इससे विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

निजी स्कूलों में नि :शुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)

प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश दिया जाता है, जिसका शुल्क प्रदेश सरकार वहन करती है। प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।

तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं होगा-राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। ऐसे आवेदक, जिन्होंने पूर्व चरणों में आवेदन किया था और सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ, वे तृतीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, जिन आवेदकों को पूर्व चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था, लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, वे भी तृतीय चरण की प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के अनुसार विद्यालयों की चॉइस फिर से अपडेट कर सकेंगे। जानकारी अनुसार 08 जुलाई 2026 तक-आवेदकों को रिक्त सीटों वाले विद्यालयों के लिए अपनी चॉइस अपडेट करने होगी। 10 जुलाई 2026- तीसरे चरण के लिए ऑनलाइन लॉटरी और 11 से 20 जुलाई 2026-आवंटन के बाद संबंधित विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया एवं संबंधित विद्यालय द्वारा आरटीई मोबाइल ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज की जाएगी।

वर्षाकाल में झरनों और वॉटर बॉडी के पास जाने पर प्रतिबंध

दमोह (स्वतंत्र मत)

वर्षाकाल के दौरान झरनों एवं अन्य वॉटर बॉडी के आसपास होने वाली दुर्घटनाओं और जनहानि की घटनाओं को देखते हुए उपखंड मजिस्ट्रेट दमोह सौरभ गंधर्व ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत संपूर्ण दमोह अनुभाग में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार झरनों, वॉटर बॉडी तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के 50 मीटर दायरे में प्रवेश करना, पिकनिक मनाना, स्नान करना, वीडियो एवं फोटोग्राफी करना, वाहन पार्किंग एवं वाहन उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा उक्त क्षेत्रों में दुकानए रेहड़ी या खाद्य सामग्री की बिक्री भी प्रतिबंधित रहेगी। एसडीएम श्री गंधर्व ने बताया दमोह अनुभाग के सभी जलाशयों में बिना अनुमति संचालित नाव, नौकाओं एवं अन्य जल क्रीड़ा संबंधी गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वर्षाकाल के दौरान समस्त झरनों एवं वॉटर बॉडी के समीप जाना भी प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने जनहानि एवं धनहानि की रोकथाम तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह आदेश एकपक्षीय रूप से जारी किया गया है।

लगातार अनुपस्थिति पर आंगनबाड़ी सहायिका की सेवा समाप्त

दमोह। दमोह शहर के सरदार पटेल वार्ड 13 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 26 में पदस्थ आंगनबाड़ी सहायिका वर्षा चौबे की लगातार केंद्र पर अनुपस्थिति के आरोप में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह की शहरी परियोजना अधिकारी ने जानकारी दी।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 06/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति आभा राणा पति रेखलाल राणा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक ब्लाक 4 फ्लेट नं. 4 डी 5 स्काय विला अन्नतारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002907030 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित पांचवी मंजिल 2013 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती बाला खत्री पति जगदीश प्रसाद खत्री का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 06/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गोपाल स्वामी पिता रामा स्वामी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक फ्लेट नं. A-A5 and AB-5 ईश्वरतम टाईप गार्डन विला सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000233453 जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र पांचवी मंजिल 4256 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री मनीष ग्रोवर पिता स्व. चरनजीत लाल ग्रोवर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

In The Court Of VI Additional District and Session Judge, District Court, Jabalpur

Presiding Officer : किशोर कुमार मिश्रा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(MJC GW/0000026/2026

मुकेश राजपूत .... वादी
Vs
आम जनता...............................प्रतिवादी

Process Id-2026
पेशी दिनांक : 14/07/2026

प्रेषिती,
(1) आम जनता पता-जबलपुर मप्र
यह कि प्रार्थी मुकेश राजपूत ने आपके विरूद्ध एम जे सी डब्ल्यू आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 7 हिंदु दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 29 जून 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(के.के. मिश्रा)
जिला न्यायाधीश षष्टम
जबलपुर (म.प्र.)

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

दशम निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	3.	6.
1.	Tender ID-2026_UAD_ 519569_1/ PRO-369 Date : 06/07/2026	संभाग क्रं. 02 कछपुरा अंतर्गत रानीदुर्गावती वार्ड में इमलीघाट मंदिर से लडिया मोहल्ला तिराहे तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	03 माह 23.56 लाख	5000 17670	17/07/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

भाजपा ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा रानीताल स्थित संभागीय कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सांसद आशीष दुबे ने डॉ. मुखर्जी के ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सांस्कृतिक चेतना और अखंडता के लिए समर्पित था।

अज्ञात कार चालक ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर

एनएच-30 की घटना, जांच में जुटी पुलिस

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 30 झुझारी मोड पर सोमवार सुबह तेज रफ्तार अज्ञात कार चालक ने बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक रोड पर दूर जा गिरे जिसके कारण उनके सिर और हाथ पैर में गंभीर चोटें आयी । मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लाया गया ,जहां पर उनका इलाज जारी है । 25 वर्षीय विनीत नामदेव पिता महेश नामदेव एवं 16 वर्षीय भरा बर्मन पिता परमू बर्मन निवासी दोनों ग्राम रिठौरी के रहने वाले हैं। वह सिलेंडर भरवाकर अपने गांव रिठौरी लौट रहे थे। तभी नेशनल हाईवे 30 झुझारी मोड पर अज्ञात कर चालक ने टक्कर मार दी।

आधी रात डॉक्टर के घर पहुंचे हथियारबंद बदमाश, डिजिटल लॉक ने रोकी बड़ी वारदात

ग्वारीघाट क्षेत्र का मामला, सीसीटीवी में दिखे नकाबपोश चेहरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

ग्वारीघाट थाना क्षेत्र स्थित शहर की पॉश रिलायबल कॉलोनी में रविवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने एक डॉक्टर के घर में घुसकर डकैती का प्रयास किया गया। बताया जा रहा है कि 4 नकाबपोश बदमाशों ने पहले घर का मुख्य गेट खोला और फिर मुख्य दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। हालांकि दरवाजे पर लगे डिजिटल लॉक और डॉक्टर की सतर्कता के चलते बदमाश अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके।

जानकारी के अनुसार निजी अस्पताल में कार्यरत डॉ. विपिन अग्रवाल अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात लगभग 2 बजे उन्हें खटपट की आवाज सुनाई दी। उन्होंने पहले बेडरूम की खिड़की से नीचे देखा तो घर का लोहे का

मुख्य गेट खुला दिखा। इसके बाद जब वह बालकनी में पहुंचे तो देखा कि पड़ोसी का गेट भी खुला हुआ था।

घरों से बाहर निकले कॉलोनीवासी

उन्होंने देखा कि बालकनी से

नीचे झांकने पर उन्होंने देखा कि एक बदमाश चेहरे पर सफेद कपड़ा बांधकर हाथ में लोहे का औजार लिए सड़क पर निगरानी कर रहा था, जबकि 3 अन्य बदमाश मुख्य दरवाजे पर लोहे के हथियारों से वार कर उसे तोड़ने का प्रयास कर रहे थे।

यह देखकर डॉ. अग्रवाल ने जोर-जोर से शोर मचाया और बदमाशों से पूछा कि वे कौन हैं। इसके बाद उन्होंने तत्काल घर के सभी दरवाजे बंद किए, डायल-112 पर सूचना दी और पड़ोसियों को फोन कर सतर्क किया। इधर शोर सुनते ही कॉलोनी के लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए और कई घरों की लाइटें जल गईं। लोगों की हलचल बढ़ते देख बदमाश मौके से भाग निकले।

पुलिस ने किया पीछा, हमले की भी चर्चा

बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलने के लगभग 10 मिनिट बाद ग्वारीघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। डॉ. अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि बदमाश रेल पटरी की ओर से कॉलोनी में दाखिल हुए थे। पुलिस ने उसी रास्ते से उनकी तलाश करते हुए काफी दूर तक पीछा किया। स्थानीय लोगों के अनुसार पीछा करने के दौरान कुछ बदमाशों ने पुलिस पर भी हमला करने का प्रयास किया, हालांकि इस दौरान किसी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मुख्य दरवाजे पर डिजिटल लॉक लगा होने के कारण बदमाश काफी प्रयास के बावजूद दरवाजा नहीं तोड़ सके। यदि दरवाजा टूट जाता तो बड़ी वारदात हो सकती थी। घटना के बाद कॉलोनीवासियों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें चार नकाबपोश बदमाश हथियारों के साथ कॉलोनी में घूमते दिखाई दिए। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

सिंगरौली बहुचर्चित हत्याकांड, तीन आरोपियों को मप्र हाईकोर्ट ने किया बरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति अवनिन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने साफ किया कि हत्या जैसे गंभीर अपराध में भी दोषसिद्धि तभी टिक सकती है, जब परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूरी श्रृंखला संदेह से परे स्थापित हो। हाईकोर्ट ने इसी सिद्धांत को आधार बनाते हुए सिंगरौली के बहुचर्चित हत्याकांड में 3 आरोपितों को बरी कर दिया।

ये है पूरा मामला

दरअसल यह मामला गोरेलाल विश्वकर्मा की हत्या से संबंधित था, जिसमें ट्रायल कोर्ट ने आरोपितों को धारा 302/34 एवं 201 आईपीसी के तहत दोषी ठहराया था। हाई कोर्ट ने रिकार्ड का परीक्षण करते हुए पाया कि अभियोजन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूर्ण एवं अखंड श्रृंखला स्थापित नहीं कर सका।

पुलिस पहले ही उसे गमछा दिखा चुकी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन का लास्ट सीन

साक्ष्यों की पूर्ण एवं अखंड श्रृंखला स्थापित नहीं कर सका अभियोजन

साक्ष्य विरोधाभासों से ग्रस्त था। प्रमुख गवाह के बयान और केस डायरी में समय संबंधी गंभीर असंगतियां थीं। वहीं मृतक के गले में मिले गमछे की पहचान भी विश्वसनीय नहीं मानी गई, क्योंकि पहचानकर्ता ने स्वीकार किया कि पुलिस पहले ही उसे गमछा दिखा चुकी थी। मप्र हाईकोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि प्रारंभिक एफआईआर अज्ञात आरोपितों के विरुद्ध दर्ज हुई थी और शुरुआती बयानों में अपीलकर्ताओं पर संदेह तक व्यक्त नहीं किया गया था। दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश भी रिकार्ड पर थी। इन परिस्थितियों में कोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के शरद बिर्धिचंद सरडा बनाम महाराष्ट्र राज्य के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि मात्र संदेह के आधार पर दोषसिद्धि नहीं की जा सकती।

परिणामस्वरूप अपील स्वीकार करते हुए दोषसिद्धि निरस्त कर आरोपितों की तत्काल रिहाई के आदेश दिए गए।

प्रदेश की 593 लाइनों ने रचा बिना ब्रेकडाउन का कीर्तिमान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी ट्रांसको ने निर्बाध बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। शहर को रोशन करने वाली जबलपुर की दो प्रमुख एक्स्ट्रा हाई टेंशन ट्रांसमिशन लाइनें पिछले 1,500 दिनों यानी करीब चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के लगातार बिजली पारेषण कर रही हैं। इसमें वर्ष 1988 में बनी 132 केवी जबलपुर-बरगी पावर हाउस लाइन और 1 जून 1964 को शुरू हुई छह दशक पुरानी 132 केवी जबलपुर-पनागर लाइन शामिल हैं, जो अपनी उम्र के बावजूद आज भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। एमपी ट्रांसको की प्रदेशभर में फैली उन 593 ईएचवी लाइनों की महासफलता का हिस्सा है, जिन्होंने आंधी-तूफान, भारी बारिश और आकाशीय बिजली जैसी गंभीर प्राकृतिक चुनौतियों के बीच भी राज्य में बिजली की रफ्तार को थमने नहीं दिया। यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और आउटसोर्स कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, कुशल मेंटेनेंस और मजबूत टीमवर्क का जीता-जागता परिणाम है। महत्वपूर्ण कारकों में संवेदनशील पारेषण स्थलों की विशेष निगरानी, थर्मो-विजन निरीक्षण, प्री-मानसून मेंटेनेंस अभियान, लाइन कॉरिडोर का सुचारू प्रबंधन, पेड़ों की समयबद्ध छंटाई तथा इंसुलेटर व कंडक्टर का निवारक अनुरक्षण शामिल हैं।

बेटिकिटों को पकड़कर जबलपुर रेल मंडल को मिला करोड़ों का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल द्वारा यात्री गाड़ियों में संचालित सघन टिकट जांच अभियान के उत्कृष्ट परिणाम सामने आए हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के तीन माह (1 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026) के दौरान वाणिज्य विभाग की टीम ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करते हुए कुल 2 लाख 54 हजार से अधिक अनियमित,बिना टिकट एवं अनबुक्ड लगेज यात्रियों को पकड़ा, जिनसे कुल 21 करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक का राजस्व रेलवे को प्राप्त हुआ।

मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के नेतृत्व में टिकट चेकिंग स्टाफ एवं वाणिज्य विभाग की टीम द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में निरंतर और लक्षित जांच अभियान चलाए गए।

विमेंस क्लब ऑफ गोलबाजार ने पेश की मानवता की मिसाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेवा, सहयोग और मानवता की मिसाल पेश करते हुए विमेंस क्लब ऑफ गोल बाजार द्वारा रविवार को विक्टोरिया अस्पताल में संचालित सुदामा थाली संस्था को सहयोग राशि प्रदान कर मरीजों के परिजनों के लिए एक समय के भोजन की व्यवस्था कराई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मरीजों के परिजनों को ससम्मान भोजन परोसा गया। क्लब की सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। मरीजों के साथ अस्पताल में रहने वाले परिजनों को भोजन उपलब्ध कराना एक छोटी-सी कोशिश है, जो उन्हें कठिन समय में सहारा देने का माध्यम बनती है।

इस सेवा कार्य का नेतृत्व प्रमिता शर्मा, मीरा दी एवं नीतू साहू ने किया। कार्यक्रम में भावना सिंघारा, ज्योति राठौर, अपर्णा पाठक, नीलू गुप्ता, आयु तिवारी, रजनी नामदेव, रजनी विश्वकर्मा, कल्पना शुक्ला सहित विमेंस क्लब ऑफगोलबाजार की अनेक सदस्य उपस्थित रहीं और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। क्लब ने बताया कि भविष्य में भी समाजहित एवं जनकल्याण से जुड़े ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

जिनसार में नॉरसेट पर करियर काउंसलिंग का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा स्पार्क नर्सिंग अकादमी, केरल के सहयोग से 6 जुलाई को ऑनलाइन माध्यम से करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग विद्यार्थियों को नॉरसेट परीक्षा, करियर नियोजन एवं व्यावसायिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को परीक्षा की पात्रता, चयन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, पाठ्यक्रम, अंकन प्रणाली तथा प्रभावी तैयारी की रणनीतियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विशेषज्ञों ने उपलब्ध रिक्तियों, पात्रता मानदंड, उच्च वेटेज वाले विषयों, अध्ययन की प्राथमिकताओं, नियमित मॉक टेस्ट, सामान्य ज्ञान एवं एप्टीट्यूड की तैयारी, समय प्रबंधन, सफलता के महत्वपूर्ण सूत्र तथा टॉपर्स की तैयारी की रणनीतियों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। यह कार्यक्रम जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च की प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय में डॉ. अनूप तिवारी एवं प्रो. डॉ. सुरभि रौना केहरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रतिभागियों ने इस ज्ञानवर्धक सत्र की सराहना करते हुए विशेषज्ञों से सक्रिय संवाद किया। कार्यक्रम के अंत में सभी संसाधन व्यक्तियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह करियर काउंसलिंग कार्यक्रम नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

ग्वालियर-रीवा के बीच चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्द्येश्य से रेल प्रशासन द्वारा 04191/04192 ग्वालियर-रीवा-ग्वालियर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन ग्वालियर से 08 जुलाई से 25 नवम्बर 2026 तक (22 जुलाई 2026 को एक ट्रिप छोड़कर) तथा रीवा से भी 08 जुलाई से 25 नवम्बर 2026 तक (22 जुलाई 2026 को एक ट्रिप छोड़कर) बीस-बीस ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 04191 ग्वालियर-रीवा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को ग्वालियर से सुबह 07.40 बजे प्रस्थान कर, डबरा 08.12 बजे, दतिया 08.38 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी 09.10 बजे, निवाड़ी 09.49 बजे, मऊ रानीपुर 10.16 बजे, हरपालपुर 10.36 बजे, महोबा जंक्शन 11.23 बजे, बाँदा जंक्शन 12.35 बजे, अतर्रा 13.18 बजे, चित्रकूटधाम कर्वी 14.15 बजे, टिकरिया 16.50 बजे, मझगवां 17.20 बजे, जैतवार 17.58 बजे, कैमा जंक्शन 18.30 बजे आगमनकर उसी दिन शाम को रीवा 19.40 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या रीवा-ग्वालियर साप्ताहिक प्रत्येक बुधवार को रीवा से रात 21 बजे प्रस्थान कर कैमा जंक्शन 21.50 बजे, जैतवार 22.38 बजे, मझगवां 23.03 बजे, टिकरिया 23.23 बजे, पहुंचकर दूसरे दिन चित्रकूटधाम कर्वी मध्यरात्रि 00.38 बजे, अतर्रा 01.15 बजे, बांदा जंक्शन 02.15 बजे, महोबा जंक्शन 03.30 बजे, हरपालपुर 04.20 बजे, मऊ रानीपुर 04.43 बजे, निवाड़ी 05.23 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी 07 बजे, दतिया 07.40 बजे, डबरा 08.05 बजे, पहुंचकर गुरुवार को ग्वालियर 09.40 बजे पहुँचेगी।

कैच द रेन, अमृत-2.0 के कार्यों में लाएं तेजी: निगमायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में 'कैच द रेन' अभियान और 'अमृत-2.0' योजना के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी । बैठक में निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण, नगरीय उद्यानों के विकास और शहरी अधोसंरचना को मजबूत करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी शासकीय भवनों में वर्षा जल संचयन के बुनियादी ढांचे को तय समय-सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। अमृत-2.0 योजना के तहत शहर में चल रही जलापूर्ति और सीवरेज परियोजनाओं की प्रगति पर बात करते हुए निगमायुक्त अहिरवार ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने तकनीकी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में उतरकर निर्माण कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज आम नागरिकों की शिकायतों की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों को दो टूक लहजे में निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का निराकरण केवल कागजों पर नहीं, बल्कि आवेदक की पूर्ण संतुष्टि के साथ होना चाहिए।

South Avenue Mall | moviemagic | ruby moviemagic

EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAITS

ALPHA (HIN)	9:40 AM, 12:20 PM, 4:35 PM, 6:10 PM & 10:30 PM; RUBY 7:15 PM & 9:35 PM
NAGABANDHAM - THE SECRET TREASURE (HIN)	RUBY 10:20 AM
MINIONS & MONSTERS (HINDI)	RUBY 3:20 PM
BABY DO DIE DO (HIN)	RUBY 12:30 PM
WELCOME TO THE JUNGLE (HIN)	9:25 AM, 12:30 PM, 3:40 PM, 6:50 PM, 9:30 PM & 10:15 PM; RUBY 6:30 PM, 9:45 PM
COCKTAIL 2 (HIN)	1:40 PM; RUBY 3:45 PM
MAIN VAAPAS AAUNGA (HIN)	3:00 PM & 7:20 PM
OBSESSION (ENG)	RUBY 1:15 PM & 5:05 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हर साल यूनिफार्म बदलवाने पर भड़क उठी छात्राएं, बीच चौराहे बैठकर घंटों किया चक्काजाम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

होम साइंस कॉलेज का मामला, मौके पर पहुंचा भारी पुलिस बल

नई यूनिफॉर्म अनिवार्य किए जाने के विरोध में सोमवार को होम साइंस कॉलेज की सैकड़ों छात्राएं सड़क पर उतर आईं। छात्राओं ने कॉलेज से निकलकर शहर के व्यस्त शास्त्री ब्रिज चौराहे पर लगभग एक घंटे तक चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान चारों ओर का यातायात प्रभावित रहा। इधर सूचना मिलते ही पुलिस, कॉलेज प्रबंधन और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शन कर रही छात्राओं का कहना था कि उनकी वर्तमान यूनिफॉर्म पूरी तरह ठीक है और उसे बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है। उनका आरोप था कि कॉलेज प्रबंधन ने नए शैक्षणिक सत्र से नई यूनिफॉर्म खरीदना अनिवार्य कर दिया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

जबरदस्ती थोपी जा रही नई यूनिफार्म

कई छात्राओं ने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति हर साल नई यूनिफॉर्म खरीदने की अनुमति नहीं देती। उन्होंने कहा कि कॉलेज में बड़ी संख्या में ऐसे परिवारों की छात्राएं पढ़ती हैं, जिनके अभिभावक मजदूरी या निजी नौकरी करते हैं। ऐसे में फीस के साथ हर वर्ष नई यूनिफॉर्म खरीदना उनके लिए मुश्किल है। पुलिस, कॉलेज प्रबंधन और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया।

पुलिस, कॉलेज प्रबंधन और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। छात्राओं ने बताया कि प्रथम वर्ष में प्रवेश के समय कॉलेज प्रबंधन के निर्देश पर उन्होंने 2 जोड़ी यूनिफॉर्म खरीदी थी। अब दूसरे वर्ष में प्रवेश के साथ फिर नई यूनिफॉर्म खरीदने का निर्देश दिया गया है। उनका कहना था कि जब पुरानी यूनिफॉर्म उपयोग योग्य है, तो उसे बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है।

चारों ओर लगा भारी जाम

प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने स्पष्ट कहा कि जब तक कॉलेज प्रबंधन अपना निर्णय वापस नहीं लेता, वे नई यूनिफॉर्म नहीं खरीदेंगी। चक्काजाम के चलते शास्त्री ब्रिज चौराहे पर लंबा जाम लग गया और यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। घटना की जानकारी मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक अल्केश चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि छात्राओं की मुख्य आपत्ति नई लाइट येलो रंग की यूनिफॉर्म को लेकर है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्राचार्य से चर्चा की जा रही है और प्रयास है कि ऐसा समाधान निकले, जिससे छात्राओं और कॉलेज प्रबंधन दोनों की सहमति बन सके। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि यूनिफॉर्म को वैकल्पिक (ऐच्छिक) बनाए जाने जैसे विकल्प पर विचार किया जा रहा है। प्रदर्शन की जानकारी लगते ही मौके पर कई थानों को पुलिस बल पहुंच गया था।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**